एमओएफएसएल की रिपोर्ट के अनुसार सोने की चमक कायम रहने की उम्मीद
- 12

सोशल मीडिया पोस्ट के साथ नाम और रजिस्ट्रेशन नंबर का उल्लेख जरूरी
- 12

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बोले- बंगाल में भाजपा जीती तो घुसपैठियों पर कड़ा एक्शन
- 13

रणजी फाइनल में कर्नाटक के खिलाफ जम्मू-कश्मीर बेहतर स्थिति में
- 14

आज का मौसम

31.0° अधिकतम तापमान

16.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.35

सूर्यास्त 06.09

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष एकादशी 10:33 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 27 फरवरी 2026, वर्ष 4, अंक 188, पृष्ठ 14 मूल्य 5 रुपये

'द केरल स्टोरी 2' पर रिलीज से एक दिन पहले लगी अंतरिम रोक

कोच्चि, एजेंसी

केरल हाईकोर्ट ने 'द केरल स्टोरी 2-गोज बियॉन्ड' के प्रदर्शन पर बृहस्पतिवार को अंतरिम रोक लगा दी। फिल्म 27 फरवरी को रिलीज होने वाली थी। न्यायमूर्ति बी. कुरियन थॉमस ने फिल्म के प्रदर्शन को चुनौती देने वाली दो याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया।

अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने यह सुनिश्चित नहीं किया कि फिल्म सामाजिक सद्भाव को भंग न करे। हाईकोर्ट ने कहा, सीबीएफसी की ओर से प्रमाणन प्रदान करते समय कानून की स्पष्ट अवहेलना हुई है, अदालत ने कहा कि ऐसी सामग्री

- केरल हाईकोर्ट ने कहा- फिल्म सामाजिक सद्भाव भंग न करे, ये कोशिश नहीं की गई

का प्रसार, जिसमें वैमनस्य उत्पन्न करने, कानून-व्यवस्था भंग करने और यहां तक कि सामाजिक सद्भाव को नुकसान पहुंचाने की प्रवृत्ति हो, संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) में निहित वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के दायरे में नहीं आता है। अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ता श्रीदेव नंबूदरी की ओर से दायर पुनरीक्षण याचिका पर दो सप्ताह के भीतर विचार कर आदेश पारित करे।

'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' अध्याय वाली पुस्तक पर प्रतिबंध

एनसीईआरटी निदेशक और शिक्षा विभाग के सचिव को कारण बताओ नोटिस, आपराधिक अवमानना की कार्यवाही की चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीईआरटी की 8वीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की उस पुस्तक के भविष्य में किसी भी प्रकाशन, पुनर्मुद्रण या डिजिटल प्रसार पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है, जिसमें 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' नाम का खंड शामिल किया गया था। कोर्ट ने पुस्तक की सभी प्रतियां तुरंत जब्त करने और डिजिटल प्रतियां हटाने का निर्देश दिया। एनसीईआरटी के निदेशक और शिक्षा विभाग के सचिव को नोटिस जारी कर पूछा गया कि क्यों न अवमानना और दूसरी जरूरी कार्यवाही की जाए।

कोर्ट ने इस मामले में गहन जांच की मंशा जताते हुए स्पष्ट किया कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और स्वायत्तता पर गंभीर परिणामों

- उन बैठकों का मूल रिकॉर्ड तलब जिनमें अध्याय को विचार-विमर्श कर दी गई मंजूरी

और स्थाई प्रभाव को ध्यान में रखते हुए ऐसा दुर्व्यवहार न्यायालय की अवमानना अधिनियम 1971 की धारा 2(सी) के अंतर्गत आपराधिक अवमानना के दायरे में आएगा। यह जानबूझकर किया गया कृत्य पाया जाता है तो न्यायिक प्रणाली में हस्तक्षेप के साथ संस्था को बदनाम करने का भी मामला होगा। कोर्ट ने उन बैठकों के ब्योरे का मूल रिकॉर्ड तलब किया, जिनमें आपत्तिजनक अध्याय पर विचार-विमर्श किया गया था और उसे अंतिम रूप दिया गया था।

न्यायपालिका के खिलाफ गहरी साजिश और सुनियोजित प्रयास: सीजेआई

सुनवाई के दौरान स्पष्ट रूप से नाराज नजर आ रहे सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, पुस्तक की सामग्री के प्रथम दृष्ट्या अवलोकन और निदेशक से प्राप्त प्रशासनिक प्रतिक्रिया के साथ इसे पढ़ने पर ऐसा प्रतीत होता है कि एक गहरी साजिश के तहत न्यायपालिका के संस्थागत प्राधिकार को कमजोर करने और उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने का एक सुनियोजित प्रयास किया गया है। सीजेआई ने कहा, उन्होंने आघात किया है। न्याय पालिका इससे आहत है। न्यायिक संस्था के प्रमुख के रूप में मेरा कर्तव्य है कि मैं पता लगाऊं कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है। दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। पुस्तक में शब्दों और अभिव्यक्तियों का चयन महज अनजाने में हुई गलती या त्रुटि नहीं हो सकता।

सुधारों का पुस्तक में नहीं किया जिक्र

शीर्ष अदालत ने उल्लेख किया कि पुस्तक में वर्णित विवरण में न्यायालय द्वारा शुरू की गई किसी भी परिवर्तनकारी पहल और उपायों का उल्लेख नहीं किया गया है, जिनमें न्याय तक सुगम पहुंच को सुव्यवस्थित करना और लोकतांत्रिक तानेबाने के संरक्षण में न्यायपालिका का महत्वपूर्ण योगदान भी शामिल है। इस न्यायालय द्वारा अतीत में भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और सार्वजनिक धन के गबन आदि के लिए निंदा किए गए उच्च पदस्थ अधिकारियों की भारी संख्या को देखते हुए यह चुप्पी विशेष रूप से निंदनीय है।

मामले में कार्रवाई की जाएगी : प्रधान

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एनसीईआरटी की आठवीं की पुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर अध्याय शामिल करने को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने जवाबदेही तय करने और पाठ्यक्रम के विवादास्पद अंश को तैयार करने में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का वादा किया। प्रधान ने इस बात पर जोर भी दिया कि सरकार न्यायपालिका का पूरा सम्मान करती है और इस संस्था का अनादर करने का उसका कोई इरादा नहीं है। जो कुछ हुआ है उससे मैं बहुत दुखी हूं।

- पीठ ने कहा, पुस्तक में अत्यंत लापरवाही, गैरजिम्मेदाराना, अपमानजनक तरीके से लिखी बातों पर गौर करने के बजाय एनसीईआरटी निदेशक ने अपने जवाब में सामग्री का बचाव किया।
- पीठ ने कहा कि यदि यह बेरोकटोक होने दिया गया तो न्यायपालिका की शुचिता और आम लोगों के बीच उसकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचेगी, इससे भी महत्वपूर्ण है कि बच्चों के मन पर इसका गहरा प्रभाव पड़ेगा।

ब्रीफ न्यूज

हवाई अड्डे पर 24 करोड़ का मादक पदार्थ जब्त

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने थाईलैंड से आए दो भारतीय यात्रियों के पास से 23.9 किलोग्राम संदिग्ध मादक पदार्थ जब्त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 24 करोड़ रुपये है। आधिकारिक बयान के मुताबिक यात्री 22 फरवरी को टर्मिनल 3 पर पहुंचे जहां उन्हें आव्रजन क्षेत्र के ग्रीन चैनल पर रोका गया। उनके सामान की पहले एक्स-रे जांच और बाद में विस्तृत जांच की गई। तलाशी में हरे रंग के संदिग्ध मादक पदार्थ से भरी पॉलीथीन की 14 थैलियां बरामद की गई जिनमें से आठ एक ट्रॉली बैग में और छह दूसरे बैग में छिपाई गई थीं।

महाराष्ट्र में लव जिहाद कानून का मसौदा तैयार

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने कथित 'लव जिहाद' के मामलों को रोकने के मकसद से प्रस्तावित कानून का एक मसौदा तैयार किया है। विधि एवं न्यायपालिका विभाग ने मसौदा कानून को अंतिम रूप दे दिया है। सत्तारूढ़ दल के विधायकों की तरफ से जबरदस्ती, धोखाधड़ी या लालच देकर किए गए धर्म परिवर्तन को अपराध मानने के लिए एक सख्त कानून की मांग बढ़ रही थी। इसके जवाब में राज्य सरकार ने इस मामले की संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए एक उच्च-स्तरीय समिति बनाई थी। कई भाजपा शासित राज्यों ने पहले ही धर्म परिवर्तन विरोधी कानून बना दिए हैं।

राकांपा की अध्यक्ष बनीं सुनेत्रा पवार

मुंबई। महाराष्ट्र में उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। उनके बड़े बेटे पार्थ पवार को जल्द ही राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किए जाने की संभावना है। यह आधिकारिक घोषणा वर्ली में आयोजित पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन 2026 के दौरान की गई। राकांपा प्रमुख रहे अजित पवार के असामयिक निधन के बाद पार्टी की कमान संभालने के लिए सुनेत्रा पवार के नाम का प्रस्ताव वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल ने रखा, जिसे सभी नेताओं ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। पार्टी के नए संगठनात्मक ढांचे में कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे को शामिल किया गया है।

भारत-इजराइल के संबंधों का नया दौर विशेष रणनीतिक साझेदारी की घोषणा

मोदी की यात्रा के दौरान कृषि, ऊर्जा और डिजिटल भुगतान के क्षेत्रों में 17 समझौते

- सैन्य उपकरणों के संयुक्त विकास और उत्पादन की दिशा में काम करेंगे दोनों देश

यरुशलम, एजेंसी

भारत और इजराइल ने बृहस्पतिवार को समय की कसौटी पर खरे साबित हुए संबंधों को एक विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक आगे बढ़ाया और पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने पर सहमति व्यक्त की। मोदी और नेतन्याहू के बीच हुई वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने व्यापार, कृषि, ऊर्जा, साइबरस्पेस और डिजिटल भुगतान के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए 17 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए 10 घोषणाएं की गईं। इनमें भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली यूपीआई को इजराइल में भी लागू करने का करार भी शामिल है।

भारत और इजराइल ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के ढांचे के तहत सैन्य उपकरणों के संयुक्त विकास और संयुक्त उत्पादन की दिशा में काम करके अपनी

यरुशलम में प्रधानमंत्री मोदी और नेतन्याहू की मौजूदगी में किए गए समझौतों पर हस्ताक्षर।

उभरती प्रौद्योगिकियों की साझेदारी की भी घोषणा

प्रधानमंत्री मोदी ने एआई, क्वांटम तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्रों में सहयोग को नई गति देने के लिए महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों की साझेदारी की स्थापना की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि इजराइल में यूपीआई के उपयोग के लिए एक समझौता हो गया है। भारत और इजराइल के बीच भारत-पश्चिम एशिया यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के कार्यान्वयन और आई2यू2 (भारत-इजराइल-यूएई-अमेरिका) के ढांचे के तहत सहयोग पर भी चर्चा हुई।

पहले से ही घनिष्ठ रक्षा साझेदारी का विस्तार करने का भी संकल्प लिया। साथ ही भारत और इजराइल ने आपसी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की प्रतिबद्धता जताई है। यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गाजा शांति पहल का जोरदार समर्थन करते हुए कहा कि मानवता को कभी संघर्ष का शिकार नहीं बनना चाहिए। मीडिया बयान में मोदी ने कहा कि भारत का सुरक्षा हित पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता से जुड़ा है।

मोदी की झप्पी पूरी दुनिया में अब मशहूर: नेतन्याहू

नई दिल्ली। भारत और इजराइल के द्विपक्षीय संबंधों में एक नया मुहावरा जुड़ा और वह है 'मोदी झप्पी'। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने वहां की संसद 'नेसेट' में मोदी के संबोधन से पहले दिए गए अपने भाषण में इसका प्रयोग किया। नेतन्याहू ने कहा कि जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी विमान की सीढ़ियों से नीचे उतरे, दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया। नेतन्याहू ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का व्यक्तिगत रूप से गले मिलना कुछ खास है और इसे पूरी दुनिया में 'मोदी झप्पी' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने कहा कि जब आप किसी को सच्चाई के साथ और इतने करीब से गले लगाते हैं तो आपको पता चलता है कि यह वास्तविक है। नेसेट में जोरदार तालियों की गड़गड़ाहट के बीच नेतन्याहू ने कहा कि वह इस 'झप्पी' को वापस लौटाना चाहते हैं।

रणनीतिक साझेदारी का नया इतिहास रचेंगे यूपी-जापान

- यामानाशी के गवर्नर का 200 जापानी सीईओ के साथ अगस्त में यूपी दौरे का प्रस्ताव
- ग्रीन हाइड्रोजन, उद्योग व तकनीक पर एमओयू को सीएम योगी ने बताया ऐतिहासिक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश और जापान के यामानाशी प्रांत के बीच रणनीतिक साझेदारी का नया अध्याय शुरू हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जापान दौरे के दौरान गुरुवार को यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोटारो नागासाकी ने अगस्त में 200 जापानी सीईओ के साथ उत्तर प्रदेश का दौरा करने का प्रस्ताव दिया, जिसका मुख्यमंत्री ने स्वागत किया। इसे प्रदेश में निवेश, तकनीकी साझेदारी और औद्योगिक विस्तार की दिशा में बड़ा संकेत माना जा रहा है।

इस दौरान उत्तर प्रदेश सरकार और यामानाशी प्रांत के बीच उद्योग, पर्यटन, व्यावसायिक शिक्षा और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे भावी क्षेत्रों में सहयोग को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसमें स्वच्छ ऊर्जा नवाचार, तकनीकी आदान-प्रदान और मानव संसाधन विकास को प्राथमिकता दी गई है। मुख्यमंत्री ने बताया, आईआईटी कानपुर को ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह पहल न केवल राज्य को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाएगी, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन के राष्ट्रीय लक्ष्य को भी मजबूती देगी।

योगी ने यामानाशी में फैनुक कॉर्पोरेशन का दौरा किया।

ग्रीन हाइड्रोजन भविष्य का आधार

मुख्यमंत्री ने यामानाशी स्थित अत्याधुनिक हाइड्रोजन संयंत्र का दौरा किया। उन्होंने पावर-टू-गैस प्रणाली को नजदीक से देखा और विशेषज्ञों से इसकी कार्यप्रणाली की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मॉडल स्वच्छ ऊर्जा और हरित विकास की दिशा में उत्तर प्रदेश के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा।

उत्तर प्रदेश में निवेश का निमंत्रण

यामानाशी में आयोजित यूपी इन्वेस्टमेंट रोड शो के दौरान गुरुवार को मुख्यमंत्री ने जापानी उद्योग जगत को उत्तर प्रदेश में निवेश का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के उच्च तकनीकी संस्थानों के छात्र जापान में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और सीखी गई तकनीक को प्रदेश की इंडस्ट्री, पब्लिक ट्रांसपोर्ट और ऊर्जा क्षेत्र में लागू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज स्केल, स्किल और स्पीड के विकास मॉडल पर आगे बढ़ रहा है।

अनिल अंबानी के खिलाफ 2,220 करोड़ की धोखाधड़ी में नया केस

नई दिल्ली। सीबीआई ने उद्योगपति अनिल अंबानी एवं रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) के खिलाफ 2013-17 के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा से कथित धोखाधड़ी कर बैंक को 2,220 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचाने के आरोप में नया मामला दर्ज किया है। अधिकारियों के मुताबिक यह मामला मंगलवार को बैंक से मिली शिकायत पर दर्ज किया गया है।

सीबीआई प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, मामला दर्ज होने के बाद सीबीआई ने अनिल अंबानी के आवास और रिलायंस कम्युनिकेशन के पंजीकृत कार्यालयों पर छापेमारी कर इस ऋण लेनदेन से जुड़े कई दस्तावेज बरामद किए हैं।

- बैंक ऑफ बड़ौदा की शिकायत पर सीबीआई ने दर्ज किया मामला छापे मारे

ईडी के समक्ष पेशी: अंबानी बैंक धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में दूसरे दौर की पूछताछ के लिए बृहस्पतिवार को ईडी के समक्ष पेश हुए। यहां उनका बयान दर्ज किया गया है। यह जांच उनकी कंपनी आरकॉम द्वारा 40,000 करोड़ की बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले से संबंधित है।

घृणास्पद भाषण : असम के मुख्यमंत्री को गुवाहाटी हाईकोर्ट का नोटिस

गुवाहाटी। गुवाहाटी हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को कई जनहित याचिकाओं के संबंध में नोटिस जारी किया, जिनमें उन पर मियां समुदाय के खिलाफ घृणास्पद भाषण देने और सांप्रदायिक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है।

हाईकोर्ट की खंडपीठ ने तीन याचिकाओं पर सुनवाई की। याचिकाकर्ताओं में से एक के अधिवक्ता शांतनु बोरठाकुर ने बताया, प्रतिवादी को अगली तारीख से पहले नोटिस का जवाब देना होगा। कोर्ट ने कोई अन्य आदेश जारी नहीं किया है। सुप्रीम कोर्ट ने 16 फरवरी को शर्मा के खिलाफ कार्रवाई संबंधी याचिकाओं पर सुनवाई से इन्कार कर दिया था। इन याचिकाओं में उस वायरल वीडियो को लेकर कार्रवाई का आग्रह किया गया था, जिसमें शर्मा एक विशेष समुदाय के सदस्यों पर राइफल से निशाना साधते और गोली चलाते हुए दिखे थे।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने भी पॉक्सो कोर्ट में आशुतोष ब्रह्मचारी पर दायर किया वाद

वाराणसी। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भी अपने खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी के खिलाफ प्रयागराज की विशेष पॉक्सो अदालत में वाद दायर कर दिया है। शंकराचार्य ने कहा कि उन्होंने यह वाद पॉक्सो अधिनियम की धारा 22 के तहत दायर किया है, जिसमें प्रावधान है कि अगर कोई आपके खिलाफ फर्जी मुकदमा करता है तो आप भी उसके खिलाफ वाद दायर कर सकते हैं।

शंकराचार्य ने खुद पर लगे आरोपों

- फर्जी मुकदमा कराने का आरोप, कहा आशुतोष के ही पास रह रहे हैं दोनों लड़के

को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि माघ मेले के दौरान वह सीसीटीवी कैमरा और मीडिया के कैमरे के सामने रहे। जिन लड़कों के यौन शोषण का आरोप लगाया गया है, वे कभी उनके गुरुकुल में दाखिल तक नहीं हुए।

एपस्टीन फाइल्स से ध्यान भटकाने की ही ये साजिश

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ झूठा मामला उछालकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित एपस्टीन फाइल्स से ध्यान भटकाने की साजिश की जा रही है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि शंकराचार्य को बदनाम करने का कोई अवसर नहीं छोड़ा जा रहा है। हिस्ट्रीशीटर से पुलिस अपनी जांच रिपोर्ट साझा कर रही है।

हवाई टिकट बुकिंग 48 घंटे में रद्द करने पर पूरा पैसा वापस

नई दिल्ली, एजेंसी

विमान यात्री अब बुकिंग के 48 घंटों के भीतर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के हवाई टिकट रद्द करा सकेंगे या उसमें बदलाव कर सकेंगे। नागर विमानन नियामक डीजीसीए ने कुछ शर्तों के साथ टिकट किराया वापसी के नियमों में संशोधन किया है। एयरलाइन कंपनियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया है कि पैसे वापस करने की प्रक्रिया 14 कार्य दिवसों के भीतर पूरी हो जाए।

डीजीसीए ने यह भी कहा है कि यदि यात्री बुकिंग के 24 घंटों के भीतर नाम में किसी प्रकार की गलती को बताता है और टिकट सीधे एयरलाइन की वेबसाइट के माध्यम से बुक किया गया है तो एयरलाइन कंपनियों को उसी व्यक्ति के नाम पर सुधार के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लेना चाहिए। डीजीसीए ने साफ किया है कि ट्रैवल एजेंट या पोर्टल के माध्यम से टिकट खरीदने की स्थिति में भी पैसे वापसी की जिम्मेदारी एयरलाइन कंपनियों की होगी क्योंकि एजेंट उनके नियुक्त प्रतिनिधि होते हैं। संशोधित नियम 24 फरवरी को जारी किए गए थे। नियामक ने कहा, 48 घंटे के अंदर यात्री बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के टिकट रद्द या संशोधित कर सकते हैं। लेकिन जिस संशोधित उड़ान के लिए टिकट लेना चाहते हैं, उसके किराये में जो अंतर है, वह देना होगा।

शासन सख्त

मानव संपदा पोर्टल पर चल-अचल संपत्ति देने के लिए 10 मार्च तक अंतिम मौका

47,816 कार्मिकों को तनख्वाह मिलेगी, एसीपी-पदोन्नति नहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मानव संपदा पोर्टल पर 31 जनवरी तक चल-अचल संपत्ति का विवरण दर्ज न करने वाले राज्य के 47,816 कार्मिकों को जनवरी और फरवरी की तनख्वाह मिलेगी। लेकिन एसीपी, पदोन्नति, विजिलेंस क्लीयरेंस, विदेश यात्रा और प्रतिनियुक्ति जैसी सुविधाओं से वंचित रहेंगे। यह आदेश गुरुवार को मुख्य सचिव एसपी गोयल ने जारी करते हुए वेतन देने में नरमी के साथ नियम सख्त होने संदेश दिया है। उन्होंने बाकी बचे सभी कार्मिकों को 26 फरवरी से 10 मार्च के बीच मानव

संपदा पोर्टल पर विवरण दर्ज करने का अंतिम अवसर दिया है। त्योहारों को देखते हुए और कर्मचारी संगठनों के आंदोलित होने से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मुख्य सचिव एसपी गोयल ने आदेश जारी किया है। शासनादेश के अनुसार, 31 जनवरी 2026 तक 47,816 राज्य कर्मचारियों ने अपना संपत्ति विवरण दर्ज नहीं किया है, जिसके चलते उनके विरुद्ध सख्त लेकिन चरणबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य सचिव ने कहा है कि जिन कर्मचारियों द्वारा 31 जनवरी तक नियमानुसार संपत्ति विवरण मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज नहीं किया गया था, अब ऐसे सभी कर्मचारियों को 26 फरवरी से 10 मार्च 2026 तक एक और अवसर दिया गया है। इस अवधि में विवरण दर्ज करते ही जनवरी का लंबित वेतन जारी किया जाएगा। फरवरी माह के वेतन भुगतान में कोई बाधा नहीं होगी। हालांकि, शासनादेश में यह भी साफ किया गया है कि 31 जनवरी तक विवरण न देने का प्रभाव पूरे साल संबंधित कर्मचारियों की सेवा सुविधाओं पर पड़ेगा। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया है कि यह निर्णय दंडात्मक कार्रवाई के उद्देश्य से नहीं, बल्कि नियमों के अनुपालन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। हालांकि, यह भी साफ किया गया है कि यदि 10 मार्च तक तय अवधि के भीतर भी संपत्ति विवरण दर्ज नहीं किया गया, तो संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार विभागीय व अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इस साल क्या असर पड़ेगा

- ऐसे कर्मचारियों को वर्ष 2026 में एसीपी का लाभ नहीं दिया जाएगा। पदोन्नति पर विचार नहीं किया जाएगा।
- विदेश यात्रा, प्रतिनियुक्ति और प्रशिक्षण के लिए विजिलेंस क्लीयरेंस जारी नहीं होगी।
- सेवा अभिलेखों में इसे नियम उल्लंघन के रूप में दर्ज किया जाएगा।
- बढ़ी समय सीमा के बाद भी विवरण न देने पर विभागीय और अनुशासनात्मक कार्रवाई।

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 27 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

हर जिले में विकसित होंगे 100 मॉडल तालाब

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रदेश के हर जिले में 100-100 तालाबों को 'मॉडल तालाब' के रूप में विकसित किया जाएगा। इन तालाबों को ग्रे वाटर और प्लास्टिक मुक्त बनाया जाएगा, जिससे जल गुणवत्ता सुधरेगी और मच्छरजनित बीमारियों में कमी आएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब केवल जल संग्रहण का साधन नहीं, बल्कि भू-जल रिचार्ज, सिंचाई, जैव विविधता संरक्षण और सामाजिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र रहे हैं। लेकिन बीते वर्षों में प्लास्टिक अपशिष्ट और घरेलू ग्रे वाटर (स्नान, रसोई व कपड़े धोने से निकला पानी) सीधे तालाबों में जाने से जल प्रदूषण बढ़ा है, जिसका सीधा असर ग्रामीण स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ा है। इसी चुनौती को देखते हुए स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत पंचायती राज विभाग ने मॉडल तालाब विकसित करने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है। पंचायती राज निदेशक अमित कुमार सिंह के अनुसार, चयनित तालाब के चारों ओर नो-प्लास्टिक जोन घोषित किया जाएगा और ग्राम पंचायत से प्लास्टिक न फेंकने का प्रस्ताव पारित कराया जाएगा। तालाब में गिरने वाली नालियों पर प्लास्टिक ट्रैप जाली और फिल्टर चैंबर लगाए जाएंगे। वहीं, ग्रे वाटर के उपचार के लिए नालियों के अंतिम सिरे पर बायो-फिल्टर सिस्टम विकसित किया जाएगा, जिसमें कंकड़, रेत और केली-केना जैसे पौधों का उपयोग होगा। इससे पानी प्राकृतिक रूप से शुद्ध होकर तालाब में पहुंचेगा।

सीधे जनता से हो जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव

अमृत विचार, लखनऊ : आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव बैलेट पेपर से कराने के साथ इसबार जिला पंचायत अध्यक्ष चुनाव सीधे जनता से कराने की मांग उठाई। उनका कहना है कि मतदान बैलेट पेपर से होने पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष बन सके। उन्होंने यूजीसी के मुद्दे पर भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 'बांटो और राज करो' की राजनीति कर रही है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए गुरुवार को सांसद संजय सिंह ने कहा कि मौजूदा व्यवस्था में जनता की सीधी भागीदारी नहीं है, जिससे जनादेश कमजोर होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता के दुरुपयोग के जरिए जिला पंचायत चुनावों को प्रभावित करती है। अगर सरकार वास्तव में लोकतंत्र में विश्वास रखती है, तो जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव जनता से कराए और बैलेट से मतदान सुनिश्चित करे।

अफसरों की गोपनीय रिपोर्ट होगी डेटा आधारित

अमृत विचार, लखनऊ : शासन ने अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि (एसीआर) प्रणाली में बड़ा बदलाव करते हुए इसे पूरी तरह डेटा आधारित बनाने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने गुरुवार को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अब केवल सामान्य टिप्पणी नहीं, बल्कि लंबित मामलों, नए वादों और निस्तारित प्रकरणों की संख्या (डेटा) को एसीआर का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाएगा। शासनादेश के अनुसार यह व्यवस्था भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और उत्तर प्रदेश सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा/पीसीएस) के सभी अधिकारियों पर लागू होगी। अधिकारियों को अब स्पैरो पोर्टल पर अपनी वार्षिक गोपनीय प्रविष्टि के लिए स्व-मूल्यांकन करते समय यह डेटा अनिवार्य रूप से दर्ज करना होगा। मुख्य सचिव ने आदेश में कहा है कि रिपोर्टिंग अधिकारी, समीक्षा अधिकारी, स्वीकृति अधिकारी तीनों को अधिकारी द्वारा दर्ज किए गए लंबित, नए और निस्तारित मामलों के डेटा को संज्ञान में लेते हुए ही अपना मूल्यांकन करना होगा।

सिंगापुर से जापान तक 'महाराज' का डंका

अभूतपूर्व सफलता से भरा रहा योगी का दौरा, 1.5 लाख करोड़ के एमओयू, 2.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सिंगापुर और जापान का चार दिवसीय विदेश दौरा निवेश, तकनीक और वैश्विक साझेदारी के लिहाज़ से अभूतपूर्व रूप से सफल रहा। इस दौरान हुए उच्चस्तरीय निवेश संवादों में उत्तर प्रदेश सरकार ने 1.5 लाख करोड़ के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जबकि 2.5 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। यह दौरा वर्ष 2029-30 तक उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक निर्णायक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

जापान दौरे के दौरान कृषि मशीनरी, ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन, डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग जैसे भविष्य के क्षेत्रों में बड़े निवेश प्रस्ताव सामने आए। जापान में जिन प्रमुख कंपनियों के साथ एमओयू हस्ताक्षरित हुए, उनमें कुबोटा कॉरपोरेशन, स्पार्क मिंडा (टोयो डेन्सो के सहयोग से), जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री और नागासे एंड कंपनी लिमिटेड शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, बी 2जी (सरकार से सरकार) बैठकों में सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन, होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड, कोनोइके ट्रांसपोर्ट कंपनी लिमिटेड, मित्सुई एंड कंपनी लिमिटेड, रैपिडस कॉरपोरेशन, मारुबेनी कॉरपोरेशन, सुमितोमो रियलिटी एंड डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड और एमयूएफजी बैंक जैसी दिग्गज कंपनियों ने सहभागिता की। इन कंपनियों ने उत्तर प्रदेश को एशिया का उभरता हुआ निवेश केंद्र बताते हुए राज्य में दीर्घकालिक निवेश में रुचि जताई।

जापान दौरे की एक बड़ी उपलब्धि के रूप में ग्रीन हाइड्रोजन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की घोषणा की गई। यह केंद्र यूनिवर्सिटी ऑफ यामानाशी, यामानाशी हाइड्रोजन कंपनी, आईआईटी कानपुर, हरकोर्ट बटलर टेक्निकल यूनिवर्सिटी, आईआईटी बीएचयू और मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सहयोग से स्थापित किया जाएगा। इससे स्वच्छ ऊर्जा, तकनीकी अनुसंधान और कौशल विकास को नई दिशा मिलेगी।

'जापान सिटी' और ऑटो क्लस्टर की योजना

- यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में 500 एकड़ में 'जापान सिटी' विकसित की जाएगी, जहां जापानी कंपनियों के लिए विशेष औद्योगिक वातावरण तैयार होगा। इसके साथ ही ऑटो ओईएम और कंपोनेंट निर्माताओं के लिए डेडिकेटेड ऑटो क्लस्टर और आरएंडडी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। 'इन्वेस्ट यूपी' में जापान डेस्क को और मजबूत किया जाएगा, जिसकी निगरानी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा की जाएगी। मुख्यमंत्री ने एल-जीरो सीरीज मैग्लेव ट्रेन की यात्रा और फानुक कॉरपोरेशन के रोबोटिक्स व फैक्ट्री ऑटोमेशन संयंत्र का भी दौरा किया। फानुक ने उत्तर प्रदेश में निवेश और एमएसएमई सेक्टर के तकनीकी उन्नयन में सहयोग की इच्छा जताई।

सिंगापुर में भी मिला निवेशकों का भरोसा

- सिंगापुर में आयोजित इन्वेस्टर रोड शो के दौरान एमआरओ, कार्गो हब, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक्स, स्किलिंग और फिनटेक क्षेत्रों में व्यापक सहयोग पर सहमति बनी। विशेष रूप से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) को एमआरओ और कार्गो हब के रूप में विकसित करने पर सकारात्मक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री के इस दौरे ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उत्तर प्रदेश आज वैश्विक निवेश मानचित्र पर मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है। 1.5 लाख करोड़ के एमओयू और 2.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव इस बात का प्रमाण हैं कि प्रदेश का वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी का लक्ष्य अब ठोस धरातल पर आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जापान दौरे के दौरान गुरुवार को यामानाशी प्रांत में दुनिया की अत्याधुनिक सुपरकंडक्टिंग मैग्लेव हाई-स्पीड ट्रेन की सवारी की, जो परीक्षण के दौरान 500 किलोमीटर प्रतिघंटा तक की रफ्तार हासिल करती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि इतनी तेज गति के बावजूद ट्रेन बेहद स्थिर, सुरक्षित और आरामदायक रही।

निवेश प्रस्तावों से 5 लाख से अधिक रोजगार की उम्मीद

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चार दिवसीय सिंगापुर और जापान दौरा रोजगार, निवेश और तकनीकी साझेदारी के लिहाज से ऐतिहासिक साबित हुआ है। इस विदेश यात्रा के दौरान प्रदेश सरकार को कुल 1.5 लाख करोड़ के एमओयू और लगभग 2.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने से प्रदेश में 5 लाख से अधिक युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि जापान में 90 हजार करोड़ के एमओयू और करीब 1.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव, जबकि सिंगापुर में 60 हजार करोड़ के एमओयू और लगभग 1 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन सभी समझौतों और प्रस्तावों को इन्वेस्ट यूपी और अन्य संबंधित विभाग समयबद्ध ढंग से लागू करेंगे, ताकि रोजगार सृजन का लाभ शीघ्र जमीन पर दिख सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह यात्रा केवल समझौतों तक सीमित नहीं है, बल्कि टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, स्किलिंग और औद्योगिक निवेश के जरिए प्रदेश के युवाओं को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने का माध्यम बनेगी। जापान और सिंगापुर दोनों देशों ने युवाओं के प्रशिक्षण, कौशल विकास और एमएसएमई सेक्टर में तकनीकी सहयोग के लिए सकारात्मक रुख दिखाया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यामानाशी के गवर्नर अगस्त माह में लगभग 200 जापानी सीईओ के साथ उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे, जिससे निवेश प्रस्तावों को अंतिम रूप मिलेगा और रोजगार सृजन की प्रक्रिया तेज होगी।

आईटीबी बर्लिन में दिखेगी यूपी पर्यटन की सशक्त मौजूदगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **60 वर्षों की गौरवशाली विरासत के वैश्विक उत्सव में उत्तर प्रदेश का भव्य प्रदर्शन**
- **एडवेंचर, वेलनेस, मेडिकल से लेकर लग्जरी टूरिज्म तक दिखेगा यूपी पर्यटन विजन**

अमृत विचार: विश्व पर्यटन उद्योग के सबसे प्रतिष्ठित मंच आईटीबी बर्लिन में उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, विविध पर्यटन सर्किट और आधुनिक पर्यटन संभावनाओं के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने जा रहा है। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में 3 से 5 मार्च तक आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय आयोजन में उत्तर प्रदेश पर्यटन वैश्विक पर्यटन विशेषज्ञों, निवेशकों और नीति-निर्माताओं से सीधा संवाद करेगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि आईटीबी बर्लिन-2026 का आयोजन बर्लिन एक्सपो सेंटर सिटी, मेसे डैम-22 में किया जाएगा। वर्ष 1966 से आयोजित हो रहा आईटीबी बर्लिन इस बार अपने 60 वर्षों की गौरवशाली विरासत का उत्सव मना रहा है। मंत्री ने कहा कि इस वैश्विक मंच पर उत्तर प्रदेश अपने पर्यटन विजन और निवेश संभावनाओं के साथ दुनिया से संवाद करेगा। उन्होंने बताया कि आईटीबी बर्लिन-2026 की थीम "डिस्कवर द स्टोरीज बिहाइंड 60 इयर्स ऑफ लेगेसी" रखी गई है, जो वैश्विक पर्यटन उद्योग की यात्रा, नवाचार, साझेदारी और भविष्य की दिशा को एक साथ प्रस्तुत करती है। यह थीम अतीत की विरासत को सम्मान देने के साथ-साथ आने वाले वर्षों की रूपरेखा तय करने का भी संदेश देती है।

बदलती प्राथमिकताओं के अनुसार प्रदर्शनी

- आईटीबी बर्लिन-2026 में प्रदर्शनी को पारंपरिक पर्यटन तक सीमित न रखकर एडवेंचर टूरिज्म, बिजनेस ट्रैवल, एलजीबीटीक्यू ट्रैवल, लग्जरी ट्रैवल, मेडिकल टूरिज्म और ट्रैवल टेक्नोलॉजी जैसे विविध सेगमेंट्स में विभाजित किया गया है। इसका उद्देश्य बदलती वैश्विक प्राथमिकताओं और यात्रियों की नई अपेक्षाओं को मंच प्रदान करना है। जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन का भव्य पवेलियन इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण होगा। पवेलियन में अंग्रेजी और स्थानीय भाषा में साइनेज, रचनात्मक डिस्प्ले, वीवीआईपी लाउंज, हस्तशिल्प, कलाकृतियां और ओडीओपी को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ ही पर्यटन विभाग की वेबसाइट्स, मोबाइल एप्लीकेशन, पर्यटन सर्किट, वेलनेस और मेडिकल टूरिज्म की भी व्यापक प्रस्तुति की जाएगी।

11 करोड़ नकद, जेवर, महंगी घड़ियां और बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज मिले

बसपा विधायक पर एक हजार करोड़ की टैक्स चोरी करने की आशंका

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बलिया के रसड़ा से बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह और उनके नजदीकियों कि ठिकानों पर दूसरे दिन भी आयकर विभाग की कार्रवाई जारी रही। सूत्रों का दावा है कि अभी तक 11 करोड़ से अधिक नकद बरामद हुए हैं, वहीं काफी मात्रा में जेवर, महंगी घड़ियों के साथ ही लेनदेन और करोड़ों की बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं। विधायक द्वारा किए कारोबार में करीब एक हजार करोड़ रुपए के टैक्स चोरी की भी आशंका व्यक्त की जा रही है। हालांकि आयकर विभाग की ओर से अधिकारिक तौर पर पुष्टि नही की गई है। छापेमारी के दौरान पुलिस का कड़ा पहरा रहा।

आयकर विभाग की टीम ने बुधवार को बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के लखनऊ के विपुलखंड स्थित आवास के साथ ही बलिया, कौशांबी, सोनभद्र के ठिकानों के साथ ही मिजार्पुर और प्रयागराज में सहयोगियों के कई ठिकानों पर छापा मारा था। यह कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रही। बुधवार की रात करीब 11 बजे विधायक के लखनऊ स्थित आवास से तो कार्रवाई समाप्त कर दी गई, लेकिन विपुलखंड में ही स्थित छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन कंपनी के कारपोरेट आफिस में पहुंच कर टीम ने जांच शुरू कर दी। बलिया स्थित विधायक के गांव खनवर स्थित आवास के साथ ही रसड़ा स्थित होटल स्काई के अलावा विधायक के खास लोगों में शुमार भूपेन्द्र सिंह और प्रवीण सिंह के यहां पर छापेमारी की गई। सोनभद्र में साईराम इंटर प्राइजेज के साथ ही ठेकेदार के फैजी के ठिकानों पर भी कार्रवाई जारी रही। इसके अलावा सोनभद्र में अन्य खनन कारोबारी जो कि किसी न किसी रूप में विधायक से जुड़े रहे उन सभी के यहां पर भी छापेमारी जारी रही।

भाजपा के छापे सरकारी डकैती होते हैं

- बसपा प्रमुख मायावती और योगी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह के बाद अब अखिलेश यादव भी बसपा विधायक के समर्थन में उतर आए हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भाजपा के छापे लोगों के कमाए गए पैसों को लूटने के काम करते हैं। भाजपाई जहां भी देखते हैं कि कहीं धन-दौलत जमा होने की संभावना हैं, वहीं एजेसियां लेकर पहुंच जाते हैं। भाजपाई हृदयहीन हैं, इसलिए संवेदनहीन भी हैं।

डायरी खोलेगी सत्ता और सियासत की सांठगांठ का सच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के यहां छापे में नकदी, जेवर के साथ ही कथित तौर पर एक डायरी भी मिली है। डायरी में जहां शासन और प्रशासन के कई बड़े अफसरों को लेन-देन का ब्यौरा है, वहीं कई नौकरशाहों की ब्लैक मनी भी खनन और ठेकों में एडजस्ट करने के दस्तावेज भी मिले हैं। साफ है कि डायरी में एक तरह से सत्ता और सियासत की सांठगांठ का सच दर्ज है। उधर डायरी मिलने की खबर फैलने के साथ ही कई अफसरों और सफेदपोशों की बैचेनी बढ़ती जा रही है।

विधायक उमाशंकर सिंह ने जब से सियासत में कदम रखा, तब से उनके रसूख के साथ ही संपत्ति भी अमरबेल की तरह बढ़ती रही। विधायक बनने के बाद तो संपत्तियों में काफी इजाफा होता रहा। उनके रसूख का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि भले ही वह बसपा से तीन बार के विधायक हैं, लेकिन सत्ता चाहे सपा की रही हो या फिर भाजपा की। उनसे संबंधित कंपनियों को सड़क निमार्ण के साथ ही खनन के ठेके भी मिलते रहे हैं। यहां तक कि नियमों को ताक पर रखकर भी ठेके दिए जाते रहे। सपा सरकार में जहां वह एक कद्दावर मंत्री के ठेकों में पार्टनर रहे, वहीं अगस्त 2025 में उमाशंकर सिंह से जुड़ा पत्थर खनन का मामला सामने आया था। उमाशंकर की पत्नी की कंपनी छात्र शक्ति इंफ्रा कंस्ट्रक्शन ने सोनभद्र में खनन का पट्टा लिया था। कंपनी ने 3,000 रुपए प्रति घनमीटर के रेट से पत्थर खनन का का पट्टा लिया था, जबकि रायल्टी दर 160 रुपए प्रति घनमीटर थी। आरोप लगा था उमाशंकर की पत्नी की कंपनी ने 33,604 घनमीटर गिट्टी का अवैध खनन किया था। यदि नीलामी की दर से वसूली होती तो कंपनी को करीब दस करोड़ की धनराशि सरकारी खजाने में देनी होती। इससे सरकारी खजाने को काफी नुकसान पुहंचा। अब सवाल यह है कि यह रेट और रायल्टी के खेल बिना किसी आला नौकरशाही और कद्दावर सफेदपोश के वरदहस्त बगैर नहीं सकता। इसी तरह के कई अन्य मामले हैं, जोकि विवादों में रहे। उमाशंकर सिंह से जुड़े नेताओं और अफसरों को खुद के घिरने की चिंता सता रही है। यही कारण हैं कि छापे के दूसरे दिन भी छात्र शक्ति कंपनी के कारपोरेट आफिस के बाहर महंगी गाड़ियों से लोग आते रहे। बाहर से ही छापे की अपने तरीके से जानकारी ली और चलते बने।

छापे के पीछे कौन

- **अमृत विचार :** विधायक के साथ ही मैनेजमेंट में माहिर माने जाने वाले उमाशंकर सिंह के यहां छापा पड़ा है तो तमाम सवाल उठ रहे हैं। इसमें अहम सवाल यह है कि आखिरकार बसपा बसपा विधायक के यहां आयकर के छापे के पीछे कौन हैं? ऐसी कौन सी बड़ी शक्ति है, जिसके इशारे पर बसपा प्रमुख मायावती के सबसे खास रहे विधायक के यहां कार्रवाई हुई। वह भी जब विपक्ष बसपा को कथित तौर पर भाजपा की बी टीम बताता रहा है। हालांकि सरसरी तौर पर पत्थर खनन में कैग की रिपोर्ट और विजीलेंस की जांच को ही छापे के पीछे असल वजह माना जा रहा है, लेकिन लोगों के गले से यह बात नहीं उतर पा रही है।

विधायक के बेटे ने कहा: हम पूरा सहयोग कर रहे हैं

- विधायक उमाशंकर सिंह के बेटे प्रिंस युकेश सिंह ने गुरुवार को चुप्पी तौड़ी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि कल गोमतीनगर आवास पर इनकम टैक्स विभाग की ओर से जांच की गई। उनके पिता, वह स्वयं और परिवार के अन्य सदस्य विभाग के अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं। इनकम टैक्स अधिकारी भी पूरी प्रक्रिया में सहयोग कर रहे हैं।

मानचित्र स्वीकृति से बढ़ी जिला पंचायतों की आय

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश में जिला पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में योगी सरकार के प्रयास असर दिखाने लगे हैं। ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में भवन निर्माण के लिए मानचित्र स्वीकृति की प्रक्रिया को सख्ती और पारदर्शिता के साथ लागू किए जाने से जिला पंचायतों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2025 से जनवरी 2026 तक जिला पंचायतों द्वारा 2883 मानचित्र स्वीकृत किए गए, जिससे 57.42 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

सरकार के निर्देश पर जिला पंचायतों ने अपने-अपने क्षेत्रों में भवन निर्माण से पूर्व मानचित्र स्वीकृति को अनिवार्य कर दिया है। पहले बड़ी संख्या में लोग बिना स्वीकृति के निर्माण करा लेते थे, जिससे न केवल नियोजन प्रभावित होता था बल्कि पंचायतों को राजस्व की हानि भी होती थी।

असाध्य रोगियों के मुफ्त इलाज को 30.11 करोड़ मंजूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **चार बड़े चिकित्सा संस्थानों कानपुर, लखनऊ, आगरा और सहारनपुर को धन आवंटित**
- **उपयोगिता प्रमाणपत्र व लाभार्थी सूची अनिवार्य, सख्त शर्तों के साथ आदेश**

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने गुरुवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 में असाध्य रोगों से ग्रसित मरीजों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 30.11 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। यह स्वीकृति पुनर्विनियोग के माध्यम से चार बड़े चिकित्सा संस्थानों कानपुर, लखनऊ, आगरा और सहारनपुर को दी गई है।

शासन ने उपयोगिता प्रमाणपत्र व लाभार्थी सूची अनिवार्य करते हुए सख्त शर्तों के साथ धन खर्च करने का आदेश दिया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग विशेष सचिव कृतिका शर्मा की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार यह धनराशि अनुदान संख्या-31 के अंतर्गत 2210-चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य शीर्ष के तहत "असाध्य रोगों के इलाज हेतु निःशुल्क चिकित्सा सुविधा" मद में स्वीकृत की गई है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह धन केवल निर्धारित मदों में और नियमों के अनुरूप ही व्यय किया जाएगा। शासनादेश में यह भी उल्लेख है कि इससे पूर्व सरोजनी नायडू चिकित्सालय, आगरा अपर इंडिया शुगर एक्सचेंज प्रसूति चिकित्सालय, कानपुर संक्रामक रोग चिकित्सालय, कानपुर तथा मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर आदि के लिए वेतन, महंगाई भत्ता, मकान किराया भत्ता, विद्युत देय और जल प्रभार मदों से पुनर्विनियोग कर धनराशि उपलब्ध कराई गई थी, जिसके उपरांत कुल व्यवस्था को असाध्य रोगियों के उपचार से जोड़ा गया है। कहा गया है कि अगली किश्त तभी जारी होगी, जब उपयोगिता प्रमाणपत्र और लाभार्थियों की सूची शासन को उपलब्ध कराई जाएगी।

इन संस्थानों को मिली धनराशि

- हृदय रोग संस्थान, कानपुर – 19.86 करोड़
- डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ – 6 करोड़
- राजकीय मेडिकल कॉलेज, आगरा – 4 करोड़
- राजकीय मेडिकल कॉलेज, सहारनपुर – 25 लाख

50 हजार का इनामी गो-तस्कर वाराणसी से गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: एसटीएफ ने 50 हजार के इनामी गो-तस्कर को वाराणसी के लोहता से गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ चंदौली में दो वर्ष पूर्व एफआईआर दर्ज की गई थी। तभी से फरार चल रहा था। आरोपी पर पुलिस ने इनाम घोषित किया था। एसटीएफ के मुताबिक बुधवार देर रात को विशेष ऑपरेशन के दौरान आरोपी मो. अशरद को गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ के डिप्टी एसपी शैलेश प्रताप सिंह के मुताबिक पकड़ा गया गो-तस्कर मो. अशरद वाराणसी स्थित सिगरा के लहंगपुरा का रहने वाला है। उसके खिलाफ चंदौली में दो वर्ष पूर्व गो-तस्करी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। बुधवार देर रात को सूचना मिली कि मो. लोहता के धमरियों मैदान के पास है। वह भागने की तैयारी कर रहा है। टीम ने घेराबंदी कर रात 10 बजे दबोच लिया। वह क्षेत्र में लोगों को धमकाने व मारपीट करने के मामलों में आरोपी है।

सांझी रेखा | राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के समूह ने आटा और मंदिरों के चढ़े फूलों ने तैयार किया हर्बल गुलाल

अयोध्या व काशी में मक्का के गुलाल से खेली जाएगी होली

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

अमृत विचार : अयोध्या और वाराणसी में मक्का का आटा और मंदिरों में चढ़े फूलों के अर्क से बने शुद्ध हर्बल गुलाल से होली खेली जाएगी। इससे त्वचा खराब नहीं होगी और आंख व मुंह में जाने पर स्वास्थ्य को नुकसान नहीं पहुंचेगा। बच्चे हो या बुजुर्ग सभी इसका इस्तेमाल कर सकेंगे। गुलाल राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत लखनऊ के चिनहट की ग्राम उत्तरधौना में संचालित ''सांझी रेखा'' स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने नाबार्ड के सहयोग से प्रशिक्षण पाकर इसे तैयार किया है।

इनके हर्बल गुलाल हरा, पीला और गुलाबी तीन रंग में उपलब्ध हैं। तीनों ही मक्का के आटे में फूल व सब्जियों से निर्मित किए गए हैं। इनमें हरा रंग देने के लिए आटा में धनिया और पालक के पत्ते मिलाए गए हैं। जबकि पीला रंग का गुलाल आटा में गेंदा के फूल की पंखुड़ी से तैयार किया है और गुलाबी गुलाल चुकंदर व गुलाब के फूल की कलियों से बनाया है। शुद्धता के साथ सुगंध भी लोगों को प्राकृतिक है।

- **खराब नहीं होगी त्वचा, आंख व मुंह में जाने पर नहीं होगा नुकसान**

गुलाल की कीमत (रुपया प्रति किलो)

- गुलाल-थोक - 350-400
- गुलाल-फुटकर - 500
- गुलाल-200 ग्राम - 100

चिनहट के उत्तरधौना में सुखाया जाता गुलाल और टोकरियों में रखा तैयार गुलाल।

एक तरफ महिलाओं ने स्वास्थ्य को देखते हुए हर्बल गुलाल बनाया है तो दूसरी तरफ इस कार्य से उन्हें रोजगार मिला है। लोग इस हैंडमेड सामग्री को खरीद कर उत्पादन को बढ़ावा दें।

-अजीत कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी, लखनऊ

मंदिरों से एकत्र किए फूल महिलाएं लाईं सब्जियां

- समूह की अध्यक्ष वंदना सिंह ने बताया कि इस कार्य में 18 समूह की महिलाएं जुड़ी हैं। मक्का किसानों से खरीदकर आटा बनाया है, जबकि फूल मंदिरों के चढ़े हुए एकत्र किए हैं। महिलाएं खेती-बाड़ी से जुड़ी हैं, इनके द्वारा धनिया, पालक, चुकंदर एकत्र किया गया है। कोषाध्यक्ष सोनी सिंह बताती हैं कि 40 फीसद तक बचत होती है। एक स्टॉल में चार से पांच हजार की बिक्री हो रही है।

सात क्विंटल तक भेजी गुलाल की खेप

- 20 क्विंटल उत्पादन लक्ष्य के सापेक्ष 15 क्विंटल तक गुलाल तैयार किया है। इसमें अयोध्या, वाराणसी के खासकर काशी और मिर्जापुर में सात क्विंटल गुलाल बिक चुका है और भी मांग आई है। इसके अलावा अंबेडकर नगर, बस्ती, सोनभद्र, लखीमपुर, हरदोई व कानपुर से मांग आने पर खेप भेजी जा रही है। लखनऊ में भी महिलाएं स्वयं थोक व फुटकर स्टॉल लगाकर बिक्री कर रही हैं। 28 फरवरी से विकास भवन, कलेक्ट्रेट, विश्वविद्यालय समेत अन्य सरकारी परिसरों में स्टॉल लगाए जाएंगे।

होली में खपाने के लिए जा रही शराब बरामद, तीन गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : होली में खपाने के लिए बिहार शराब ले जा रहे तीन तस्करों को एसटीएफ ने बलिया के बैरिया दबोच लिया। उनके पास से 471 पेटी शराब, बियर, पिकअप, तीन मोबाइल व नकदी बरामद की गई है। यूपी से बिहार भेजने के लिए तस्करों ने गंगा नदी के रास्ते का प्रयोग किया।

एसटीएफ के डिप्टीएसपी अवनीश्वर चंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक यूपी से बिहार शराब तस्करी की सूचनाएं मिल रही थी। होली में बड़े पैमाने पर तस्करी का इनपुट मिला था। विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने गुरुवार सुबह 4.30 बजे बलिया के बैरिया स्थित पूर्वी भवन टोला गंगा किनारे बंधे के पास से दो पिकअप वाहन रोककर तलाशी ली। इस दौरान अंदर भारी मात्रा में शराब व बियर की पेटियां मिलीं। एसटीएफ ने मौके से बलिया के बांसडीह स्थित हुसैनाबाद निवासी धर्मजीत भारती, कोतवाली नगर बहादुरपुर का पिंटू प्रसाद और बैरिया चिरैया मोड़ निवासी करन बहादुर साह उर्फ घुरघुर को गिरफ्तार किया।

नाव से गंगा पार ले जाते थे शराब

- एसटीएफ के डिप्टी एसपी अवनीश्वर चंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उनका गिरोह गंगा नदी के रास्ते शराब की तस्करी करता है। शराब बलिया के बैरिया इलाके में पहुंचने के बाद नाव से गंगा नदी पार कराकर बिहार पहुंचाते थे। पुलिस के अनुसार बैरिया क्षेत्र के चिरैयामोड़ स्थित एक लाइसेंसी गोदाम से शराब अवैध रूप से उपलब्ध कराई जाती थी, जिसे गिरोह के सदस्य बिहार पहुंचाते थे। तीनों आरोपियों के खिलाफ बैरिया थाने में रिपोर्ट दर्ज किया गया है। वहीं आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से जेल भेज दिया गया है।

पिंटू प्रसाद

करन कुमार साह

धर्मजीत भारती

न्यूज ब्रीफ

ई-रिक्शा पलटने से आठ लोग घायल

रसूलाबाद। भवनपुर रोड पर मिंडा कुआं के समीप एक तेज रफ्तार ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया जिसमें आठ लोग घायल हो गए सभी यात्री शिव मंदिर से दर्शन कर घर लौट रहे थे। घायलों को सीएचसी रसूलाबाद ले जाया गया है। इस दुर्घटना में घायल हुए शिवम कुमार ने बताया कि रिक्शा तेज गति में था जिससे चालक उसे संभाल नहीं सका वह अनियंत्रित होकर पलट गया। घायलों में शिवम कुमार , उसकी मां बसंती देवी सलोनी देवी व पायल देवी पुत्रियां अनिल कुमार सहित अन्य लोग शामिल हैं। शिवम कुमार के हाथ में फ्रैक्चर आया है। सीएचसी में डॉ. बृजेश कुमार ने घायलों का उपचार किया है।

टैंकर की टक्कर से बाइक सवार घायल

रसूलाबाद। बस स्टॉप कहिंजरी से बाइक द्वारा अपने गांव लक्ष्मणपुर जा रहे एक व्यक्ति के सामने से आ रहे टैंकर ने टक्कर मार दी। इससे वह घायल होकर गिर पड़ा। घटना की सूचना पाकर थाना प्रभारी व कहिंजरी चौकी इंचार्ज तत्काल मौके पर पहुंचे और उसे सीएचसी रसूलाबाद ले गए जहां उसका उपचार कर उसकी गंभीर दशा के चलते उसे हैलट कानपुर रेफर किया है। लक्ष्मणपुर थाना रसूलाबाद निवासी राजकुमार उर्फ नन्हे कमल 36 पुत्र राम शंकर गुरुवार रात कहिंजरी बस स्टॉप से अपने गांव लक्ष्मणपुर बाइक द्वारा जा रहा था। रसूलाबाद कानपुर रोड पर कहिंजरी स्थित टीवीएस दोपहिया कंपनी के समीप सामने शिवली की ओर से आ रहे टैंकर चालक ने उसके टक्कर मार दी। इससे वह गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर थाना प्रभारी शिव नारायण सिंह एवं कहिंजरी चौकी प्रभारी प्रदीप कृष्ण मिश्रा पुलिस बल सहित मौके पर पहुंचे और उसे तत्काल सीएचसी रसूलाबाद भिजवाया। वहां डॉक्टर शैलेश यादव ने प्राथमिक उपचार कर उसकी गंभीर दशा के चलते उसे हैलट कानपुर रेफर किया है।

जहर खा महिला ने की जान देने की कोशिश

रसूलाबाद। पारिवारिक कलह से दुखी होकर एक विवाहिता ने जहरीला पदार्थ खा लिया, हालत बिगड़ने पर परिजन सीएचसी ले गए। वहां इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। तरौली रसूलाबाद निवासी मुकेश कुमार की पत्नी नेहा देवी ने आए दिन होने वाले पारिवारिक कलह दुखी होकर जहरीला पदार्थ खा लिया, हालत बिगड़ने पर परिजन सीएचसी ले गए वहां ईएमओ डॉक्टर शैलेंद्र कुमार ने इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

भंडारे के साथ भागवत का हुआ समापन

रसूलाबाद। सिसाही स्थित भोलेनाथ शिव मंदिर परिसर में श्रीमद् भागवत की समाप्ति के उपरांत गुरुवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें सिसाही और आसपास के गांवों के अनेक श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में महाप्रसादी ग्रहण की। भंडारे में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अनिल कुमार राठौर ने स्वयंसेवकों की सहायता से व्यवस्थित तरीके से लोगों को प्रसादी ग्रहण कराई । गांव के नवयुवकों पिंटू राठौर, गोविन्द कुशवाह, मोहित कुशवाह, रामनरेश, अमित कुमार, विकास कुशवाह, पंकज कुमार, संजय कुमार, दीपक कुमार और संदीप आनंद सहित कई ग्रामीणों ने सेवा कार्यों में सहयोग किया।

जनगणना को लेकर हुई कार्यशाला

कानपुर देहात : जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देशन में गुरुवार को जनगणना 2027 की तैयारियों के संबंध में कार्यशाला का आयोजन मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कलेक्ट्रेट में किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) द्वारा की गई। कार्यशाला में अपर जिलाधिकारी न्यायिक दिग्विजय सहित समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, अधिशासी अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान जनगणना निदेशालय लखनऊ से आए जनगणना नोडल अधिकारी जिला कानपुर देहात वर्तिका गुप्ता व सहायक निदेशक जनगणना दिनेश यादव द्वारा जनगणना 2027 के सफल, निष्पक्ष एवं समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना एक राष्ट्रीय महत्व का कार्य है, इस लिए सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

समस्याएं निस्तारण कराने के बाद फीड बैक लें

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः डीएम कपिल सिंह ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट में जनता की शिकायतें और समस्याएं सुनी और जूम एप पर जुड़े अधिकारियों से उनके समाधान की बात कही। सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने फरियादियों को जल्द निस्तारण का भरोसा दिया। अफसरों से कहा, शिकायतकर्ता से फीड बैक भी लें।

शिकायतें सुनने को बैठे जिलाधिकारी कपिल सिंह। अमृत विचार

संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्रकरणों के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के स्पष्ट निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर उनका समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब अथवा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। समस्त अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि आवेदक को समय-समय पर उसके प्रकरण की वर्तमान स्थिति की जानकारी दें, ताकि प्रशासन के प्रति आमजन का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो।

डीएम ने शासन की प्राथमिकता योजनाओं एवं जनशिकायत निस्तारण प्रणाली के अंतर्गत संचालित आईजीआरएस पोर्टल की समीक्षा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पोर्टल पर प्राप्त कोई भी शिकायत लंबित न रहे। सभी प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप जनसमस्याओं का प्रभावी समाधान हो सके। जनसुनवाई को अधिक प्रभावी एवं व्यापक बनाने के उद्देश्य से जनपद स्तरीय समस्त अधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी तथा नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (जूम) के माध्यम से जुड़े रहे। जिलाधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई एवं आईजीआरएस से संबंधित प्रकरणों में पूर्ण संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए आमजन को त्वरित राहत प्रदान की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुनवाई शासन एवं प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम है। इसका उद्देश्य केवल शिकायत दर्ज करना नहीं, बल्कि समस्याओं का संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने कार्यालय में प्रातः दस बजे से 12 बजे तक जनसुनवाई आयोजित करें।

चालक की लापरवाही से तालाब में गिरी थी ईको

संवाददाता, शिवली

- ईको कार के तालाब में गिरने से गई थी 4 लोगों की जान

अमृत विचारः बैरी सवाई में ईको कार के तालाब में गिरने के मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। रिपोर्ट में कार चालक राजकुमार पर लापरवाही से गाड़ी चलाने का आरोप लगाया है। मना करने के बाद भी चालक नहीं माना और इतना बड़ा हादसा हो गया।

आवास विकास पनकी रोड कल्यानपुर के रहने वाले सुधांशु अग्निहोत्री ने बताया कि 20 फरवरी को जिला औरैया के सहायल कस्बे में एक रिश्तेदार की तेरहवीं संस्कार में परिजनों के साथ गया था। वापस घर लौटते समय कार चालक राजकुमार लापरवाही के साथ गाड़ी चला रहा था। कई बार टोकने के बाद भी नहीं माना। और शिवली कल्यानपुर रोड पर बैरी सवाई गांव के पास कार तालाब में जा गिरी। इसमें पिता राजकिशोर अग्निहोत्री, मां स्नेहलता अग्निहोत्री, बहन हिमांशू व भांजे अंश की मौत हो गई थी। जब कि कार सवार अन्य लोग घायल हो गए थे। जबकि कार चालक राजकुमार मौके से भाग निकला था। इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की।

गड्ढे में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

नहीं हो पाई शिनाख्त, पोस्टमार्टम को भेजा, मचा हड़कंप

संवाददाता, शिवली

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के हरिकिशनपुर गांव के पास सड़क के किनारे गड्ढे में गुरुवार को एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा हुआ देख ग्रामीणों के बीच हड़कंप मच गया। जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। शव पड़े होने की जानकारी मिलते ही शिवली कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। और ग्रामीणों की मदद से शव को गड्ढे से बाहर निकलवाया। राहगीरों एवं ग्रामीणों से पुलिस ने अज्ञात शव की पहचान करने का काफी प्रयास किया लेकिन शव की पहचान नहीं हो सकी।

मौके पर मौजूद पुलिस व ग्रामीण। अमृत विचार

शिवली कोतवाली क्षेत्र के हरिकिशनपुर गांव के पास सड़क के किनारे स्थित एक गड्ढे में एक अज्ञात 35 वर्षीय पुरुष के शव पड़ा देख राहगीरों एवं ग्रामीणों के बीच सनसनी फैल गई कुछ ही देर में काफी संख्या में लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। मामले की जानकारी मिलते ही शिवली कोतवाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए और ग्रामीणों की मदद से शव को गड्ढे से बाहर निकलवाया। पुलिस ने शव की काफी पहचान करवाने की कोशिश की लेकिन पहचान नहीं हो सकी। मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य संकलित किये। कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि अज्ञात पुरुष का शव करीब दो दिन पुराना लगता है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

करंट लगने से झुलसा युवक, इलाज के दौरान थम गईं सांसें

कानपुर देहातः गुरुवार को भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र में युवक बिजली का करंट लगने से बुरी तरह झुलस गया। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया। यहां उसकी मौत हो गई।

घटना दोपहर बाद करीब 3 बजे की है। ग्राम जुनेदपुर थाना भोगनीपुर निवासी अंकित पुत्र कुंवर लाल उम्र करीब 19 वर्ष बिजली के तार के चपेट मे आ गया। उसे पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टर ने जिला अस्पताल अकबरपुर रेफर कर दिया। परिजन ले जिला अस्पताल लाए। यहां डॉक्टरों द्वारा अंकित उपरोक्त को मृत घोषित कर दिया गया। सूचना पर पहुंचे पुलिस उपनिरीक्षक ने पंचायत नामा भरा। इसके बाद पोस्ट मार्टम की लिखापढ़ी कर शव को विच्छेदन के लिए भेजा गया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

बजा बिगुलः निर्वाचन समिति के अध्यक्ष को सौंपा कार्यभार

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः माती कचहरी में जिला बार एसोसिएशन, कानपुर देहात की चुनाव प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव एवं महामंत्री घनश्याम सिंह राठौर ने संस्था की ओर से निर्वाचन संबंधी समस्त कार्यभार निर्वाचन समिति के अध्यक्ष सम्पत लाल यादव को सौंप दिया। मुलायम सिंह ने कहा कि एक बार, एक मत सिद्धांत के आधार पर पात्र सदस्यों की अंतिम मतदाता सूची तैयार कर, अध्यक्ष एवं महामंत्री की देखरेख में समिति को सुपुर्द की गई।

संपूर्ण प्रक्रिया उच्चतम न्यायालय, इलाहाबाद उच्च न्यायालय, लखनऊ खण्डपीठ तथा उत्तर प्रदेश विधिज्ञ परिषद के निर्देशों एवं आदेशों के अनुपालन में सम्पन्न की गई। मुलायम सिंह यादव एवं घनश्याम सिंह ने इसे बार की लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए निर्वाचन समिति

कार्यभार सौंपते मुलायम सिंह यादव और घनश्याम सिंह। अमृत विचार

- माती कचहरी में जिला बार एसो. के चुनावों की गतिविधियां तेज

से उपविधियों के अनुरूप शीघ्र चुनाव कार्यक्रम घोषित करने का अनुरोध किया।

निर्वाचन समिति अध्यक्ष सम्पत लाल यादव एवं सदस्य रमेश चंद्र सिंह गौर तथा रवि शंकर वर्मा ने कहा कि चुनाव तिथियाँ शीघ्र घोषित कर निष्पक्ष, पारदर्शी चुनाव सम्पन्न कराए जाएंगे। सभी अधिवक्ताओं से संगठन की एकता, अनुशासन एवं प्रतिष्ठा बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण सहयोग की अपील की गई। इस अवसर पर राजेन्द्र गुप्ता, राजेन्द्र कुमार द्विवेदी, रोहित शुक्ला, शिव गिरजा शंकर पाल, योगेंद्र सिंह, शमशाद खान, सुलेखा, सर्वेन्द्र सिंह, विश्वनाथ सिंह, रामकुमार कमलवंशी, जितेंद्र बाबू, जय सिंह, संजय यादव, रवींद्र सिंह, राहुल कुमार, महेंद्र सिंह आदि रहे।

'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म के रिलीज को रोकने की मांग

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः 'यादव जी की लव स्टोरी' फिल्म को रिलीज के जाने के विरोध में यादवों के संगठन श्री कृष्ण वाहिनी के जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में अनेकों कार्यकर्ताओं ने तहसील रसूलाबाद पहुंचकर राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम सर्वेश कुमार सिंह व थाने में थाना प्रभारी का कार्य देख रहे अपराध निरीक्षक धीरेंद्र सिंह व एसएसआई राम सिंह को सौंप कर इस फिल्म के रिलीज किए जाने पर तत्काल रोक लगाए जाने की मांग की। श्री कृष्ण वाहिनी संगठन के जिला अध्यक्ष आशीष यादव के नेतृत्व में गए सुनील यादव ,अमन यादव, कन्हैया यादव, मनमोहन यादव, अरुण यादव, चौधरी अनुज यादव, हिमांशु, अंकित रोहित, संजय कुमार आदि सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन में बताया कि मौजूदा समय में अराजक एवं असामाजिक तत्वों द्वारा समाज का माहौल खराब करने एवं धार्मिक व जाति भेदभाव बढ़ाने प्रयास किया जा रहा है।

प्रभारी निरीक्षक को ज्ञापन सौंपते यादव संगठन के लोग। अमृत विचार

संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों का भविष्य निधि में अनिवार्य रूप से एनरोलमेंट हो

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

- प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना को लेकर डीएम ने की बैठक

अमृत विचारः जिलाधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता व मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल की उपस्थिति में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के संबंध में संबंधित विभागों एवं विभिन्न औद्योगिक इकाइयों/स्टेकहोल्डर्स के साथ बैठक आयोजित हुई। इसमें योजना के उद्देश्यों, पात्रता, लाभार्थियों के चयन, पोर्टल पर पंजीकरण तथा संगठित क्षेत्र में रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि यह योजना युवाओं को औपचारिक रोजगार से जोड़ने तथा सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने निर्देशित किया कि जनपद के संगठित क्षेत्र में कार्यरत सभी कर्मचारियों का भविष्य निधि/ संबंधित खातों में अनिवार्य रूप से एनरोलमेंट सुनिश्चित कराया जाए तथा संबंधित नियोक्ताओं द्वारा नियमानुसार अंशदान भी समय से जमा कराया जाए। जिलाधिकारी ने श्रम विभाग, उद्योग विभाग एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद स्थित सभी औद्योगिक इकाइयों/कंपनियों का विकसित भारत रोजगार योजना पोर्टल पर शीघ्र पंजीकरण कराया जाए। इसके लिए विशेष अभियान चलाकर उद्योग संघों, उद्यमियों एवं स्टार्टअप इकाइयों के साथ समन्वय स्थापित किया जाए।

उन्होंने कहा कि पंजीकरण एवं एनरोलमेंट की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी तथा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जनपद स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएं, जिससे अधिकाधिक युवाओं एवं नियोक्ताओं को योजना की जानकारी प्राप्त हो सके। साथ ही हेल्पडेस्क स्थापित कर पोर्टल पर पंजीकरण संबंधी तकनीकी समस्याओं के त्वरित समाधान की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ लक्ष्य निर्धारित कर समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना का प्रभावी क्रियान्वयन जनपद में रोजगार सृजन को नई गति प्रदान करेगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, कर्मचारी भविष्य निधि कानपुर उपायुक्त प्रतीक सिंह, सहायक श्रमायुक्त राम आशीष, उद्योग विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बाबा के दरबार पहुंचे भाजपा के नव नियुक्त मंडल अध्यक्ष

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश संगठन चुनाव में कानपुर देहात के लिए मंडल अध्यक्षों और जिला प्रतिनिधियों की घोषणा की है। यह घोषणा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की संस्तुति पर की गई। घोषणा के अनुसार विधानसभा रसूलाबाद (सुरक्षित) ,रसूलाबाद मंडल अध्यक्ष अटल वाजपेयी को बनाया गया है जब कि जिला प्रतिनिधि ओमशंकर सिंह होंगे। वहीं कहिंजरी मंडल अध्यक्ष राजेश सिंह, व जिला प्रतिनिधि दीपक सोनी को बनाया गया है। रसूलाबाद मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर अटल वाजपेई व जिला प्रतिनिधि ओम शंकर सिंह अपने साथियों सहित धर्मगढ़ बाबा मंदिर गए और माथा टेककर उनसे आशीर्वाद मांगा। अटल वाजपेई को मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर उनको बधाई देने वालों में श्याम मोहन दुबे, क्षेत्रीय भाजपा विधायक पूनम संखवार, जिला मंत्री जितेंद्र त्रिपाठी, जिला मंत्री जितेंद्र दुबे, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष ओम शंकर सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष अरुण दुबे ,अनुरोध दुबे ,ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अक्षय द्विवेदी ,ऋषि सिंह जिला पंचायत सदस्य ,गोपी सेंगर ,सर्वेश राजपूत ,पिंकू अवस्थी, पिंटू राठौर, रानू मिश्रा, हृदयेश त्रिपाठी नरेंद्र पांडे, शिवम दिक्षित, राम महेश वर्मा आदि अनेक लोग थे।

धर्मगढ़ बाबा मंदिर परिसर में नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष अटल वाजपेई व अन्य।

तैयारी | 8 मार्च को अकबरपुर बालिका विद्यालय में कराई जाएगी परीक्षा

आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में बैठेंगे 172 बच्चे

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः कक्षा 6 एवं कक्षा 9 के लिए अटल आवासीय विद्यालय में बच्चों के प्रवेश के लिए आयोजित की जाने वाली परीक्षा की तैयारियों के संबंध में गुरुवार को विकास भवन सभागार में बैठक हुई। मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल ने इसकी अध्यक्षता की।

प्रवेश परीक्षा 8 मार्च को कराई जाएगी। यह अकबरपुर गर्ल्स इंटर कॉलेज, अकबरपुर में होगी। परीक्षा की तैयारी बैठक में बताया गया कि जनपद से कुल 447 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। कक्षा 6 हेतु 252 तथा कक्षा 9 हेतु 195 आवेदन प्राप्त हुए हैं। परीक्षण के उपरांत कुल 172 पात्र अभ्यर्थियों के आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। इनमें कक्षा 6 के 113 एवं कक्षा 9 के 59 अभ्यर्थी

प्रवेश परीक्षा को लेकर गुरुवार को विकास भवन में हुई बैठक। अमृत विचार

8 मार्च को आयोजित परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षा का समय कक्षा 6 हेतु प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक तथा कक्षा 9 हेतु प्रातः 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। शासन के निर्देशानुसार दिव्यांग अभ्यर्थियों को मांग के आधार पर 40 मिनट का अतिरिक्त समय प्रदान किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी ने सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट, पुलिस व्यवस्था तथा परीक्षा की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। सहायक श्रम आयुक्त को निर्देशित किया गया कि स्वीकृत एवं अपात्र अभ्यर्थियों को दूरभाष के माध्यम से सूचना उपलब्ध कराई जाए तथा पात्र अभ्यर्थियों को समय से प्रवेश पत्र वितरित किए जाएं। जिन अभ्यर्थियों को परीक्षा के एक दिन पूर्व तक प्रवेश पत्र प्राप्त न हों, उनके लिए परीक्षा केंद्र के बाहर हेल्प डेस्क स्थापित की जाएगी। बैठक में शत-प्रतिशत प्रवेश पत्र वितरण, परीक्षार्थियों के बैठने की रेंडम व्यवस्था, कक्ष निरीक्षकों की ड्यूटी रेंडम आधार पर लगाए जाने, बिना आई कार्ड किसी भी अधिकारी/कर्मचारी के प्रवेश पर प्रतिबंध, सीसीटीवी निगरानी, प्रश्नपत्रों के सुरक्षित लाने-ले जाने एवं वितरण तथा परीक्षा उपरांत संग्रहण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

साइबर क्राइम पुलिस ने पीड़ित को वापस कराए 40 हजार रुपये

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

- बिजली संबंधी मामले को रफा दफा कराने के नाम पर की ठगी

अमृत विचारः राजपुर थाने की पुलिस ने विद्युत विभाग का अधिकारी बनकर उपभोक्ता को हजारों की चपत लगाने वाले जालसाज की हरकत का पर्दाफाश किया। मामले की शिकायत एक पीड़ित ने साइबर पुलिस में की थी। इसी शिकायत पर कार्रवाई हुई।

थाना राजपुर पुलिस (साइबर हेल्प डेस्क) द्वारा कार्रवाई करते हुए शिकायतकर्ता के खाते में गई 40 हजार की रकम भी वापस कराई। मामला कमलपुर गांव के रहने वाले प्रेम कुमार पुत्र यादवेंद्र कुमार से संबंधित है। प्रेम कुमार ने बताया कि साइबर ठग द्वारा विद्युत विभाग का अधिकारी बनकर बिजली बिल के मामले को निपटाने के लिए उससे 40 हजार रुपये की मांग की गई थी।बहकावे में आकर उसने साइबर ठग के बताए अकाउंट में ऑन लाइन 40 हजार डाल दिए। इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो प्रेम कुमार को ठगे जाने का एहसास हुआ।

तब उसने साइबर धोखाधड़ी के बारे में बीते साल नवंबर में साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। इस पर थाना राजपुर पुलिस (साइबर सेल हेल्प डेस्क) द्वारा जांच एवं कार्रवाई करते हुए गुरुवार को शिकायतकर्ता के खाते में 40 हजार की धनराशि वापस कराई। पुलिस की कार्रवाई से शिकायतकर्ता ने थाना राजपुर पुलिस को धन्यवाद दिया। पुलिस ने लोगों से खाते से धोखाधड़ी से पैसा निकलने की दशा में तुरंत 1930 पर कॉल करने की अपील की है।

श्रीकृष्ण रुक्मिणी विवाह प्रसंग सुन भाव विभोर हुए श्रोता

रसूलाबाद। मकरंदपुर कहिंजरी ब्रह्मनगर चौराहा में हो रही श्रीमद् भागवत कथा में कथावाचक ने श्री कृष्ण रुक्मणी विवाह प्रसंग का सुंदर वृतांत सुनाया। इसे सुनकर कर श्रद्धालु श्रोतागण भाव विभोर हो उठे।

श्रीमद् भागवत कथा में कथावाचक कमल नयन जी महाराज वृंदावन ने रुक्मणी श्रीकृष्ण विवाह प्रसंग में बताया कि विदर्भ देश के राजा भीष्मक के यहां रुक्मणी का जन्म हुआ था । देवर्षि नारद द्वारा श्री कृष्ण के रूप ,सौंदर्य एवं गुणों की प्रशंसा सुनकर उन्होंने बाल्यावस्था से ही प्रभु श्री कृष्ण को अपना पति मान लिया था और भगवान श्री कृष्ण से विवाह करने का निश्चय बना लिया था। लेकिन रुक्मणी का भाई रुक्मी अपने मित्र शिशुपाल के साथ उनका विवाह करना चाहता था।

न्यूज ब्रीफ

स्ट्रीट लाइट सही कराने की मांग की

बिवांर (हमीरपुर)। बांधुर तिराहा में अधिक भीड़ के बने रहने पर यात्रियों का दिन रात सरीला जलालपुर के लिए आना-जाना बना रहता है। यात्रियों के रोशनी की सुविधा के लिए पोल में स्ट्रीट लाइट चार साल पहले लगाई गई थी। करीब 3 महीना से लाइट के खराब होकर पड़े होने से यात्रियों राहगीरों दोनों को अंधकार दंभ झेलना पड़ रहा है। अंधकार के रहने से यात्रियों को जहरीले कीड़ों का भय बना रहता है। अभिलाष सिंह, मलिक यादव, दिनेश अनुरागी, वीरेंद्र यादव, हीरालाल, राकेश उर्फ लाला सविता, राम अवतार कुशवाहा ने लाइट को सही कराए जाने की डीपीआरओ से मांग की है यात्रियों के साथ राहगीरों को अंधकार का दंभ न झेलना पड़े।

50 दिन बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ दर्ज हुई रिपोर्ट

सुमेरपुर (हमीरपुर)। कस्बे की इमिलिया थोक में लगे 400 केवीए विद्युत ट्रांसफार्मर को काटकर तेल एवं उपकरण चोरी कर ले जाने के उपरांत 50 दिन बाद अवर अभियंता की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बीते 3 जनवरी को इमिलिया थोक में लगे 400 केवीए के विद्युत ट्रांसफार्मर को काटकर अज्ञात चोर तेल एवं कीमती उपकरण चोरी कर लिए थे। घटना के 50 दिन बाद विद्युत विभाग के अवर अभियंता कार्तिकेय त्रिपाठी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके खुलासे की जिम्मेदारी फैक्ट्री एरिया पुलिस चौकी इंचार्ज को सौंपी है।

जीवन जीने की कला सिखाती है भागवत

मौदहा (हमीरपुर)। कस्बे के ग्राम सायर ऊपरी स्थित शिवालय प्रांगण में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथा व्यास पं. महेश शुक्ला ने भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक बाल लीलाओं का सजीव वर्णन किया। बताया भागवत कथा हमें जीवन जीने की कला सिखाती है। भगवान की बाल लीलाएं हमें निस्वार्थ प्रेम और सरलता का मार्ग दिखाती हैं। श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के बाद उनकी बाल सुलभ चेष्टाओं और राक्षसों के वध के प्रसंग को सुनकर श्रोता भक्ति रस में सराबोर हो गए। कथा व्यास ने भगवान के माखन चोर स्वरूप की व्याख्या करते हुए बताया कि प्रभु की लीलाएं केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि भक्तों के अहंकार को मिटाने और प्रेम का संचार करने का माध्यम थीं। कथा के दौरान जब श्री कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने की झांकी का वर्णन किया गया, तो पूरा पंडाल 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयकारों से गूंज उठा। भक्ति और श्रद्धा के इस महोत्सव में क्षेत्र के कई लोग मौजूद रहे।

युवक ने जहरीला पदार्थ खाया, गंभीर

कुरारा (हमीरपुर)। थानाक्षेत्र के बचरौली गांव में बृहस्पतिवार को ससुराल आए युवक ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर ससुरालियों ने सीएचसी में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जनपद कानपुर नगर के दमेली गांव निवासी विपिन कुमार (40) पुत्र चंदिका प्रसाद थानाक्षेत्र के बचरौली गांव अपनी ससुराल आया था। बृहस्पतिवार को शाम करीब 5 बजे अज्ञात कारणों से जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। वहीं हालत बिगड़ने देख साला चंद्रशेखर उपचार के लिए कुरारा सीएचसी लेकर आया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

युवक के खिलाफ युवती को भगाने की रिपोर्ट दर्ज

बिवांर (हमीरपुर)। थानाक्षेत्र के एक गांव की युवती का गांव के युवक प्रदीप पुत्र रामबाबू से प्रेम प्रसंग हो गया। युवक ने मीठी बात को करते हुए उसको प्रेम जाल में फांस लिया। प्रेमी युगल फोन से आए दिन बातचीत कर परिजनों से लुक छिपकर मुलाकात करते रहे। 25 फरवरी को फोन से रात को युवती को बुलाकर युवक बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। परिजनों के उसको गायब पाकर तलाश किए जाने पर सुराग नहीं लग रहा है। युवती के परिजन परेशान है। युवती की मां ने थाने में तहरीर दी है। प्रभारी इंचार्ज विकास यादव ने बताया कि युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जा रही है दोनों प्रेमी युगल की तलाश कर कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने करोड़ों की सरकारी जमीन को कराया कब्जामुक्त

सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायत प्राप्त होने पर टीम गठित कर जांच हुई

खाली कराई भूमि पर सरकारी बोर्ड लगवाते अधिकारी। अमृत विचार

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस में फर्जी तरीके से भूमि पर कब्जे की शिकायत प्राप्त होने पर उपजिलाधिकारी घाटमपुर ने प्रभारी तहसीलदार घाटमपुर अंकिता पाठक की अध्यक्षता में जांच टीम गठित कर प्रकरण की त्वरित विधिवत जांच करायी थी। इसमें पाया गया कि फर्जीवाड़ा कर जमीन कब्जाने की पुष्टि होने पर पर इन्हें निरस्त करने की कार्यवाही की गई।

कुल 9 गाटों की लगभग 1.518 हेक्टेयर ग्रामसभा की भूमि, जिसकी कीमत 5 करोड़ से अधिक है। इन्हें कब्जामुक्त कराकर न केवल ग्रामसभा की पूर्व श्रेणी में पुनर्स्थापित किया गया बल्कि तहसील प्रशासन द्वारा ग्राम सभा की ओर से इन्हें संरक्षित कराते हुए बोर्ड लगवाए गये। अभी ग्राम सभा की अन्य भूमियों के सम्बंध में भी जांच की जा रही है। पूरे मामले में फर्जीवाड़े में शामिल लोगों के विरुद्ध जांच जारी है, जिसे शीघ्र ही पूरा करके दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

> ग्राम सभा अथवा अन्य शासकीय संपत्ति को अवैध व अनधिकृत ढंग से छल व फर्जीवाड़ा करके प्राप्त कर लेने का मामला संज्ञान में आया था। तहसील प्रशासन ने तत्परता से कार्यवाही की है। ग्रामसभा की भूमि संरक्षित कर दी गयी है। आगे की जाँच गतिमान है, भूमाफियाओं को बख़्शा नहीं जाएगा। कठोर व नज़ीर विधिक कार्यवाही अमल में लायी जाएगी।
>
> **-अबिचल प्रताप सिंह, उपजिलाधिकारी घाटमपुर**

कूट रचित दस्तावेज से अपने नाम दर्ज कराई जमीन

घाटमपुर। घाटमपुर तहसील के जहांगीराबाद गांव में सरकारी भूमि को कूट रचित दस्तावेजों के आधार पर अपने नाम दर्ज कराने का मामला सामने आया है। घाटमपुर तहसीलदार अंकिता पाठक के नेतृत्व में गठित जांच टीम की रिपोर्ट में राजेश साहू और उनकी पत्नी पूजा साहू के नाम सात बीघा सरकारी जमीन गलत तरीके से दर्ज पाए जाने की पुष्टि हुई। जांच में गांव निवासी इस्मातून पत्नी इकबाल और श्रीपाल का नाम भी सामने आया है। आरोप है कि तहसील कर्मियों से साठगांठ कर कूट रचित दस्तावेज तैयार कर भूमि अपने नाम दर्ज कराई गई। मामले में कार्रवाई करते हुए एसडीएम अबिचल प्रताप सिंह ने 1.518 हेक्टेयर जमीन को पुन: सरकारी अभिलेखों में दर्ज करवा दिया है। वहीं घाटमपुर एसडीएम अबिचल प्रताप सिंह ने बताया कि जहांगीराबाद में सामने आई गड़बड़ी के बाद अब जहांगीराबाद और पतारा क्षेत्र की अन्य सरकारी जमीनों की भी जांच शुरू कर दी गई है। कूट रचित दस्तावेज बनाकर सरकारी भूमि हड़पने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

ट्रैक्टर चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गैंग के तीन सदस्य हुए गिरफ्तार

संवाददाता, बिल्हौर

पुलिस की गिरफ्त में खड़े ट्रैक्टर चोरी के आरोपी। अमृत विचार

अमृत विचार। बिल्हौर पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने उत्तरीपुरा क्षेत्र के राणा अंडरपास के पास से घेराबंदी कर गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी के दो ट्रैक्टर, तीन ट्रॉलियां, एक बाइक और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। साथ ही विधिक कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को जल भेज दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि पकड़े गए अभियुक्तों के नाम अभिषेक यादव उर्फ अंशू 25 , विवेक उर्फ अमन 20 , कन्हैयालाल 26 हैं। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि यह गैंग बेहद योजनाबद्ध तरीके से चोरी करता था। यह पहले मोटरसाइकिल से घूमकर खेतों या एकांत जगहों पर खड़ी किसानों की ट्रालियों की पहचान करते थे। उसके बाद मौका पाते ही चोरी की घटना को अंजाम देते थे। चोरी करने के बाद ये ट्रॉलियों का रंग और आकार बदल देते थे ताकि उन्हें पहचाना न हो सके। बाद में ट्रॉलियों की फोटो व्हाट्सएप के जरिए ग्राहकों को भेजकर अच्छे दामों में बेच दिया जाता था।

पुलिस के अनुसार, इस गिरोह ने कानपुर नगर के अलावा कानपुर देहात, कन्नौज, उन्नाव और आसपास के कई जिलों में चोरी की दर्जनों वारदातों को अंजाम दिया है। आरोपियों के खिलाफ पहले से ही बिल्हौर, अरौल, पनकी, बिधनू और चौबेपुर थानों में गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि इनके पास दो ट्रैक्टर , एक बाइक, तीन चोरी की ट्रॉलियां और तीन मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। इस सफल अभियान का नेतृत्व प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार ने किया। टीम में उप-निरीक्षक अमित सिंह, मनीर सिंह, कृष्ण कुमार, शनि कुमार मौर्य, सोनू गुप्ता और हेड कांस्टेबल रवि कुमार शामिल रहे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है।

फार्मर रजिस्ट्री कार्य में तेजी लाने के दिये निर्देश

संवाददाता, बिल्हौर

- उपजिलाधिकारी ने विभिन्न गांवों का भ्रमण कर किया जागरूक

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के अनुपालन में कृषकों के हित के लिए चलाई जा रही 'फार्मर रजिस्ट्री' योजना को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के लिए प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है।

इसी क्रम में गुरुवार को उप जिलाधिकारी सजीव दीक्षित द्वारा तहसील क्षेत्र के विभिन्न गांवों का सघन भ्रमण और आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी ने ग्राम रौगांव और बिल्हौर देहात सहित कई ग्राम पंचायतों का दौरा किया। वहां उन्होंने कृषि विभाग के बीटीएम. , एटीएम. और विकास खंड विभाग के पंचायत सहायकों द्वारा लगाए जा रहे विशेष पंजीकरण कैंपों की कार्यप्रणाली को देखा। उपजिलाधिकारी संजीव दीक्षित ने मौके पर उपस्थित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे अनिवार्य रूप से गांव पहुंचें। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कर्मचारियों को सीधे ग्रामवासियों से संपर्क कर निम्नलिखित माध्यमों से पंजीकरण सुनिश्चित करने को कहा।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

ट्रक का टायर खुलकर दुकान में घुसा महिला की उपचार के दौरान गई जान

संवाददाता , घाटमपुर

आशा देवी।

03 लोग मामूली रूप से चोटहिल भी हो गए थे

- मामूली रूप से घायल हुए लोग इलाज करा कर गये घर
- पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर होगी कार्रवाई

अमृत विचार। घाटमपुर के पतारा में बुधवार देर शाम एक तेज रफ्तार ट्रक का टायर खुलकर दुकान में घुस गया था। इससे दुकान में बैठी महिला समेत चार लोग घायल हुए थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को पतारा सीएचसी पहुंचाया था, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार कर तीन को घर भेज दिया था और गंभीर रूप से घायल महिला को कानपुर जिलास्पताल रेफर कर दिया था। वहीं पर उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के पतारा कस्बा निवासी ज्ञान प्रकाश पाण्डेय ने बताया कि कानपुर सागर हाईवे के किनारे पतारा कस्बे के पार्किंग के पास घर के बाहर परचून की दुकान स्थित है। दुकान में बुधवार देर शाम उनकी पत्नी अर्चना देवी व पड़ोस की रहने वाली आशा देवी बैठी थी, तभी अचानक कानपुर की ओर से आए तेज रफ्तार ट्रक का टायर खुलकर दुकान के बाहर खड़े युवक उबैश को टक्कर मारते हुए उछलकर टीन शेड को तोड़ते हुए दुकान के अंदर जा गिरा, हादसे में दुकान में बैठे तीनों लोग घायल हो गए थे। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को पतारा सीएचसी पहुंचाया था। वहां पर मौजूद डाक्टर ने प्राथमिक उपचार कर तीन को घर भेज दिया था। वहीं गंभीर हालत में घायल आशा देवी को कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया था, जहां पर उपचार के दौरान आशा देवी की मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों को सूचना देने के साथ महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है।

घाटमपुर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिष्ट ने बताया कि परिजनों को सूचना देने के साथ महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किसान सम्मान निधि लेने वाले किसान फार्मर रजिस्ट्री करायें

संवाददाता,घाटमपुर

अमृत विचार। घाटमपुर में जिलाधिकारी कानपुर नगर के निर्देशों के बाद फार्मर रजिस्ट्री में गति आयी है और प्रत्येक दिन घाटमपुर तहसील के सभी ग्रामों में लेखपाल, किसान सहायक, पंचायत सहायक ,जनसेवाकेन्द्र के द्वारा फार्मर रजिस्ट्री बनाई जा रही है। पीएम किसान सम्मान निधि पाने वाले सभी किसानों के लिए फार्मर रजिस्ट्री बनवाना अनिवार्य है। इसके लिए किसान को अपना आधार कार्ड, खतौनी आदि अभिलेखों के साथ जनसेवाकेन्द्र, लेखपाल या पंचायत सहायक से संपर्क करना है।

अबिचल प्रताप सिंह।

उपजिलाधिकारी घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह ने बताया कि पीएम किसान सम्मान निधि प्राप्त करने वाले सभी किसान फार्मर रजिस्ट्री करा लें। यदि कोई समस्या आ रही है तो स्थानीय स्तर पर लेखपाल से या फिर तहसील कार्यालय में आकर संपर्क कर सकते हैं। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही किसान न करें, अनिवार्य रूप से यह कार्य अविलम्ब करा लें ताकि भविष्य में किसी प्रकार की कोई समस्या न हो।

नारायणा विद्यापीठ पनकी में रोजगार मेला कल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नारायणा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, पनकी में 28 फरवरी, 2026 को नारायणा विद्यापीठ कैम्पस, गंगागंज, पनकी, कानपुर में प्रातः 10:00 बजे से रोजगार मेला आयोजित होगा ।

सहायक निदेशक (सेवायोजन) कानपुर मंडल, उज्ज्वल कुमार सिंह ने बताया कि 1500 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए "उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन" के अंतर्गत प्रादेशिक सेवायोजन कार्यालय, कानपुर एवं नारायणा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, पनकी, कानपुर द्वारा संयुक्त रुप से 28 फरवरी, 2026 को नारायणा विद्यापीठ कैम्पस, गंगागंज, पनकी, कानपुर में प्रातः 10:00 बजे से एक दिवसीय वृहद रोजगार मेला आयोजित होगा जिसमें कानपुर नगर सहित अन्य शहरों की अनेक प्रतिष्ठित अस्पतालों एवं कंपनियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। प्रमुख प्रतिभागी संस्थानों में रीजेंसी हॉस्पिटल कानपुर, अपोलो हॉस्पिटल लखनऊ, आइरिस लाइफ साइंस लिमिटेड वाराणसी, वेदांता हॉस्पिटल लखनऊ, रैंडस्टैड इंडिया प्रा.लि., जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर्स लि., सन फार्मा इंडस्ट्रीज लि., नाटको फार्मा लि., अजंता फार्मा लि., शिवम इंटरप्राइजेज (अशोक लेलैंड), हिताची कैश मैनेजमेंट सर्विसेज प्रा.लि., इंटीग्रेटेड पर्सनल सर्विसेज लि., स्टार ग्रुप ऑफ मैनपावर सर्विस, पंकज इंटरप्राइजेज, एएस वर्ल्ड ग्रुप, एडुवांटेज प्रा.लि. (वर्धमान टेक्सटाइल), द इंडिया थर्मिट कॉर्पोरेशन लि., श्रीराम ग्रुप आदि शामिल हैं। इन संस्थानों द्वारा लगभग 1500 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी, जिनमें ट्रेनी इंजीनियर, सॉफ्टवेयर/वेबसाइट डेवलपर, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव, स्मार्ट मीटर इंस्टॉलेशन टेक्नीशियन, नर्सिंग ऑफिसर, मैनेजर, एटीएम ऑफिसर, प्रोडक्शन ट्रेनी, लोन एडवाइजर, मर्चेंट बीडीई, सुपरवाइजर (कॉलिंग), प्रमोटर कम टीम लीडर, इनबाउंड वॉइस प्रोसेस कस्टमर सपोर्ट, ट्रेनी हेल्पर (टेक्सटाइल) आदि पद शामिल हैं। चयनित अभ्यर्थियों को 10,000 से 25,000 तक मासिक वेतन प्रदान किया जाएगा तथा नियुक्ति कानपुर नगर, लखनऊ, नोएडा, गुरुग्राम, गाजियाबाद आदि स्थानों पर की जाएगी। रोजगार मेले में हाईस्कूल से लेकर परास्नातक, डिप्लोमा, आईटीआई, बी.फार्मा/डी.फार्मा, बीटेक, बीसीए एवं एमसीए उत्तीर्ण अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं, बशर्ते वे सेवायोजन पोर्टल पर पंजीकृत हों। इच्छुक अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश सेवायोजन विभाग के पोर्टल "रोजगार संगम" पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं ।

घाटमपुर मंडल अध्यक्ष रोहित का किया स्वागत

संवाददाता घाटमपुर

अमृत विचार। कानपुर ग्रामीण के नव नियुक्त मंडल अध्यक्षों की घोषणा के उपरांत पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने घाटमपुर में नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष रोहित सोनी का फूल मालाओं से किया स्वागत।

इस दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के संगठन की शक्ति ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। साथ ही उन्होंने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है उसका पूरी मेहनत व इमानदारी के साथ निर्वहन करूंगा। इस दौरान राजेश सिंह, शोभित सेंगर ,हरिओम गुप्ता, रजनीश सचान, प्रियम ठाकुर ,विकास सैनी, रमेश शर्मा ,राजा गुप्ता, विक्रम गोस्वामी, श्याम नारायण सचान, जीतू अवस्थी ,रोहित कुमार समेत तमाम भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रोहित सोनी के साथ मौजूद जिला महामंत्री महिला मोर्चा अंजलि तिवारी व अन्य।

अभियान | जनपद स्तरीय सलाहकार समिति की समीक्षा बैठक में बोले जिलाधिकारी

लिंग परीक्षण पर रोक को मुखबिरों का सहयोग लें

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

जनपद स्तरीय सलाहकार समिति की समीक्षा बैठक में मातहतों को निर्देश देते जिलाधिकारी पुलकित गर्ग। अमृत विचार

- बैठक में जिलाधिकारी ने दिए कड़े दिशा-निर्देश

अमृत विचार। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में गुरुवार को गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम के प्रभावी क्रियांन्वयन के लिए गठित जनपद स्तरीय सलाहकार समिति की समीक्षा बैठक हुई। सेंटरों में लिंग परीक्षण जैसे अवैध कार्यों पर रोक लगाने के लिए मुखबिर योजना लागू करने पर जोर दिया।

डीएम ने सरकारी एवं निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी डा. भूपेश द्विवेदी को निर्देशित किया कि केंद्रों के पंजीकरण, नवीनीकरण की अवधि और उनके संचालन की विस्तृत रिपोर्ट दें। जिलाधिकारी ने कड़े निर्देश दिए कि किसी भी अल्ट्रासाउंड केंद्र में सांकेतिक चित्र या फोटो नहीं होने चाहिए। इसका उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित केंद्र के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

लिंग चयन जैसे अवैध कार्यों पर अंकुश लगाने के लिए जिलाधिकारी ने 'मुखबिर योजना' को सक्रिय करने पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि जो लोग इस मुखबिर योजना के लिए इच्छुक हैं, उन्हें हिडन कैमरा व अन्य तकनीकी संसाधनों के साथ तैनात किया जाए। उन्होंने समिति के सदस्यों से भी इस अभियान में सहयोग की अपील की। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम, जिसमें एसडीएम एवं अपर मुख्य चिकित्साधिकारी हैं, को जनपद के अल्ट्रासाउंड सेंटरों का नियमित एवं औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि लिंग चयन, कन्या भ्रूण हत्या या अवैध गर्भपात जैसे गैर-कानूनी कार्यों में संलिप्त केंद्रों और चिकित्सकों को किसी भी दशा में बख्शा नहीं जाएगा। निर्देशित किया किऐसे दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराकर सख्त कार्रवाई की जाए। बैठक में डा. जीआर रतमेले, डा. शैलेंद्र कुमार, डा. एससी अग्रवाल, डा. राजेंद्र प्रताप, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सुरेंद्र कुमार, जिला शासकीय अधिवक्ता श्यामसुंदर मिश्रा, सदस्य श्याममूरत गौतम, दिव्या त्रिपाठी, राखी रहीं।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
शैक्षिक प्रमाण पत्रों में मेरा नाम SHVIAM OMAR अंकित है और आधार कार्ड नंबर 459038138566 में नाम SHIVAM OMAR दर्ज है। SHVIAM OMAR व SHIVAM OMAR दोनों ही हमारे नाम हैं। शिवम ओमर पुत्र सतीश चन्द्र निवासी व पोस्ट ठठिया, तिर्वा जनपद कन्नौज।

सूचना
सूचित हो कि मेरे हाई स्कूल अंक पत्र में मेरा नाम अखिल यादव AKHIL YADAV S/O BHANU PRATAP YADAV अंकित है। जबकि मेरे आधार कार्ड संख्या–957444346690 में मेरा नाम आशु कुमार यादव ASHU KUMAR YADAV S/O BHANU PRATAP YADAV अंकित है। जो गलत है। मेरा सही नाम अखिल यादव AKHIL YADAV S/O BHANU PRATAP YADAV निवासी ग्राम दुर्गाखेड़ा, (अटहरी), पोस्ट व थाना अजगैन, तहसील हसनगंज, जिला उन्नाव है **अतः मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जायें**

सूचना
मैं चन्द्रावती पत्नी हजारी लाल निवासी रामगंज बाजार पो. मोहगंवा जिला रायबरेली की निवासी हूं। मेरी भारतीय जीवन बीमा निगम की पालिसी संख्या 236703489 है। पालिसी में नाम चन्द्रावती लिख गया है जबकि बैंक खाता और आधार कार्ड में इन्द्रावती है। पालिसी में नाम इन्द्रावती किया जाये। दोनों नाम मेरे ही है।

सूचना
मैं अजय कुमार सोनी पुत्र सामसुतराम प्रकाश सैनी निवासी हनुमानगढ़ी की गली राजामार्केट परकीन्सगंज चौक सुलतानपुर थाना कोतवाली नगर जनपद सुलतानपुर में मेरा नाम आधार कार्ड पैन कार्ड में अजय कुमार सोनी (AJAY KUMAR SONI) लिखा है, जो सही है, जबकि मेरे हाईस्कूल की अंकपत्र प्रमाणपत्र में मेरा नाम राज सोनी (RAJ SONI) लिखा है जो गलत है. अतः मुझे अजय कुमार सोनी (AJAY KUMAR SONI) के नाम से जाना व पहचाना जायें

सूचना
सर्वधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे तीन लडके हैं शिव कुमार, संजय कुमार, अमित कुमार हैं जिसमे बडा लडका शिव कुमार का चाल चलन ठीक नही है बुरी संगत कृत्य मे लिप्त रहने पर मै अपने बडे पुत्र शिव कुमार को अपने सभी चल–अचल संपत्ति से बेदखल कर रहा हूं आज से उक्त लडके के क्रिया कलापों व लेनदेन से मुझसे कोई वास्ता व सरोकार नही है शपथी अतर सिंह पुत्र रामहेत निवासी ग्राम राजाजोत मौजा बासूपुर थाना गैंडास बुजुर्ग, तहसील उतरौला – बलरामपुर

Notice
Delisha Anwar daughter of Late Sabir Siddiqui is now to be know as Dalisha Anwar Siddiqui, as her name has been corrected in the school records. As it was a manual error done by her parents.

Notice
I Mohammad wafi Ansari s/o Mohammad Akhtar r/o Khatrana road near champa devi Raebareli U. P. Have change my name and shall hereafter be known Mohd Wafi Anshari s/o Mohd Akhtar

Notice
I MOHAMMAD AKHTAR S/O MOHADMMAD AMIM R/O khatrana Road Near Champa devi Raebareli U.P have change my name and shall hereafter be known MOHD AKHTAR S/O MOHD AMIM

सूचना
मैं, राम नायक पुत्र स्व. राम अधार, निवासी: ग्राम सागरपट्टी पंथिला, मिल्कीपुर, अयोध्या सूचित करता हूँ कि मेरे पिता के सर्विस रिकॉर्ड (MES-441618) में मेरी जन्मतिथि गलतवश 16/02/1982 अंकित है, जबकि सही जन्मतिथि 01/01/1985 है। भविष्य में मुझे सही तिथि 01/01/1985 से ही जाना जाए।

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैने अपना नाम सलमान पुत्र इरशाद से बदलकर जुलफेकार पुत्र इरशाद रख लिया अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। जुलफेकार पुत्र इरशाद पता– ख्वाजापुर थाना– सलोन जनपद –रायबरेली उ0प्र0

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, शुक्रवार, 27 फरवरी 2026

सुविचार

शांति की शुरुआत एक मुस्कान के साथ होती है... दुनिया को ठीक करने का तरीका यह है कि आप अपने परिवार से शुरुआत करें"।

-मदर टेरेसा

कानपुर के प्रमुख समाचार

- शराब नहीं मिलने पर हमला, अधेड़ की मौत, एक घायल-II
- बदलावः रिटायरमेंट व चिल्ड्रेन फंड्स होंगे बंद-III
- बिठूर में सांस्कृतिक महाकुंभ का आगाज, यूफोरिया की धूम -IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

इफ्तार	सहरी
शुक्रवार शाम	शनिवार सुबह
सुन्नी : 6 :12	सुन्नी : 5 :12
शिया : 6 :20	शिया : 5 :06

हजरत मोहम्मद साहब ने फरमाया : अपने माल की जकात निकालकर माल को शुद्ध करो

शहर ने ईवी मैन्युफैक्चरिंग का हब बनने की तरफ तेजी से बढ़ाए मजबूत कदम

औद्योगिक स्वरूप को तकनीकी भविष्य मिलने की खुल गई राह

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। प्रदेश सरकार कानपुर को बड़े इलेक्ट्रिक वाहन हब के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। इससे शहर के पारंपरिक औद्योगिक स्वरूप को नया तकनीकी भविष्य मिलने की राह खुली है। भीमसेन में डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के पास 500 एकड़ क्षेत्र में 700 करोड़ रुपये से अत्याधुनिक ईवी ईवी मैन्युफैक्चरिंग पार्क बनाया जा रहा है, जिसमें लिथियम-आयन बैटरी निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण इकाइयां स्थापित होंगी।

इसे उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) द्वारा पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर विकसित कर रहा है। इस पार्क में न केवल लिथियम-आयन सेल का निर्माण होगा, बल्कि बैटरी पैक असेंबली, चार्जर और कंट्रोलर बनाने की इकाइयां लगेंगी। उधर, मार्स मोबिलिटी कंपनी ट्रांस गंगा सिटी में अपनी अत्याधुनिक लिथियम-आयन बैटरी फैक्ट्री स्थापित कर रही है। यह प्लांट भी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर के लिए उन्नत बैटरी समाधान प्रदान करेगा।

भीमसेन में स्थापित होने वाले ईवी हब को रेल और सड़क नेटवर्क दोनों के समीप होने का बड़ा लाभ मिलेगा। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के पास स्थित होने से न सिर्फ कच्चे माल और तैयार बैटरी के परिवहन में आसानी होगी, बल्कि इलेक्ट्रिक वाहनों की आपूर्ति श्रृंखला को स्थानीय स्तर पर मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही उद्यमियों के लिए नए अवसर तथा युवाओं के लिए बड़ी संख्या में रोजगार के मौके उपलब्ध होंगे। इस परियोजना में आरएंडडी सेंटर भी बनना है, जो बैटरी तकनीक में नवाचार को बढ़ावा देगा।

ट्रांस गंगा सिटी में बन रही निजी कंपनी की लिथियम-आयन बैटरी फैक्ट्री

500 एकड़ में बनेगा ईवी मैन्युफैक्चरिंग पार्क

700 करोड़ रुपये से विकसित किया जाएगा

लिथियम-आयन बैटरी फैक्ट्री से मिलेगी मजबूती

- ट्रांस गंगा सिटी में मार्स मोबिलिटी द्वारा स्थापित की जा रही अत्याधुनिक लिथियम-आयन बैटरी फैक्ट्री से भी कानपुर रीजन को इलेक्ट्रिक व्हीकल का हब बनाने में मजबूती मिलेगी। करीब 9,800 वर्ग मीटर एरिया में बन रही इस यूनिट का सिविल कंस्ट्रक्शन अब अंतिम चरण में है और जल्द ही मशीनरी स्थापना का काम शुरू होने वाला है। यहां इलेक्ट्रिक टू और थ्री व्हीलर्स के लिए हाई-कैपेसिटी बैटरी पैक तैयार किए जाएंगे। जानकारी के अनुसार कानपुर रीजन में कंपनी की यह दूसरी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट है।

20 लाख तक की प्रॉपर्टी खरीदने में अब पैन से मिल सकती राहत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- निम्न मध्यमवर्गीय लोगों को बड़ी सहूलियत संभव
- नए आयकर नियमों के ड्राफ्ट में किया गया प्रस्ताव

अमृत विचार। छोटा घर या 20 लाख रुपये तक की जमीन खरीदने का सपना देखने वाले लोगों के लिए राहत भरी खबर है। आयकर विभाग द्वारा प्रस्तावित नए आयकर नियमों के ड्राफ्ट में प्रॉपर्टी लेनदेन से जुड़े पैन अनिवार्यता नियमों में बदलाव का सुझाव दिया गया है। यदि यह प्रस्ताव लागू होता है, तो कम कीमत की संपत्ति खरीदने वाले लोगों को बड़ी सहूलियत मिल सकती है।

वर्तमान में 10 लाख रुपये से अधिक मूल्य की अचल संपत्ति जैसे मकान, प्लॉट या फ्लैट आदि की खरीद-फरोख्त में पैन देना अनिवार्य है। नए प्रस्ताव में इस सीमा को बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने की बात कही गई है। यानी 20 लाख रुपये से कम मूल्य की रजिस्ट्री में पैन देना जरूरी नहीं रहेगा। इससे छोटे लेनदेन करने वालों की कागजी प्रक्रिया कम होगी और रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया अधिक सरल बन सकती है।

अन्य मामलों में सख्ती का प्रस्तावः ड्राफ्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि यदि किसी को गिफ्ट के रूप में संपत्ति मिलती है या जॉइंट डेवलपमेंट एग्रीमेंट के तहत जमीन या फ्लैट का ट्रांसफर होता है, तो तय सीमा से अधिक मूल्य होने पर पैन का अनुपालन अनिवार्य किया जा सकता है। इसका उद्देश्य बड़े और जटिल सौदों पर निगरानी बनाए रखना है।

पहली अप्रैल से लागू हो सकते हैं नए नियम

- अभी यह केवल ड्राफ्ट प्रस्ताव है। भारत सरकार द्वारा सुझाव और आपत्तियां प्राप्त करने के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। संभावना है कि नए नियम पहली अप्रैल, 2026 से लागू किए जा सकते हैं।

बदलाव से छोटे शहरों और मध्यम वर्ग को मिलेगा खास फायदा

यह बदलाव खास तौर पर छोटे शहरों, कस्बों और मध्यम आय वर्ग के लोगों के लिए लाभकारी माना जा रहा है, जहां अभी भी 20 लाख रुपये तक में संपति उपलब्ध है। ऐसे मामलों में दस्तावेजी बोझ कम होने से प्रॉपर्टी खरीदना अपेक्षाकृत आसान हो जाएगा। कर विशेषज्ञ और इनकम टैक्स बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री सीए राहुल चंद्रा के अनुसार रियल एस्टेट की बढ़ती कीमतों को देखते हुए पैन अनिवार्यता की सीमा को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करना व्यावहारिक और समयानुकूल कदम है। इससे छोटे खरीदारों को राहत मिलेगी और अनुपालन प्रक्रिया भी सरल होगी।

सिटी ब्रीफ

एडी और बीएसए को अदालत से नोटिस

कानपुर। नई सड़क स्थित मैथाडिस्ट चर्च के एक हिस्से में स्कूल के नाम पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए पादरी सत्येन्द्र श्रीवास्तव ने उच्च प्राथमिक विद्यालय कन्या नौघड़ा के प्रधानाचार्य निहाल सिंह और बीएसए के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए कोर्ट में प्रार्थना दिया था, जिस पर सीजेएम सूरज मिश्रा ने बीएसए और शिक्षा विभाग के अपर निदेशक को कारण बताओ नोटिस जारी कर 12 मार्च तक जवाब मांगा है।

होली में दोपहर 2:30 बजे से चलेगी मेट्रो

कानपुर। होली के मौके पर 4 मार्च को मेट्रो ट्रेन सेवाएं दोपहर 2 :30 बजे से रात 10 :बजे तक संचालित होंगी। मेट्रो ट्रेन सेवाएं दोनों टर्मिनल स्टेशनों यानी आईआईटी कानपुर और कानपुर सेंट्रल मेट्रो स्टेशन से दोपहर 2 .30 बजे प्रारंभ होंगी और रात 10 :00 बजे तक सामान्य रूप से संचालित होती रहेंगी। गौरतलब है कि सेवाओं के समय में यह परिवर्तन मात्र 04 मार्च के लिए होगा। इसके अगले दिन से मेट्रो सेवाएं पूर्ववत सुबह 6 :00 बजे से रात 10 :00 बजे तक उपलब्ध रहेंगी।

सचेंडी के जंगल में आग से मचा हड़कंप

कानपुर। पनकी थाना क्षेत्र के सचेंडी में जंगल, झाड़ियों में भीषण आग लगी जिसमें भड़कते शोले देख हड़कंप मचा और राहगीरों ने घटना की जानकारी फायर ब्रिगेड को दी। गुरुवार को सुबह 10 .39 बजे फायर ब्रिगेड कंट्रोल रुम को आग लगने की सूचना प्राप्त हुई जिसपर पनकी के अग्निशमन अधिकारी दलबल के साथ मौके पर रवाना हुए। इस दौरान फजलगंज फायर स्टेशन से भी दमकल के साथ जवान पहुंचे और आग पर काबू पाया।

सेंट्रल स्टेशन पर चेकिंग अभियान पर निकले अधिकारी। अमृत विचार

सेंट्रल स्टेशन पर ट्रेनों की सघन चेकिंग हुई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- डॉग स्क्वॉयड, बम निरोधक दस्ता के साथ चलाया अभियान

अमृत विचार। होली-रमजान और ईद त्योहार पर लाखों यात्रियों की भीड़ को देखते हुए डाग स्क्वायड, बम निरोधक दस्ता के साथ जीआरपी और आरपीएफ ने सेंट्रल स्टेशन पर ट्रेनों में चेकिंग अभियान चलाया। कई संदिग्ध यात्रियों से पूछताछ भी की गई।

बुधवार को जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह, आरपीएफ क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर अजीत तिवारी, पोस्ट प्रभारी सिद्धनाथ पाटीदार की अगुवाई में त्योहारों को देखते हुए चेकिंग अभियान चलाया गया। सप्तक्रांति एक्सप्रेस, शताब्दी एक्सप्रेस, दूरंतो एक्सप्रेस, जनसाधारण एक्सप्रेस, संपर्क क्रांति, जनसाधारण एक्सप्रेस, नेता जी एक्सप्रेस, महानंदा एक्सप्रेस समेत विशेषकर दिल्ली की ओर जाने वाली ट्रेनों में तलाशी ली गई और कई संदिग्ध यात्रियों से पूछताछ की गई। कई यात्रियों के बैग को भी मेटल डिटेक्टर से चेक किया गया। कई प्लेटफार्मों पर इधर उधर पड़े पार्सलों को व्यवस्थित कराया गया और कई संदिग्ध यात्रियों की तलाशी भी ली गई। पार्सलघर, सिटी साइड परिसर, वाहन स्टैण्ड, कैंट साइड में वाहन स्टैण्ड समेत कई स्थानों को चेक किया गया।

राजरतन समूह में दूसरे दिन भी कार्रवाई जारी

कानपुर। राजरतन समूह में हुई छापेमारी की कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रही। लगभग 24 घंटे बीत जाने के बाद 11 में से दो जगहों पर जांच पूरी हो गई है। 9 स्थानों पर लगभग 55 अफसर अभी भी अभिलेखों की जांच में जुटे हुए हैं। बताया जा रहा है कि इस दौरान स्टॉक और उसके हिसाब में भारी अंतर सामने आ सकता है।

आयकर विभाग की टीम की ओर से बुधवार दोपहर एक साथ राजरतन समूह के 11 ठिकानों में छापेमारी की गई थी। इनमें नयागंज, दालमंडी, गुमटी, स्वरूप नगर, पीरोड, लाल बंगला शामिल हैं। इन स्थानों में समूह के शोरूम और कार्यालय मौजूद हैं। यह समूह कपड़ों के साथ ही रियल एस्टेट और डिटर्जेंट पाउडर और साबुन का भी कारोबार करता है। सूत्रों के अनुसार जांच के दौरान बिल, स्टॉक रजिस्टर, बैंक लेनदेन सहित अन्य भुगतान का ब्योरा खंगाला जा रहा है। अधिकारियों की ओर से समूह के अधिकारियों से पूछताछ भी की जा रही है। इस पूछताछ में आय व व्यय के साथ ही स्टॉक के बारे में सवाल किए जा रहे हैं। उधर टीम की ओर से कार्यालयों में डिजिटल डिवाइस को भी परखा गया। अभिलेखों में अंतर सामने आ रहा है।

वंदे भारत का ब्रेक सिस्टम फेल, 1 घंटे रुकी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर वंदेभारत एक्सप्रेस के ब्रेक सिस्टम में खराबी आ गयी जिसके कारण ये वीआईपी ट्रेन एक घंटा रुकी रही। रेलवे अभियंताओं ने तकनीकी दिक्कतों को दूर किया, तब जाकर ये ट्रेन नई दिल्ली के लिए रवाना हो सकी।

वाराणसी से नई दिल्ली जा रही गाड़ी संख्या 22415 वंदेभारत एक्सप्रेस सुबह 9.26 बजे कानपुर सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 पर पहुंची। इस ट्रेन का सेंट्रल स्टेशन पर मात्र 5 मिनट का ठहराव है लेकिन पार्किंग ब्रेक में दिक्कत होने के कारण 5 मिनट बाद जब लोको पायलट ने ट्रेन को आगे बढ़ाना चाहा तो ये गाड़ी आगे नहीं बढ़ी तो लोको पायलट ने इसकी जानकारी आला अफसरों को दी।

वीआईपी ट्रेन होने के कारण अफसरों ने अफरातफरी मच गई और आनन फानन रेलवे के अभियंता सेंट्रल स्टेशन पहुंचे। अभियंताओं ने वंदेभारत एक्सप्रेस का निर्माण करने वाली कंपनी से अधिकारियों से बात की तो वहां से दिक्कत कैसे ठीक होगी, इसकी जानकारी दी, तब जाकर इंजीनियरों ने ट्रेन की दिक्कतों को ठीक किया और एक घंटे बाद ये गाड़ी नई दिल्ली के लिये रवाना हो सकी। स्टेशन अधीक्षक ने बताया कि तकनीकी दिक्कतों के कारण वंदेभारत एक्सप्रेस एक घंटे लेट हो गयी।

बरौनी से नई दिल्ली के लिए स्पेशल ट्रेनः रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने एवं कई ट्रेनों के फेरे बढ़ाने की घोषणा की है। गाड़ी संख्या 02563 बरौनी से नई दिल्ली दैनिक 28 फरवरी 2026 से 30 मार्च 2026 तक चलती रहेगी। इस ट्रेन में पार्सल डिब्बे 2, स्लीपर 4, इकॉनामी 5, तृतीय एसी 7 डिब्बे होंगे। गाड़ी संख्या 02564 नई दिल्ली से बरौनी दैनिक 28 फरवरी से 31 मार्च तक चलती रहेगी।

गाड़ी संख्या 02569 दरभंगा से नई दिल्ली दैनिक 28 फरवरी से 30 मार्च तक चलती रहेगी। गाड़ी संख्या 02570 नई दिल्ली से दरभंगा दैनिक 28 फरवरी से 31 मार्च तक चलती रहेगी।

आनंद विहार से बलिया वाया गोविंदपुरी स्पेशल ट्रेन 4 मार्च से चलेगी

- कानपुर। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी संख्या 04056/04055 आनंद विहार टर्मिनल-बलिया के अतिरिक्त फेरों का संचालन करने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 04056 आनंद विहार टर्मिनल से बलिया 4 मार्च से 25 मार्च तक चलेगी। गाड़ी संख्या 04055 बलिया से आनंद विहार 5 मार्च से 26 मार्च तक चलेगी।

नई दिल्ली से पटना तक आज से विशेष ट्रेन का संचालन

- **कानपुर।** रेल प्रशासन ने होली पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए नई दिल्ली से पटना के मध्य विशेष ट्रेन संचालन करने का निर्णय लिया है। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि नई दिल्ली से 27 फरवरी से 3 मार्च 2026 तक चलेगी। पटना से ये गाड़ी 28 फरवरी से 4 मार्च 2026 तक चलेगी। इस गाड़ी में स्लीपर -05, सामान्य -10, एसी तृतीय -04 और 2 पार्सल कोच होंगे। गाड़ी संख्या 04088 नई दिल्ली से दोपहर 2 .30 बजे रवाना होगी। टूंडला सायं 6 .28 बजे, गोविंदपुरी रात 10 .55 बजे, सूबेदारगंज रात 1 .55 बजे, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन प्रात : 7 .15 बजे, बक्सर 7 .40 बजे, आरा 8 .35 बजे, पटना जंक्शन प्रात : 10 .45 बजे पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 04087 पटना से दोपहर 12 .05 बजे चलेगी। आरा दोपहर 12 .58 बजे, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन सायं 4 .15 बजे, सूबेदारगंज सायं 7 .50 बजे, गोविंदपुरी रात 10 .35 बजे, टूंडला रात 1 .25 बजे, नई दिल्ली प्रात) 9 .10 बजे पहुंचेगी।

कवायद शुरू — राष्ट्रीय राजमार्ग पीडब्ल्यूडी की टीम एनओसी लेने रेलवे के पास पहुंची, प्रयागराज मंडल रेल प्रबंधक से संपर्क करने की दी गई सलाह

झकरकटी पुल से 20 मीटर की ऊंचाई पर होगा फ्लाईओवर

झकरकटी के दोनों पुलों के ऊपर से गुजरेगी एलिवेटेड रोड। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रामादेवी से गोल चौराहा (रावतपुर) तक जीटी रोड पर फ्लाईओवर निर्माण की कोशिशें तेज हो गयी हैं, इसी क्रम में राष्ट्रीय राजमार्ग पीडब्लूडी की एक टीम रेलवे अधिकारियों के पास अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) लेने के लिए पहुंची, जिस पर रेलवे अधिकारियों ने उन्हें सलाह दिया कि प्रयागराज मंडल रेल प्रबंधक से संपर्क करें।

रामादेवी से गोल चौराहा तक प्रस्तावित फ्लाई ओवर झकरकटी पुल के ऊप से होकर गुजरेगा। यानी नीचे झकरकटी पर ट्रैफिक चलेगा और ऊपर फ्लाईओवर से लोग गोल चौराहा निकल जाएंगे। झकरकटी पुल के ऊपर फ्लाई ओवर की ऊंचाई 20 मीटर होगी। ये पुल झकरकटी बस अड्डा की ओर नहीं होगा बल्कि दोनों पुलों के ऊपर बीच में होगा जिससे झकरकटी बस अड्डे को कोई नुकसान नहीं होगा और न ही रेलवे वाशिंग लाइन, आरपीएफ ग्राउंड या रेलवे निर्माण शाखा को किसी प्रकार का नुकसान होगा। ये फ्लाईओवर 4 लेन का होगा जिसपर लगभग 988.30 करोड़ लागत आएगी।

बताते चलें कि रामादेवी से गोल चौराहा तक 10.16 किमी लंबा फ्लाईओवर बनने का प्रस्ताव पारित हो चुका है। झकरकटी में पहले एक पुल था फिर कुछ वर्ष जाम से निजात पाने के लिए दूसरा पुल चालू किया गया। एक पुल से लोग आते हैं और दूसरे पुल से लोग जाते हैं यानी वन वे सिस्टम लागू है लेकिन उसके बाद भी यहां भीषण जाम लगता है। रामादेवी से गोल चौराहा तक फ्लाईओवर बनने के बाद शहर के बड़े भाग को जाम से निजात मिलेगी।

कांग्रेसियों ने पदयात्रा निकालकर यूपीए सरकार की उपलब्धि बताया। अमृत विचार

कांग्रेसी बोले, यूपीए सरकार में मिली थी मंजूरी : रामादेवी चौराहा से आईआईटी तक एलीवेटेड फ्लाई ओवर निर्माण की स्वीकृति के लिए कांग्रेस का दावा है कि तत्कालीन केंद्रीय मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने इस फ्लाईओवर को मंजूरी दिलाई थी। यही दावा करते हुए कांग्रेस ने पदयात्रा की। गुरुवार को जिला कांग्रेस कमेटी नगर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष संदीप शुक्ला की अगुवाई में रामादेवी चौराहा से गांधी ग्राम गेट तक सांकेतिक पद यात्रा निकाली। जिलाध्यक्ष का कहना है कि रामादेवी से आईआईटी तक एलिवेटेड फ्लाईओवर निर्माण जो कि कांग्रेस की यूपीए की प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह सरकार में सन् 2011 में पास हुआ था। जिलाध्यक्ष ने कहा कि तत्कालीन कैबिनेट मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल द्वारा प्रस्ताव बनाया गया था और इसका सर्वे आदि भी करा दिया गया था लेकिन उक्त परियोजना पिछले 15 सालों से ठंडे बस्ते में पड़ी थी। अब भाजपा के तमाम जनप्रतिनिधि फर्जी श्रेय लेने का प्रयास कर रहे हैं।

जल्द ही एआई करेगा सेंट्रल स्टेशन की सुरक्षा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- स्टेशन के रिकॉर्ड में फीड होगा अपराधियों का ब्यौरा
- एआई आधारित एफआरएस कैमरे लगाए जाएंगे

अमृत विचार। देश के कई अतिसंवेदनशील रेलवे स्टेशनों में अपना सेंट्रल स्टेशन भी आता है। सेंट्रल स्टेशन की सुरक्षा के लिए अभी 126 से अधिक सीसीटीवी कैमरे जीआरपी और आरपीएफ की मदद करते हैं लेकिन जल्द ही सेंट्रल स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के हाथों में हो जाएगी।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर अपराधियों की पहचान करने के लिए अब एआई आधारित फेस रिकॉगनिशन सिस्टम (एफआरएस) कैमरे लगाये जायेंगे। इससे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था काफी मजबूत हो जाएगी। इस सिस्टम से किसी भी संदिग्ध की जानकारी मिल सकेगी। कौन कितनी बार स्टेशन आया, उसकी पहचान भी आसानी से हो जाएगी। सेंट्रल स्टेशन पर देश भर के खतरनाक अपराधियों, आतंकियों का रिकार्ड मौजूद रहेगा, ताकि स्टेशन पर कोई भी खतरनाक अपराधी आए तो तुरंत एआई के माध्यम से उसकी पहचान कर ली जाए। बताते चलें कि कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर रोजाना 300 से अधिक ट्रेनों का आवागमन होता है, जिससे सवा से डेढ़ लाख यात्री प्रतिदिन सेंट्रल स्टेशन आते जाते हैं। हमेशा यात्रियों की भीड़ रहती है।

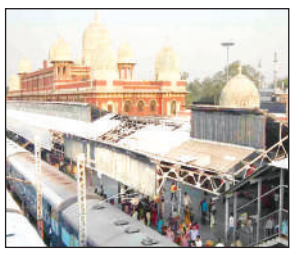

सिटी ब्रीफ

बीमारी से परेशान महिला ने दी जान

कानपुर। गुजैनी निवासी दिव्यांग रमेश कुमार गुप्ता की 50 वर्षीय पत्नी रानी देवी बीते 10 साल से अस्थमा की बीमारी से पीड़ित थीं। रमेश के तीन बेटे सत्यम, शिवम और शिवा हैं। परिजनों ने बताया कि कुछ दिन पहले शिवा सड़क हादसे में घायल हो गया था। जिसके चलते उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। बुधवार शाम शिवा की देखरेख के चलते घरवाले अस्पताल में थे, इस बीच घर पर अकेली रानीदेवी ने आत्महत्या कर ली। गुजैनी थाना प्रभारी ने बताया कि बीमारी के चलते महिला ने जान दी है।

एनसीईआरटी को भेजा नोटिस, कार्रवाई की मांग

कानपुर। अधिवक्ता विश्वजीत पॉल ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) को नोटिस भेजा है। उनका कहना है कि अगर तीन दिन में आपत्ति पर कार्रवाई नहीं हुई तो मुकदमा भी दाखिल करेंगे। एनसीईआरटी ने कक्षा आठ की किताबों में न्यायालय के बारे में अध्याय जोड़ा है, जिसमें न्यायपालिका के सामने मौजूद चुनौतियों-भ्रष्टाचार, लंबित मामलों के भारी बोझ और न्यायाधीशों की कमी पर विस्तार से चर्चा की है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने भी चिंता जताई है। कहा कि कार्यपालिका और विधायिका में भ्रष्टाचार पर समान रूप से क्यों नहीं लिखा गया।

घर पर कैमरा लगने पर पड़ोसी ने धमकाया

कानपुर। बाबूपुरवा के बगाही निवासी आकाश उर्फ बऊआ की बहन पूजा बाजार सामान लेने गई थी। आरोप है कि पड़ोसी मोहित और कुसुम ने गालियां दीं। विरोध करने पर मारपीट की और धमकी दी। मारपीट में उसे चोटें भी आई हैं। आकाश ने बताया कि राजू भी अक्सर गाली-गलौज कर झगड़ा करता है। घर में सीसीटीवी कैमरा लगवाने के बाद से आरोपी रंजिश मानने लगे हैं। पुलिस ने बताया कि जांच कर कार्रवाई कर रही है।

शराब नहीं मिलने पर हमला अधेड़ की मौत, एक घायल

बिधनू के एक शादी समारोह में पहुंचे युवकों ने शराब के ठेके पर किया तांडव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- रात अधिक होने पर सेल्समैन ने शराब देने से किया था इंकार
- हमले में सेल्समैन का सिर फटा, कैमरे खंगाल रही पुलिस

मौके पर जांच पड़ताल करते डीसीपी व अन्य पुलिस कर्मी। अमृत विचार

घायल सेल्समैन।

उदय सिंह।

अमृत विचार। बिधनू में शादी समारोह में आए युवकों ने शराब के ठेके में जमकर उत्पात मचाया। रात अधिक होने पर सेल्समैन ने शराब देने से इंकार किया तो हमला बोल दिया। युवकों ने सेल्समैन और उसके दोस्त को डंडों से जमकर पीटा। दोस्त की हैलट अस्पताल में मौत हो गई, जबकि सेल्समैन का सिर फट गया। सूचना पर डीसीपी साउथ और बिधनू पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य एकत्र किए। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। वहीं पुलिस का कहना है कि रात में मारपीट का मुकदमा दर्ज किया गया था। अब केस में गैर इरादतन हत्या की धारा बढ़ाई जाएगी। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगालकर आरोपियों की पहचान करने में जुट गई है।

बिधनू के किसान नगर रोड पर देशी शराब का ठेका है। ठेके में फतेहपुर जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र के कुलखेड़ा का 55 वर्षीय पवन तिवारी सेल्समैन है। पवन की पास के भवानीपुर गांव निवासी 55 वर्षीय उदय सिंह उर्फ बाबा से दोस्ती थी। अधिकांश समय दोनों साथ में रहते थे। शराब ठेके के आसपास कई गेस्ट हाउस हैं, जहां बुधवार की रात शादी समारोह था।

सेल्समैन के अनुसार रात में करीब आधा दर्जन युवक ठेके पर शराब लेने पहुंचे। समय अधिक हो जाने के कारण पवन और उदय ने शराब देने से मना कर दिया। इस पर युवकों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। युवकों के अभद्रता करने पर पवन और उदय ठेके से बाहर निकले और बेवजह गालीगलौज करने का विरोध किया, तभी युवकों ने लात-घूसे, डंडे से उन्हें पीटना शुरू कर दिया।

दोनों के लहुलूहान और बेदम होने पर आरोपी उन्हें छोड़कर भाग निकले। घटना की जानकारी होते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को बिधनू सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों की हालत गंभीर बताकर हैलट रेफर कर दिया। हैलट में इलाज के दौरान गुरुवार की सुबह उदय की मौत हो गई, जबकि सिर पर चोट आने से घायल सेल्समैन पवन को उपचार के बाद खतरे से बाहर बताकर डॉक्टरों ने घर भेज दिया।

उदय की मौत की खबर से परिजनों में कोहराम मच गया। सेल्समैन पवन के भाई रितेश की तहरीर पर पुलिस ने रात में मारपीट की रिपोर्ट की थी। सुबह उदय की मौत के बाद मुकदमे में गैर इरादतन हत्या की धारा बढ़ाई गई है। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने मौके पर पहुंचकर जांच की और ठेके के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान व तलाश के निर्देश दिए। पुलिस ठेके के आसपास और गेस्ट हाउस के कैमरों की फुटेज से मिलान कर युवकों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। थाना प्रभारी तेज बहादुर सिंह ने बताया कि अज्ञात हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है। पहचान होते ही आरोपियों की गिरफ्तारी होगी।

उदय के दो भाइयों की पहले हो चुकी मौत

- उदय सिंह छह भाइयों में सबसे बड़े थे। सबसे छोटे भाई घनश्याम सिंह ने बताया कि दो भाइयों लाल बहादुर व हरीमोहन की मौत हो चुकी है। अब उदय का भी साथ छूट गया। घनश्याम के अनुसार ठेका से 500 मीटर की दूरी पर उनकी मोबाइल की दुकान है। भाई से मारपीट की जानकारी उन्हें गांव के कमल ने दी थी। जब वह मौके पर पहुंचे तो वहां उन्हें कोई हमलावर नहीं मिला। लहुलूहान अवस्था में भाई उदय पड़े थे। घनश्याम से सेल्समैन पवन पर भी संदेह जताया है।

पत्नी की मौत के बाद उदय ने लिया था सन्यास

- परिजनों ने बताया कि उदय सिंह की पत्नी केसकली की बीमारी के चलते करीब 14 साल पहले मौत हो गई थी। उनके एक बेटी आरती देवी है, जिसकी तीन साल पहले शादी हो चुकी है। घरवालों के अनुसार पत्नी की मौत के बाद ही उदय ने सन्यास धारण कर लिया था। आध्यात्मिक जीवन जीने के साथ अक्सर घर से बाहर ही रहते थे। पवन से दोस्ती के कारण वह अधिकांश समय उसके साथ ही बिताते थे। घटना के समय भी वह उसके साथ ही ठेके के पास थे।

चाइनीज मांझा पकड़ने को पतंगबाज बनी पुलिस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पतंग टूर्नामेंट के बहाने चाइनीज मांझा का किया सौदा
- डिलीवरी देने पहुंचे दुकानदार को क्राइम ब्रांच ने दबोचा

पकड़ा गया दुकानदार आरिफ

छापेमारी में 70 चरखी चाइनीज मांझा बरामद हुआ। अमृत विचार

अमृत विचार। चाइनीज मांझा पकड़ने के लिए कमिश्नरेट पुलिस ने नया हथकंडा अपनाया। क्राइम ब्रांच की टीम ने गुरुवार को बेकनगंज से चाइनीज मांझे की 70 चरखी के साथ दुकानदार को दबोच लिया। मांझा की बरामदगी और दुकानदार की गिरफ्तारी के लिए क्राइम ब्रांच ने पहले पुख्ता जाल बिछाया। एक पुलिसकर्मी पतंगबाज बनकर पहुंचा और दुकानदार से टूर्नामेंट के बहाने चाइनीज मांझा का सौदा किया।

जेसीपी हेडक्वार्टर संकल्प शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री के आदेश के बाद चाइनीज मांझे के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। क्राइम ब्रांच टीम को बेकनगंज में मांझा बिकने की लगातार सूचना मिल रही थी। चाइनीज मांझा और दुकानदार की गिरफ्तारी के लिए एडीसीपी सुमित सुधाकर रामटेके की अगुवाई में टीम लगी थी। एडीसीपी के अनुसार दुकानदार को पकड़ने के लिए एक पुलिसकर्मी को पतंगबाज बनाकर हीरामन का पुरवा निवासी आरिफ उर्फ शैफी के पास भेजा गया। पुलिसकर्मी ने आरिफ से कहा कि पतंगबाजी टूर्नामेंट में भाग लेना है, जिसके लिए चाइनीज मांझा की जरूरत है। इस पर आरिफ ने 1000 रुपये में तीन चरखी देने की बात कही। सौदा होने पर आरिफ ने तीन चरखी मांझा दिया, जो जांच में चाइनीज मांझा निकला। इसके बाद फिर 4 चरखी मांगी। इस बार उसने 1500 रुपये में सौदा किया। आरिफ जैसे ही मांझा देने पहुंचा, उसे दबोच लिया गया।

150 रुपये में खरीदता और 350 में बेचता

- एडीसीपी के अनुसार आरिफ 150 रुपये में चरखी खरीदता था और 350 में बेचता था। आरिफ को दबोचने के बाद पुलिस ने दुकान में छापा मारा, जहां 70 चरखी मांझा मिला। आरिफ के खिलाफ बेकनगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेजा गया है। जेसीपी ने बताया कि अब तक कुल 100 चरखी बरामद की जा चुकी है। आरिफ से पूछताछ में कुछ लोगों के नाम सामने आए हैं. जिनसे वह मांझा खरीदता था।

पनकी के नाले में घुसी वैन। अमृत विचार

नाले में घुसी वैन तीन लोग घायल

कल्याणपुर। पनकी एफ-ब्लॉक में एक इको वैन कार अनियंत्रित होकर नाले में जा घुसी। घटना की बात चालक मौके से फरार हो गया।

वही कार सवार तीन लोग घटना में घायल हो गए। जो ऑटो में बैठकर अपने-अपने गंतव्य के लिए निकल गए। पनकी थाना प्रभारी ने बताया कि घायलों के संबंध में अभी कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। गाड़ी नंबर के आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

100 से ऊपर दौड़ी कार, बची जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- वीआइपी रोड पर देर रात दो बजे फार्च्यूनर व बीएमडब्ल्यू में हुई जोरदार भिड़ंत
- नशे में थे दोनों कारों के सवार, कन्नौज के एक कोल्ड स्टोर के नाम फार्च्यूनर कार

भिड़ंत के बाद क्षतिग्रस्त बीएमडब्ल्यू कार। अमृत विचार

अमृत विचार। वीआइपी रोड पर भैरोघाट चौराहा के पास जहां लैंबॉर्गिनी कार हादसा हुआ था, वहीं बुधवार देर रात दो बजे हाईस्पीड फार्च्यूनर व बीएमडब्ल्यू की जोरदार भिड़ंत हो गई। कन्नौज स्थित जसोदा कोल्ड स्टोरेज के नाम से दर्ज फार्च्यूनर 100 से ऊपर स्पीड में दौड़ रही थी। उस पर 42 बार चालान हो चुका है और 82 हजार जुर्माना बाकी है। लोगों के अनुसार कारों में सवार लोग नशे में थे। टक्कर होते ही कारों के एयरबैग खुल गए, जिससे जान बची।

भैरोघाट चौराहा के पास बुधवार रात करीब दो बजे हाईस्पीड फार्च्यूनर कार की बीएमडब्ल्यू से भिड़ंत हुई। हादसे के बाद बीएमडब्ल्यू सड़क किनारे खंभे से जा भिड़ी। दोनों कारों के एयरबैग खुल गए, कारों में सवार लोग सुरक्षित मिले। आसपास के लोगों के अनुसार दोनों कार में सवार लोग नशे में थे। हादसे के कुछ देर बाद और दो कारें आई। जिसमें बैठकर सभी लोग चले गए। वहीं हादसे की खबर पाकर पहुंची कोहना पुलिस ने मौके पर देखा तो कोई घायल नहीं मिला। इस पर पुलिस भी लौट गई।

पता चला कि फार्च्यूनर कार कन्नौज के जसोदा कोल्ड स्टोरेज के नाम पर पंजीकृत है। कार पर 42 चालान हैं। 82 हजार का जुर्माना है। जिसका भुगतान नहीं किया गया है। अधिकांश चालान तेज गति में किए गए हैं। वहीं बीएमडब्ल्यू चुन्नीगंज स्थित स्काईलार्क कॉप्लेक्स स्थित गौतमी आयल केमिकल्स फर्म के नाम पर है। इस कार पर भी दो चालान 2250 रुपये का हैं। हादसे के बाद दोनों कार मालिक कर्मचारियों की मदद से रात में ही कारें खींचकर ले गए। कोहना थाना प्रभारी प्रतीक सिंह ने बताया कि कारों के मालिक एक दूसरे के नुकसान की भरपाई करने पर सहमति जताई और समझौता करके गए हैं। किसी ने कोई तहरीर नहीं दी है।

कैमरे लगाने पर हिस्ट्रीशीटर के गुर्गों का जानलेवा हमला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- लोहे की चेन से पीटा, बीच-बचाव करने पर नवविवाहिता से की छेड़छाड़
- घायल को भेजा गया अस्पताल एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुटी पुलिस

अमृत विचार। बर्रा स्थित ईडब्ल्यूएस कालोनी में सीसीटीवी लगवाने से नाराज हिस्ट्रीशीटर के गुर्गों ने पड़ोसी परिवार पर जानलेवा हमला किया। आरोपियों ने घर में घुसकर युवक को लोहे चेन से पीटा। पिटाई से युवक बेहोश हो गया। बीच-बचाव करने पहुंची नवविवाहिता का हाथ पकड़कर छेड़छाड़ व जान से मारने की धमकी दी। सूचना पर पहुंची ने घायल को अस्पताल भेजा। रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

बर्रा तीन निवासी पीड़ित युवक ने बताया है कि पड़ोसी के घर अपराधिक प्रवृति के लोगों का आना-जाना रहता है। इसी कारण उन्होंने अपनी सुरक्षा के लिए घर के बाहर सीसीटीवी कैमरा लगवाया था। आरोप है कि कैमरा लगने के बाद से पड़ोसी दुर्गेश शर्मा समेत अन्य रंजिश मानने लगे। दो हिस्ट्रीशीटरों से अपने संबंध बताकर परिजनों को धमकाया। कहा कि कैमरे हटवा दो। घटना वाले दिन सभी आरोपी दुर्गेश शर्मा, ज्योति शर्मा, निर्मला शर्मा, शुधांशु मिश्रा, वीना सिंह व 3-4 अज्ञात घर के बाहर पहुंचे और गालियां देने लगे।

विरोध करने पर आरोपियों ने घेर लिया और दुर्गेश ने लोहे की चेन से सिर पर हमला किया। बेहोश होकर वह जमीन पर गिर पड़ा। शोर सुनकर नवविवाहिता उसे बचाने आई। आरोप है कि उसका भी हाथ पकड़कर अश्लीलता की गई। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल भेजा। बताया कि घटना से परिवार डरा है। दरोगा राजेश कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर नामजद व अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच की जा रही है।

चालक ने 15 लाख के जेवरात लौटाए

कल्याणपुर। ऑटो की सीट के पीछे 15 लाख के गहनों से भरा बैग रखकर भूले दंपति ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने ऑटो नंबर के जरिए चालक से संपर्क किया तो चालक ने सीट के पीछे मिले बैग को लाकर पुलिस को सौंप दिया।

नई दिल्ली सरिता विहार निवासी हरीश कुमार मिश्रा बीते मंगलवार को परिवार समेत सेंट्रल स्टेशन पहुंचे। जहां से अपनी पुत्री के इलाज के लिए सिविल लाइंस गए। वहां से अपने पैतृक गांव रसूलाबाद जाने के लिए वह ऑटो से कल्याणपुर क्रॉसिंग पहुंचे। लेकिन गहनों का बैग ऑटो में ही छूट गया। जिसकी सूचना हरीश ने पुलिस को दी। मामले की जांच में जुटी पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से ऑटो की पहचान कर चालक से संपर्क किया। मामले की जानकारी होने पर ऑटो चालक ने सीट के पीछे रखा बैग लाकर पुलिस को सौंप दिया। बैग खोलने पर उसमें रखें लगभग 15 लाख के गहनें व नगदी समेत सभी जरूरी दस्तावेज सुरक्षित मिले। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि बैग दंपति को सौंप दिया है।

स्टील के पाइप चोरी कर भाग रहे दो युवक धरे गए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- यशोदा नगर में दुकान के बाहर से ऑटो में लादे पाइप
- किदवई नगर में भी एक चोर धरा गया, दो साथी फरार

अमृत विचार। नौबस्ता में सोमवार देर रात चोरी की दो अलग-अलग वारदातें सामने आईं। यशोदानगर में स्टील पाइप चोरी कर भाग रहे दो युवकों को लोगों ने रंगे हाथ पकड़कर पुलिस के हवाले किया, जबकि देवकी नगर में घर में घुसकर चोरी का प्रयास कर रहे तीन युवकों में से एक को पकड़ा गया और उसके दो साथी फरार हो गए।

यशोदानगर निवासी मोहम्मद जुनैद के अनुसार 23 फरवरी की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे एक ऑटो उनकी दुकान के सामने आकर रुका। उसमें सवार दो युवकों ने दुकान के बाहर रखे स्टील पाइप ऑटो में लाद लिए और भागने लगे। मौके पर मौजूद गार्ड ने शोर मचा दिया। इस पर आसपास के लोग पहुंचे और दोनों को पाइप सहित पकड़ लिया। पूछताछ में एक ने अपना नाम बेगमपुरवा निवासी समीम और दूसरे ने सरफराज बताया। शातिरों के कब्जे से ऑटो और चोरी का माल बरामद हुआ। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दोनों को जेल भेजा है।

उधर, देवकी नगर के आकाश रमण श्रीवास्तव के अनुसार 23 फरवरी की रात करीब 11.30 बजे उनके भाई नवीन श्रीवास्तव के किदवई नगर स्थित घर में खटपट की आवाज सुनाई दी। नवीन घर में अकेले थे। उन्होंने देखा कि 3 युवक घर में घुसकर चोरी का प्रयास कर रहे हैं। शोर मचाने पर तीनों भागने लगे, लेकिन एक युवक गिर पड़ा। पड़ोसियों की मदद से उसे पकड़ लिया। उसने अपना नाम रंजीत बताया। तलाशी में जेब से 1000 रुपये मिले। रंजीत ने फरार साथियों के नाम शिवम वाल्मीकि और दीपक वाल्मीकि बताए। थाना प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बर्रा की पुलिस पर फिर हमला, मुक्के बरसाए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नवंबर महीने में बर्रा थाना प्रभारी पर हुई थी फायरिंग
- अब छेदी सिंह का पुरवा में दो दरोगाओं से हाथापाई

अमृत विचार। बर्रा पुलिस पर बीते चार माह में तीन हमले हुए। 23 फरवरी को पति-पत्नी के विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस का वाहन नशेबाज युवकों ने घेर लिया। दरोगा का आरोप है कि वर्दी पकड़ ली। नेमप्लेट टूट गई। पीठ में मुक्का मारा। महिलाओं ने भी धक्कामुक्की की। थाने से फोर्स बुलाने पर आरोपी भागे। बतादें कि पहले भी दो बार हमले हुए हैं। बीती 16 नवंबर को थाना प्रभारी पर फायरिंग, 14 फरवरी दरोगा संदीप सेन पर बीयर की कैन से हमला कर कार तोड़ने की घटना हुई।

हुआ यह कि 23 फरवरी की शाम सूचना पर दरोगा अरविंद कुमार व हरिभजन सिंह यादव मार्केट चौकी क्षेत्र के छेदी सिंह का पुरवा पहुंचे थे। जहां पति-पत्नी के बीच विवाद की सूचना मिली थी। पुलिस ने मनीष कुमार गुप्ता और उसकी पत्नी आरती को समझाकर थाने आकर प्रार्थना पत्र देने को कहा और लौटने लगे। तभी 5-6 युवकों ने सरकारी वाहन जेब्रा-77 को घेरकर खड़े हो गए। हटने को कहने पर गाली-गलौज कर दी।

आरोप है कि एक युवक ने दरोगा अरविंद कुमार की वर्दी पकड़ ली। जिससे नेम प्लेट टूटकर गिर गई और पीछे से दूसरे ने उनकी पीठ पर मुक्का मार दिया। 2-3 महिलाएं भी धक्का-मुक्की में शामिल हो गईं। सूचना पर पुलिस बल पहुंचा, लेकिन आरोपी फरार हो चुके थे। पुलिस ने नामजद व अज्ञात पर सरकारी कार्य में बाधा, मारपीट और अभद्रता की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू की है। डीसीपी साउथ दीपेंद्र चौधरी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर तलाश में दबिश दी जा रही है।

बदइंतजामी झकरकटी पुल पर यात्रियों को चढ़ातीं और उतारतीं रोडवेज की बसें, आवश्यक खाद्य वस्तुओं की ढुलाई के नाम पर दौड़ रहे ट्रक

नो इंट्री में घुसते ट्रक और अवैध दुकानें जाम की वजह बनीं

झकरकटी पुल पर रोडवेज बसों से लगा जाम। अमृत विचार

झकरकटी बस अड्डे के बाहर सजीं अवैध दुकानें। अमृत विचार

नो इंट्री झकरकटी में घुसा ट्रक। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अपने शहर की यातायात व्यवस्था को बनाये रखने के लिए हैवी ट्रकों का दिन में शहर के अंदर आना प्रतिबंधित है लेकिन इन ट्रकों को आवश्यक खाद्य वस्तु ढुलाई के नाम पर यातायात विभाग ने परमिट दे रखा है, इसी परमिट की आड़ में दर्जनों ट्रकें शहर के यातायात का जनाजा निकाल रही हैं। कई ऐसी भी ट्रकें हैं जो जुगाड़ टेक्नालॉजी का इस्तेमाल करते नो इंट्री में धमाचौकड़ी कर रही हैं।

बुधवार को कोपरगंज स्थित सीपीसी रेलवे गोदाम से दिनभर ट्रकों का काफिला झकरकटी पुल, टाटमिल होते हुए गुजरते रहे, जिससे चाचा नेहरू हॉस्पिटल कोपरगंज से झकरकटी पुल टाटमिल तक भीषण जाम लगता रहा। जिधर से ट्रक गुजरते थे, वहां ट्रैफिक पुलिस भी मौजूद रही लेकिन नो इंट्री में इन ट्रकों को बोलने वाला कोई नहीं था।

शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डा के बाहर सामने की ओर जहां बसों को किनारे खड़ा होना चाहिए, वहां चाय, पान, कोल्ड ड्रिंक्स, चिप्स, पानी की दुकानें सजी हैं जिससे रोडवेज की बसें किनारे के बजाए सड़क पर खड़ी होने का मजबूर हैं। ये बसें सड़क पर ही सवारी उतारती हैं और सड़क पर ही सवारी बिठाती हैं।

बसें हटवाकर प्रवेश कर पाते रेलवे कर्मी

- झकरकटी बस अड्डा बसें बीच सड़क पर खड़ी रहती हैं जबकि यहीं पर रेलवे का कार्यालय है, यहां अधिकारी आते जाते रहते हैं लेकिन बसें रेलवे कार्यालय के गेट पर ही लगी होने के कारण रेलवे अधिकारियों की कार अंदर नहीं जा पाती। एक रेलवे अधिकारी ने बताया कि जब घर से सुबह चलते हैं तो पहले अपने कर्मचारी को फोन करते हैं कि गेट पर बसों को नहीं लगने देना, उसके बाद आते हैं लेकिन फिर भी काफी देर तक बसों की अराजकता का सामना करना पड़ता है। बुधवार को एक अभियंता की कार का चालक 20 मिनट तक रास्ता देने के लिए हार्न बजाता रहा लेकिन बसें नहीं हटीं तो वहीं अपनी कार लॉक करके चला गया जिससे बसों का आवागमन अवरुद्ध हो गया और जाम लगा रहा।

पुल पर रोडवेज बसों की अराजकता

- झकरकटी बस अड्डा के अंदर पूरा ग्राउंड खाली पड़ा रहता है, सिर्फ महोबा, प्रयागराज की जनरथ बसें, हरदोई, बिल्थरा रोड, बलिया, प्रतापगढ़, रायबरेली मसेत कुछ ऐसे जिले हैं जिनकी बसें बस अड्डा के अंदर तक जाती हैं बाकी प्रयागराज, फतेहपुर, बांदा, लखनऊ, गोरखपुर, बस्ती, बाराबंकी, झांसी, उरई आदि जिलों की बसें सड़क पर ही सवारी बिठाती और उतारती हैं।

सिटी ब्रीफ

द केरल स्टोरी का प्रदर्शन स्थगित

कानपुर। केरल हाईकोर्ट ने फिल्म द केरल स्टोरी-2 के प्रदर्शन पर 15 दिनों के लिए स्थगन (स्टे) आदेश पारित किया है, जिसके कारण निर्धारित तिथि पर फिल्म का प्रदर्शन संभव नहीं हो पाएगा। इस अप्रत्याशित परिस्थितियों के चलते 27 फरवरी को प्रस्तावित विशेष शो को स्थगित कर दिया गया है। विश्व भारतीय विकास संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कृष्णा दीक्षित "बड़े जी ने जानकारी दी।

पनकीधाम स्टेशन पर बच्चा बरामद

कानपुर। जीआरपी थाना प्रभारी ओम नारायण सिंह ने बताया कि पनकीधाम स्टेशन पर प्रभारी जितेंद्र सिंह की अगुवाई में चेकिंग अभियान के दौरान एक बालक अकेले प्लेटफार्म पर रोते हुए घूमता मिला। तमाम प्रयास के बाद बालक की कानपुर देहात निवासी माला देवी द्वारा बेटे के रुप में पहचान की गई।

श्रमिक समस्याओं को लेकर धरना-प्रदर्शन

कानपुर। श्रमिकों की समस्याओं को लेकर भारतीय मजदूर संघ ने कानपुर के जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर "विरोध दिवस" मनाया और प्रधानमंत्री, केंद्रीय श्रम मंत्री और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया जिसमें ईपीएफ 95 की न्यूनतम पेंशन 7500 रुपये करने समेत कई मांगें रखी गईं। प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश यादव, प्रदीप कुमार राय, जिला उपाध्यक्ष केडी द्वेदी, शंभू सिंह, विनोद कुमार, विजय त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

बैंक अधिकारी पर पशु क्रूरता का केस दर्ज

कानपुर। बड़ा चौराहा स्थित इंडियन बैंक की शाखा में कुत्ते के बच्चों की जलकर मौत होने के मामले में एक पशु प्रेमी की तहरीर कोतवाली पुलिस ने एक अधिकारी के खिलाफ पशु क्रूरता का मुकदमा दर्ज किया। बीते सोमवार को इंडियन बैंक शाखा परिसर में कूड़े के ढेर में आग लगाई गई थी, जिसकी चपेट में आने से कुत्ते के तीन नवजात बच्चों की मौत हो गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उम्मीद एक किरण के संस्थापक एवं पशु कल्याण कार्यकर्ता मयंक त्रिपाठी ने पुलिस से शिकायत की। उन्होंने आरोप लगाया कि बैंक के अधिकारी ने जान-बूझकर कुत्ते के बच्चों को आग में जिंदा जलाया है। कोतवाली प्रभारी जगदीश पांडेय ने बताया कि पशु क्रूरता अधिनियम में केस दर्ज किया गया है।

रंग-बिरंगी 'रील' के लिए सजा फैशन बाजार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पुराने कपड़ो को पहनकर होली में रंग खेलना अब बीते जमाने की बात हो गई है। नए ट्रेंड में होली अब सिर्फ परिवार, दोस्त, रिश्तेदार और मोहल्ले में नहीं बल्कि सोशल मीडिया में भी खूब खेली जा रही है। बाजार भी लोगों के इस बदलते रुख को समझ रहा है। यही वजह है कि बाजार ऐसे उत्पादों से पटे पड़े हैं जो सोशल मीडिया में फोटो और वीडियो के लिए फैशन ट्रेंड हैं। इनमें सबसे अधिक उत्पाद परिवार में नए आए मेहमान यानि बच्चे की पहली होली मनाने के लिए हैं।

होली पर्व नजदीक आते ही बाजार पूरी तरह से सज गया है। खास बात यह है कि अब पर्व पर लोग रंग खेलने के लिए नए कपड़ों पर भी खूब पैसा खर्च कर रहे हैं। कारोबारियों की माना जाए तो खरीदारों के रुझान को देखते हुए बाजार में भी खूब वैराइटी मौजूद हैं। इनमें कस्टमाइज टीशर्ट, कैप, मग जैसे उत्पाद मौजूद हैं। टीशर्ट के बारे में खास बात यह है कि इसे खरीदार अपनी मजी के स्लोगन व फोटो के साथ प्रिंट करा सकता है। ज्यादातर खरीदार यह टीशर्ट खुद के स्लोगन और फोटो के साथ पूरे परिवार के लिए ऑर्डर दे रहे हैं। इनमें घर के बच्चों के साथ बुजुर्ग तक शामिल हैं। यह टीशर्ट सबसे अधिक सोशल मीडिया पर रील व फोटो के लिए खरीदी जा रही है। कारोबारी महेश कुमार मंशारमानी ने बताया कि अब शहर में होली खेलने के ट्रेंड काफी बदल चुका है। रंग खेलने के दौरान फैशन महत्वपूर्ण हो गया है। सोशल मीडिया इसकी एक बड़ी वजह माना जा रहा है। यही वजह है कि इस तरह के उत्पाद होली पर इस बार अधिक बिक रहे हैं।

होली में मार्केट में आई टी-शर्ट। अमृत विचार

क्लब और सोसाइटी शामिल

- होली पर शहर के विभिन्न क्लब और सोसाइटी की ओर से भी पर्व पर इस तरह के फैशन संबंधी उत्पादों के लिए सबसे अधिक ऑर्डर दिए जा रहे हैं। क्लब व सोसाइटी में एक साथ सदस्यों के लिए मनाई जाने वाली रंग पार्टी में कई जगहों पर यह स्लोगन या फोटो वाली टीशर्ट अनिवार्य कर दी गई है। कारोबारी बार फैशन ट्रेंड के बढ़ने की एक वजह यह भी मान रहे हैं।

फोटोग्राफर की बढ़ी मांग

- शहर में होली के दौरान प्रोफेशनल फोटो ग्राफर की भी मांग बढ़ गई है। यह फोटोग्राफर परिवार या पार्टियों में रंग चलने के दौरान रील व फोटो बनाएंगे। सोशल मीडिया के ट्रेंड के चलते ऐसे फोटोग्राफर जिनके पास ड्रोन की सुविधा है उनके पास सबसे अधिक ऑर्डर इस बार होली पर्व के दौरान आए हैं। माना जा रहा है कि अब विशेष मौकों के लिए परिवार के सदस्यों की ओर से मोबाइल पर फोटो या वीडियो को बनाया जाना पुराना हो गया है।

पनकीधाम में पकड़ा 9 क्विंटल बदबूदार खोवा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- नेपाल से लाया गया 25 लाख का तेल भी बरामद

अमृत विचार। होली के मद्देनजर खाद्य विभाग द्वारा मिलावटी खाद्य सामग्री के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत टीम ने पनकीधाम स्टेशन पर 9 क्विंटल बदबूदार खोवा पकड़ा। टीम ने खोया जब्त करके उसे नष्ट करा दिया।

गुरुवार को सहायक आयुक्त खाद्य संजय प्रताप सिंह के दिशा निर्देश में चलाये गये अभियान से मिलावटखोरों में हड़कंप रहा। इटावा से कानपुर आ रही पैसेंजर ट्रेन से पनकीधाम स्टेशन पर खोया उतारा गया। उसी दौरान खाद्य विभाग की टीम ने पनकीधाम स्टेशन पर छापा मारा तो वहां खोया लेकर जा रहे कई लोगों में भगदड़ मच गयी। कुछ लोग अपना खोवा छोड़कर भाग खड़े हुए। टीम ने कई क्विंटल बदबूदार खोवा बरामद किया, जिसे नष्ट करा दिया गया। खाद्य विभाग ने स्टेशन पर मौजूद कई यात्रियों से जानना चाहा कि ये खोवा किसका है, लेकिन कोई बताने को तैयार नहीं था, जिस पर खोवा को नष्ट करा दिया गया। इसी प्रकार टीम ने सचेंडी में छापेमारी कर नेपाल से लाया गया 25 लाख रुपये का संदिग्ध तेल भी पकड़ा है।

म्यूचुअल फंड में अब 'लाइफ साइकिल फंड' की विकल्प के रूप में हुई एंट्री

बदलाव: रिटायरमेंट व चिल्ड्रेन फंड्स होंगे बंद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने म्यूचुअल फंड उद्योग में बड़ा बदलाव करते हुए स्कीमों के कैटेगराइजेशन और रेशनलाइजेशन का नया ढांचा लागू करते हुए "सॉल्यूशन ओरिएंटेड स्कीम" कैटेगरी समाप्त कर दी है। इसमें मुख्य रूप से रिटायरमेंट और चिल्ड्रन फंड शामिल थे।

अब इन स्कीमों को समान एसेट एलोकेशन और जोखिम प्रोफाइल वाली अन्य श्रेणियों में विलय किया जाएगा। इसके लिए सेबी ने "लाइफ साइकिल फंड" नामक नई श्रेणी बनाई है, जिसे अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी माना जा रहा है। इस बदलाव का उद्देश्य निवेशकों को भ्रम से बचाना, स्कीमों के नाम और निवेश में एकरूपता लाना है।

इसलिए बंद हुई सॉल्यूशन ओरिएंटेड स्कीमें: सॉल्यूशन ओरिएंटेड स्कीमें लक्ष्य आधारित निवेश के लिए बनाई गई थीं, जैसे रिटायरमेंट या बच्चों की शिक्षा या विवाह आदि। इनमें आमतौर पर पांच वर्ष या लक्ष्य तक लॉक-इन पीरियड होता था। लेकिन व्यवहारिकता में कई समस्याएं सामने आ रही थीं। इसके अलावा 'रिटायरमेंट' या 'चिल्ड्रन' फंड जैसे नाम निवेशकों को एक विशिष्ट संरचित रणनीति का संकेत देते थे, लेकिन अधिकांश मामलों में इनका एसेट एलोकेशन सामान्य हाइब्रिड या इक्विटी फंड जैसा होता था। यानि नाम तो लक्ष्य आधारित था, पर संरचना पारंपरिक फंड जैसी। इस श्रेणी में इक्विटी या डेट का कोई सख्त अनुपात भी तय नहीं था। एक एसेट मैनेजमेंट कंपनियों का रिटायरमेंट फंड 70% इक्विटी में हो सकता था, तो दूसरी का 40% में। इससे निवेशकों के लिए जोखिम की तुलना कठिन हो जाती थी। इसी तरह कई एसेट मैनेजमेंट कंपनियों के पास पहले से एग्रेसिव हाइब्रिड या बैलेंस्ड फंड मौजूद थे।

निवेशकों का भ्रम दूर होगा समझ व पारदर्शिता बढ़ेगी

वित्तीय सलाहकार राजीव सिंह का कहना है कि मौजूदा निवेशकों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। उनकी स्कीमें सीधे बंद नहीं होंगी, बल्कि समान संरचना वाली श्रेणी में समाहित की जाएंगी। हालांकि, निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा अवश्य करनी चाहिए। सॉल्यूशन ओरिएंटेड स्कीमों का बंद होना केवल एक श्रेणी का अंत नहीं, बल्कि म्यूचुअल फंड उद्योग के परिपक्व होने का संकेत है। लक्ष्य आधारित निवेश की अवधारणा खत्म नहीं हुई है, बल्कि उसे और अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी रूप में प्रस्तुत किया गया है। लंबी अवधि में यह कदम निवेशकों को बेहतर समझ, कम भ्रम और अधिक पारदर्शिता प्रदान करेगा। नियामकीय दृष्टि से यह सुधार उत्पादों की संख्या से अधिक गुणवत्ता पर जोर देने वाला है।

स्कीमों के नाम में रिटर्न या भावनात्मक शब्दों पर रोक

- सेबी "टू टू लेवल" सिद्धांत सख्ती से लागू कर रहा है। इसका अर्थ है कि स्कीम का नाम, उसका निवेश उद्देश्य, एसेट एलोकेशन और वास्तविक पोर्टफोलियो सभी एक-दूसरे से पूरी तरह मेल खाते हों। लेकिन सॉल्यूशन ओरिएंटेड स्कीमें इस कसौटी पर खरी नहीं उतर रही थीं। नाम लक्ष्य आधारित, पर निवेश रणनीति व्यापक और कई बार अस्पष्ट होता था। नए ढांचे में सेबी ने स्पष्ट कर दिया है कि स्कीमों के नाम में रिटर्न या भावनात्मक शब्दों के प्रयोग पर रोक रहेगी और श्रेणी के हिसाब से नामकरण होगा।

'लाइफ साइकिल फंड' वैज्ञानिक मॉडल

- 5 से 30 वर्ष की पूर्व निर्धारित अवधि
- लक्ष्य वर्ष जैसे 2045, 2055 के साथ स्कीम का नाम
- परिपक्वता नजदीक आने पर इक्विटी घटेगी और डेट बढ़ेगी
- गोल्ड/सिल्वर ईटीएफ व अन्य एसेट क्लास में सीमित निवेश

अलंकार अग्निहोत्री के घर पहुंचने पर मां ने प्रतीकात्मक अस्त्र-शस्त्र भेंट किए। अमृत विचार

देश में खत्म हो चुका है लोकतंत्र

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पद से इस्तीफा देने के बाद अलंकार अग्निहोत्री अपने घर पहुंचे
- मां ने त्रिशूल, फरसा, धनुष-बाण प्रतीकात्मक रूप से भेंट किया

अमृत विचार। निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री अपने पद से इस्तीफा देने के बाद "राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा नाम से नई राजनीतिक पार्टी बनाने की घोषणा कर पहली बार अपने घर पहुंचे, जहां लोगों ने जोरदार स्वागत किया। समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की और पुष्प गुच्छ देकर जोरदार स्वागत किया। मां ने उन्हें त्रिशूल, फरसा, धनुष-बाण व अस्त्र प्रतीकात्मक रूप से भेंट किया।

शहर के केशव नगर स्थित घर पहुंचे अलंकार अग्निहोत्री ने केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला। गुरुवार को घर पर मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र खत्म हो चुका है और सरकारें कॉरपोरेट कंपनी की तर्ज पर काम कर रही हैं। उनकी काली करतूतों पर पर्दा डाला गया है, जो जल्द हटेगा और इसके बाद वे दोबारा सत्ता में नहीं आ पाएंगे। उन्होंने दावा किया कि सामान्य वर्ग, ओबीसी वर्ग के सनातनी और बड़ी संख्या में युवा उनके साथ हैं और अब वे सरकार बनाने की दिशा में काम करेंगे।

उन्होंने कहा कि एससी-एसटी एक्ट के मुद्दे पर राम और कृष्ण को मानने वालों के साथ धोखा हुआ है। यूजीसी को लाकर सामान्य वर्ग, एससी, एसटी और ओबीसी समाज को आपस में लड़ाने का काम किया जा रहा है, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि संबंधित भर्ती पत्र को अभी पूरी तरह पढ़ा नहीं है। उन्नाव सांसद साक्षी महाराज के 90 और 10 प्रतिशत वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि अगर भाजपा को सामान्य वर्ग का वोट नहीं चाहिए तो सार्वजनिक रूप से इसकी घोषणा कर दें और फिर चुनाव जीतकर दिखाएं। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद पर लगे आरोपों को उन्होंने साजिश करार देते हुए कहा कि वह सनातन के प्रतीक हैं। आरोप लगाने वाला व्यक्ति 25 हजार रुपये का इनामिया, गौतस्करी और अन्य मामलों में नामजद हिस्ट्रीशीटर है।

शहर के 80 प्रतिशत ई रिक्शा, ऑटो अभी भी पंजीयन के दायरे से बाहर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- ट्रैफिक लाइन में दूसरे दिन भी पंजीयन कराने के लिए भीड़
- अवैध तरीके से चल रहे ई रिक्शे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पहुंचे

ट्रैफिक लाइन में खड़े ई रिक्शा और ऑटो। अमृत विचार

अमृत विचार। शहर में सवा लाख से अधिक ई रिक्शे दौड़ रहे हैं जबकि 50 हजार से अधिक ऑटो चल रहे हैं, इनमें 80 प्रतिशत ई रिक्शा, ऑटो अभी भी पंजीयन से दूर हैं। अवैध रुप से दौड़ रहे हजारों ई रिक्शों ने अपने को बचाने के लिए घनी आबादी में शरण ले रखा है, आजकल त्योहार का सीजन चल रहा है तो ऐसे ई रिक्शों को सवारी की कमी भी नहीं है।

बुधवार को यातायात पुलिस, सिविल पुलिस ने ई रिक्शों एवं ऑटो का पंजीयन कराने के लिए धर-पकड़ अभियान चलाया था लेकिन गुरुवार को ये अभियान खानापूरी की तरह चला। दरअसल यातायात पुलिस ने नगर निगम के सहयोग से कलर तय करके ई रिक्शों, ऑटो के रूट तय कर दिये हैं लेकिन सबसे बड़ी समस्या ये है कि रुट तय होने के बाद यदि यशोदा नगर के किसी मरीज को हैलट आना है तो वह कैसे आयेगा। या किसी ओला या ऊबर टैक्सी वाले को कानपुर सेंट्रल स्टेशन से गुजैनी जाना है तो कैसे जाएगा।

रजामंदी के बिना किया ऑपरेशन

कल्याणपुर। निजी अस्पताल में बच्चेदानी का ऑपरेशन बिना परिजनों की रजामंदी के डॉक्टर ने किया। आरोप है कि गलत ऑपरेशन करने से महिला के घाव से पस पड़ गया है। परिजनों ने कल्याणपुर थाने में तहरीर दी है।

एफ ब्लॉक गुजैनी निवासी नित्या वर्मा के मुताबिक उनकी मां को बच्चेदानी में गांठ थी। अंजली नाम की युवती ने मां को कल्याणपुर के एक निजी अस्पताल में 26 जनवरी को भर्ती करवा दिया। अस्पताल प्रबंधन ने रकम जमा कराने के बाद बिना परिजनों की स्वीकृति लिए ही ऑपरेशन कर दिया। दूसरे दिन बुखार आने पर टांके खोल दिए गए, जिससे घांव व यूरिन से पस आने लगा। परिजनों ने दूसरे डॉक्टर से संपर्क किया, तो उन्हें गलत ऑपरेशन किए जाने की जनकारी हुई। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि जानकारी नहीं है।

टेक्सटाइल के लिए कुशल कारीगरों की जरूरत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- यूपीटीटीआई में हुई संगोष्ठी में उद्यमियों ने दिया सुझाव
- उद्योग को बढ़ाने के लिए आर एंड डी पर जोर देना जरूरी

संगोष्ठी में भाग लेते द टेक्सटाइल एसोसिएशन के पदाधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। टेक्सटाइल उद्योग देश में सबसे संकट के दौर से गुजर रहा है। हाल ही में अमेरिका की ओर से बांग्लादेश के साथ हुई डील के बाद देश में इस सेक्टर में संकट और अधिक गहरा गया है। भारत ने यूरोप के साथ जो एफटीए किया है, उसका बेहतर लाभ लेने के लिए देश में टेक्सटाइल सेक्टर में अत्याधुनिक मशीनरी और कुशल श्रमिकों की बहुत जरूरत है। सरकार को इस ओर काम करना होगा।

यह विचार गुरुवार को द टेक्सटाइल एसोसिएशन (इंडिया), उत्तर प्रदेश इकाई द्वारा ओल्ड बॉयज एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान की ओर से हुई सुगोष्ठी में विशेषज्ञों ने व्यक्त किए। 'भारतीय वस्त्र उद्योग के समक्ष अवसर एवं चुनौतियाँ' विषय पर हुई संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में फीटा के महासचिव उमंग अग्रवाल मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उद्यमी बलराम नरूला ने की। इस दौरान उत्तर प्रदेश वस्त्र प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के निदेशक डॉ नलनकिल्ली'''' व द टेक्सटाइल एसोसिएशन (इंडिया) के अध्यक्ष एनएस यादव ने भी विचार रखे।

संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि ने संस्था को एआई बेस बनाने का आह्वान किया और इस कार्य में पूरा सहयोग करने का वादा किया। छात्रों को उद्यमी बनने को कहा। उद्यमी बलराम नरूला ने माघ मेला के समय उद्योग को बन्द करने की पीड़ा व्यक्त की। इसके अलावा टेक्सटाइल उद्योग की चुनौतियों पर विचार व्यक्त किए। कहा कि हाल ही अमेरिका की ओर से बांग्लादेश से हुई डील में एक क्लाज है कि यदि बांग्लादेश अमेरिका से कच्चा माल मंगाकर उसे ही तैयार उत्पाद बेचेगा तो उसे शून्य टैरिफ देना होगा। बांग्लादेश पहले से ही टेक्सटाइल में पूरे विश्व में बेहतर कर रहा है।

इस नियम के बाद से वह और अधिक भारत के उद्यमियों के सामने चुनौती पेश कर सकता है। इसके लिए शोध, नवाचार जैसे विषयों पर युवाओं को आगे आने की जरूरत है। संगोष्ठी में वस्त्र उद्योग, रक्षा अनुसंधान, तकनीकी नवाचार एवं शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों द्वारा 'तकनीकी व्याख्यान' प्रस्तुत किए गए। प्रमुख तकनीकी सत्र में डॉ. बिस्वा रंजन दास, वैज्ञानिक डीएमएसआरडीई ने इन्फ्लेटेबल मिलिट्री टेंट के लिए नवीन कोटेड फैब्रिक्स का विकास करने की बात कही।

महाराजा अग्रसेन जयंती समिति ने सांसद का अभिनंदन किया। अमृत विचार

सांसद रमेश अवस्थी का अभिनंदन

कानपुर। श्री महाराजा अग्रसेन जयंती समिति के पदाधिकारियों ने गुरुवार को सांसद को मिलकर एलिवेटेड रोड के लिए कर अभिनंदन किया। इस दौरान पदाधिकारियो ने सांसद रमेश अवस्थी से रामा देवी चौराहे से गोल चौराहे तक एलिवेटेड रोड के निर्माण की स्वीकृति केंद्र सरकार द्वारा दिलाए जाने को शहर के लिए बड़ी योजना भी बताई। उन्होंने यह भी कहा कि जयपुरिया क्रासिंग पर निर्मित हुए पुल का नामकरण अग्रसेन सेतु कराकर अग्र समाज को गौरवान्वित किया है। समिति के पदाधिकारियों ने फूलबाग एलआईसी चौराहा का नाम करण अग्रसेन चौक के नाम कराए जाने का प्रस्ताव सांसद को दिया। सांसद ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि इस कार्यवाही कर चौराहे का नामकरण अग्रसेन चौक कराने का प्रयास करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में समिति अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, महामंत्री मनीष दर्पण, उपाध्यक्ष गोपाल गुड़ियावाला, अभिषेक अग्रवाल, मंत्री रामसेवक अग्रवाल व विजय कुमार अग्रवाल रहे।

स्थापना दिवस | राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की तेज इंटरनेट, पर्याप्त कंप्यूटर, अबाध विद्युत आपूर्ति और सुगम प्रशिक्षण की मांग

ई-आफिस लागू करें, मगर कर्मचारियों का वेतन नहीं रोकें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने प्रदेश सरकार के ई-ऑफिस व्यवस्था लागू करने और माह में एक बार भी लॉगिन नहीं करने वाले कर्मचारी का वेतन रोकने के निर्देश का विरोध करते हुए ई-ऑफिस के लिए सशक्त इंटरनेट सर्वर, पर्याप्त कंप्यूटर, अबाध विद्युत आपूर्ति और सुगम प्रशिक्षण दिए जाने की मांग की है।

परिषद का कहना है कि ई-आफिस के सुचारू क्रियान्वयन के लिए सभी कार्यालयों में बेहतर इंटरनेट सेवा, कम्प्यूटर्स, अबाध विद्युत आपूर्ति एवं प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान किए बिना कर्मचारियों का वेतन रोकना उचित नहीं है। परिषद ने यह भी कहा है कि मानव संपदा पोर्टल पर चतुर्थ श्रेणी, सफाई कर्मचारी, बीमार कर्मचारियों तथा सर्वर नहीं चलने के कारण काफी कर्मचारियों की चल-अचल सम्पत्ति का ब्यौरा अपलोड होना शेष है, ऐसे में उनका भी वेतन नहीं रोका जाना चाहिए। सरकार से चल अचल सम्पत्ति अपलोड करने के लिए मानव संपदा पोर्टल को एक सप्ताह और खोलने की मांग की गई है। शिक्षक संघ के संयोजक अनुग्रह त्रिपाठी व सीनियर्स शिक्षक संघ के ज़िलाध्यक्ष राजेश कुमार शर्मा, पेंशनर्स कल्याण समन्वय समिति के मंडल अध्यक्ष इंजीनियर एएन द्विवेदी ने समस्याओं के निराकरण पर जोर दिया। हरीश श्रीवास्तव, धर्मेंद्र अवस्थी ,अरशद हलीम, अरविन्द कुशवाहा, कुलदीप सिंह, अमित पांडेय, सुरेंद्र सिंह गौर, अब्दुल लईक, अनुज शुक्ला, राम बहादुर पांडेय, प्रशांत शुक्ला, अजीत निगम, पारस नाथ, आनंद बाजपेयी, राहुल कुमार, अनूज चतुर्वेदी मौजूद रहे।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के स्थापना दिवस समारोह में मौजूद पदाधिकारी। अमृत विचार

कैशलेस चिकित्सा, पुरानी पेंशन दें, डीए करें मर्ज

- पुरानी पेंशन बहाली, केन्द्र के समान कैशलेस इलाज, आठवें वेतन आयोग के पूर्व डीए को मर्ज करने, नई भर्ती प्रक्रिया शुरू करने, मोटर साइकिल भत्ता देने, पदोन्नति, पदोन्नत वेतनमान देने जैसी मांगों पर आवाज बुलंद करते हुए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने गुरुवार को स्थापना दिवस समारोह राजकीय पॉलीटेक्निक सभागार में प्रदेश संगठन मंत्री व जिला अध्यक्ष राजा भरत अवस्थी की अध्यक्षता में आयोजित किया। मुख्य अतिथि डॉ. एससी गुप्ता व विशिष्ट अतिथि अरुण कुमार मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारियो को सम्मानित किया गया। संचालन परिषद के मंत्री इंजीनियर कोमल सिंह ने किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग श्रमिक संघ ने परिषद से अपनी सम्बद्धता कर ली। समारोह में नगर निगम के कर्मचारी नेता विनोद कुमार, मुनेश कुमार शुक्ला व अजीत अवस्थी ने कर्मचारी हितों के लिए परिषद के साथ आंदोलन में भागीदारी की घोषणा की।

सिटी ब्रीफ

शंखनाद उत्सव की हो गई शुरुआत

कानपुर। डॉ. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर दिव्यांगजन में सांस्कृतिक उत्सव 'शंखनाद' की शुरुआत हुई। पहले दिन बौद्धिकता, नवाचार और संगीत का संगम रहा। कार्यक्रम की शुरुआत विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं से हुई। स्मार्ट क्लास में एक्सटेम्पोरी, ग्रैब द हेडलाइन और मार्केट एनालाइज़र जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त, पहले दिन का मुख्य आकर्षण ड्रोन प्रदर्शनी रही। इस दौरान निदेशक रचना अस्थाना भी मौजूद रहीं। श्रीनाथ द्विवेदी, अनुज श्रीवास्तव, डीपी सिंह मौजूद रहे।

नारायणा ग्रुप में 28 को लगेगा रोजगार मेला

कानपुर। सेवायोजन विभाग की ओर से 28 फरवरी को रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। यह मेला नारायणा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन पनकी में आयोजित किया जा रहा है। मेले के बारे में सहायक निदेशक सेवायोजन उज्जवल कुमार सिंह ने बताया कि इस मेले में 15 से अधिक निजी कंपनियां युवाओं को जॉब ऑफर करने आ रहीं है। यह कंपनियां युवाओं को 25 हजार रुपये तक मासिक वेतन ऑफर करेंगी।

शिक्षकों का बीएसए कार्यालय में धरना

कानपुर। अपनी मांगों को लेकर गुरुवार को टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया से जुड़े शिक्षकों ने बीएसए कार्यालय में धरना दिया। धरने के दौरान टीईटी से मुक्ति की मांग की। कहा कि नए नियमों के तहत वर्षों से नौकरी कर रहे शिक्षकों पर संकट खड़ा हो गया है। यदि जल्द ही इस नियम को नहीं हटाया गया तो शिक्षक बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होंगे। धरने में प्रमुख रूप से अध्यक्ष दिनेश चंद्र शर्मा, वेद प्रकाश त्रिपाठी सहित अन्य मौजद रहे।

प्रदर्शनी में लगे स्टालों का निरीक्षण करते अधिकारी और जनप्रतिनिधि। अमृत विचार

महोत्सव में मौजूद जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, महापौर प्रमिला पांडेय और अन्य जनप्रतिनिधि। अमृत विचार

बिठूर महोत्सव में आज

- प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक "द बैटल ऑफ बैंड्स में विभिन्न बैंड अपनी प्रस्तुति देंगे।
- दोपहर 2:30 बजे से 4:30 बजे तक "लोकल टैलेंट (कानपुर्स गॉट टैलेंट)" कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया जाएगा।
- सायं 5:00 बजे से 6:50 बजे तक श्री राम कला केंद्र द्वारा कर्ण आधारित नाट्य प्रस्तुति दी जाएगी।
- शाम 7:30 बजे से कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

बिठूर में सांस्कृतिक महाकुंभ का आगाज

तीर्थनगरी ने एक बार फिर अपनी सांस्कृतिक पहचान को किया जीवंत, मंच पर भाव, लय और ताल का संगम, पूरा परिसर शास्त्रीय रंग में डूबा

संवाददाता, बिठूर

अमृत विचार। ऋषियों-मुनियों की धरा तीर्थनगरी बिठूर ने गुरुवार शाम एक बार फिर अपनी सांस्कृतिक पहचान को जीवंत कर दिया। शास्त्रीय नृत्य समेत विभिन्न प्रस्तुतियों ने लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। गीत में बिठूर की ऐतिहासिक विरासत और आस्था का सशक्त चित्रण भी दिखाई दिया।

गुरुवार को तीन दिवसीय बिठूर महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, सांसद रमेश अवस्थी, महापौर प्रमिला पांडेय,विधायक अभिजीत सांगा, विधायक नीलिमा कटियार, विधायक सरोज कुरील, एमएलसी सलिल बिश्नोई, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, सीडीओ दीक्षा ने स्वस्तिवचन के बीच दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। दीप प्रज्वलन के बाद अवधेश सिंह बावरा द्वारा रचित "जय हो धरा बिठूर, है धन्य धरा जहां कल-कल बहती मां गंगा धारा" शीर्षक बिठूर गीत की प्रस्तुति प्रणव सिंह ने की। इसके बाद भोपाल कत्थक समिति से जुड़ी प्रख्यात नृत्यांगना अनुराधा सिंह ने शास्त्रीय नृत्य की सधी प्रस्तुति दी। मंच पर भाव, लय और ताल का ऐसा संगम दिखा कि कुछ क्षणों के लिए पूरा परिसर शास्त्रीय रंग में डूब गया। उनकी भक्तिकटक और कलियामर्दन से जुड़ी प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। रक्षा उत्पादों की प्रदर्शनी ने युवाओं का ध्यान खींचा। ऑर्डिनेंस फैक्ट्री की बुलेटप्रूफ जैकेट, कॉम्बैट किट, मल्टी पर्पज किट, विशेष जूते और पानी शुद्धिकरण हाइड्रेशन सिस्टम को लोग करीब से देखते नजर आए। ग्लाइडर्स इंडिया के उत्पाद और आईआईटी की एआई प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बिठूर की ऐतिहासिक धरा को नमन किया। ऐसे आयोजनों से बिठूर के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक गौरव को नई चेतना मिली है। महोत्सव से कलाकारों को मंच मिलेगा और सांस्कृतिक विरासत अक्षुण्ण रहेगी।

रंच मंच पर कलाकारों ने नृत्य का जलवा बिखेरा। अमृत विचार

गायकों ने सुरीली आवाज से जीता दिल। अमृत विचार

यूफोरिया बैंड के साथ गीतों ने मचाई धूम। अमृत विचार

66 प्रकार के फूलों की प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र

- महोत्सव परिसर में उद्यान विभाग की पुष्प प्रदर्शनी आकर्षण का बड़ा केंद्र रही। 66 प्रजातियों के फूलों ने रंगों की छटा बिखेरी। रेननकुलस, पिटूनिया, एस्टर, डेजी, फ्लोक्स, हेलीक्राइसस (पेपर फ्लॉवर), लाइनम और स्टॉक सहित कई प्रजातियों से बनी सजावटी आकृतियों के साथ लोगों ने सेल्फी ली।

35 स्टॉलों पर सजी परंपरा और आधुनिकता

- विभिन्न विभागों और स्वयं सहायता समूहों सहित कुल 35 स्टॉल लगाए गए हैं। सजावटी सामग्री, रेडीमेड गारमेंट, पूजन सामग्री, लकड़ी के खिलौने, मिट्टी के बर्तन, पॉटरी, माटी कला उत्पाद, मसाले, ड्राई फ्रूट्स, कालीन और दरी की बिक्री ने बाजार जैसा माहौल बना दिया।

यूफोरिया की धुन के साथ झूमे लोग

- शाम ढलते ही मंच पर यूफोरिया बैंड की एंट्री के साथ कार्यक्रम का स्वरूप बदल गया। प्रमुख गायक पलाश सेन ने दर्शकों से संवाद करते हुए प्रस्तुति की शुरुआत की। जैसे ही "कभी आना तू मेरी गली" की धुन गूंजी, युवा दर्शक खड़े हो गए। "मायरी" के दौरान पूरा पंडाल सुर में सुर मिलाता दिखा। गिटार, ड्रम और लाइव बैंड की ऊर्जा ने माहौल को रॉक कॉन्सर्ट में बदल दिया। रोशनी से चमकते प्रांगण में हजारों लोग एक साथ झूमते नजर आए। पलाश सेन ने बीच-बीच में बिठूर की ऐतिहासिक धरती का उल्लेख कर दर्शकों से सीधा जुड़ाव बनाया। कार्यक्रम देर रात तक उत्साह के साथ चलता रहा।

निरीक्षण करते डीसीपी सत्यजीत गुप्ता। अमृत विचार

डीसीपी ने गंगा मेला मार्ग पर दौड़ाई नजर

कानपुर। डीसीपी सत्यजीत गुप्ता ने कानपुर हटिया होली मेला (गंगा मेला) महोत्सव कमेटी के पदाधिकारियों के साथ हटिया स्थित रज्जन बाबू पार्क व रंग का ठेला मार्ग का निरीक्षण किया। कमेटी के अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र कुमार विश्नोई,ऋषि तिवारी आकाश ओमर से उत्सव के संबंध में बात की।

पदाधिकारियों ने गंगा मेला जुलूस के दौरान भैंसिया वाला हाता, कहारों वाला हाता व मटकी फोड़ स्थल बिराहाना रोड एवं नयागंज पूरन पान वाला चौराहे पर विशेष निगरानी एवं अतिरिक्त पुलिस बल की मांग की। डीसीपी ने कमेटी पदाधिकारियों से कहा की किसी को कानून को हाथ में लेने की इजाजत नहीं है। सख्त कार्रवाई होगी। हटिया रज्जन बाबू पार्क पहुंचकर उन्होंने बड़ी बारीकी से एक-एक चीज समझी। वह सूत बाजार, जनरलगंज, बजाजा, मनीराम बगिया, गया प्रसाद लेन होते हुए मूलगंज थाने तक गए। इस अवसर एसीपी आशुतोष सिंह, कमेटी के महामंत्री विनय सिंह, ऋषि तिवारी, आकाश ओमर, रोहित बाजपेई आदि मौजूद रहे।

यूपी को 'डीप टेक कैपिटल' बनाने का पूरा होगा ड्रीम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। प्रदेश को डीप टेक स्टार्टअप्स का अग्रणी केंद्र बनाने की दिशा में आईआईटी कानपुर लगातार जिस तरह बड़े कदम उठा रहा है, उससे टैलेंट, टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप्स की बुनियाद पर देश में यूपी 'डीप टेक कैपिटल' बनने की तरफ आगे बढ़ रहा है। डीप टेक इनोवेशन को मजबूत करने के लिए गुरुवार को एचसीएल टेक और आईआईटी के बीच हुई साझेदारी ने इसी बात को साबित किया। सीएम योगी आदित्यनाथ पहले ही आईआईटी में हुए देश के पहले डीपटेक सम्मेलन में आईआईटी कानपुर को डीप टेक इनोवेशन का प्रमुख केंद्र बनाने की घोषणा कर चुके हैं। केंद्र सरकार ने भी इसी माह डीपटेक स्टार्टअप के लिए टर्नओवर सीमा बढ़ाकर 300 करोड़ की है।

वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी एचसीएल टेक और आईआईटी कानपुर ने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान को वास्तविक पायलट प्रोजेक्ट्स और स्केलेबल समाधानों में बदलने के लिए गुरुवार को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के लिए उन्नत तकनीकी समाधान विकसित करना और रिसर्च को इंडस्ट्री से जोड़ना है। यह साझेदारी उन्नत अभियांत्रिकी और डीप टेक के क्षेत्रों में, विशेष रूप से आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों पर विशेष ध्यान देते हुए, अनुसंधान-आधारित नवाचार को सक्षम बनाने के लिए एचसीएल टेक को विश्वसनीय ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर भागीदार के रूप में स्थापित करेगी।

- एचसीएल टेक और आईआईटी मिलकर ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स के लिए आगे बढ़ाएंगे डीप टेक इनोवेशन
- एआई, रोबोटिक्स और अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी पर अनुसंधान आधारित नवाचार पूरी करेगा उद्योगों की जरूरत

300 करोड़ की केंद्र सरकार ने भी इसी माह डीपटेक स्टार्टअप के लिए टर्नओवर सीमा बढ़ाई

इस पहल के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, ऑटोमेशन और अन्य उभरती तकनीकों पर संयुक्त शोध किया जाएगा। मकसद नई तकनीकों को प्रयोगशाला से निकालकर उद्योग की वास्तविक जरूरतों के अनुसार तैयार करना होगा। एचसीएलटेक की इंडस्ट्री विशेषज्ञता और आईआईटी की अकादमिक क्षमता मिलकर ऐसे समाधान विकसित करेंगे जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी होंगे। इस साझेदारी युवाओं और छात्रों को स्किल डेवलपमेंट और इंडस्ट्री एक्सपोजर के नए अवसर मिलेंगे। इससे भविष्य के टेक लीडर्स तैयार होंगे। यह साझेदारी देश के डीप टेक इकोसिस्टम को गति देने, रिसर्च को व्यावहारिक समाधान में बदलने और वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा में भारत की स्थिति मजबूत करने की दिशा में अहम कदम मानी जा रही है।

हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम में आईआईटी के निदेशक प्रो. मणींद्र अग्रवाल ने कहा कि संस्थान में एआई इंटेलिजेंट सिस्टम्स, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा और अन्य नई तकनीकों पर मजबूत और व्यावहारिक शोध चल रहा है। एचसीएल टेक के साथ साझेदारी से शोधकर्ताओं को वैश्विक चुनौतियों पर काम करने का अवसर मिलेगा। यह समझौता अकादमिक शोध और उद्योग के बीच मजबूत कड़ी का काम करेगा।

एचसीएल टेक के ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर प्रैक्टिस हेड किरण चेरुकुरी ने कहा कि ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स की अगली विकास यात्रा इस बात पर निर्भर करेगी कि वे विश्वस्तरीय शोध और डीप टेक इकोसिस्टम का कितना बेहतर उपयोग कर पाते हैं।

रोजेदार 2 किलो 47 ग्राम गेहूं या 75 रुपये फितरा निकालें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ऑल इंडिया गरीब नवाज कौंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं गद्दियाना ईदगाह के पेशइमाम मौलाना हाशिम अशरफी ने फितरा की रकम कितना निकालना है, इसका ऐलान किया है।

मौलाना हाशिम अशरफी का कहना है कि हर साहिबे निसाब को ईद-उल-फितर की नमाज से पहले फितरा निकालना जरुरी होता है। अगर सदका-ए-फित्र गेहूं, उसके आटे या सत्तू से अदा किया जाए तो प्रति व्यक्ति 2 किलो 47 ग्राम देना होगा जबकि 2 किलो 47 ग्राम गेहूं के आटे की कीमत 75 रुपये तय की गई है लेकिन अगर फितरा खजूर, मुनक्का, जौ या उसके आटे या सत्तू के जरिये अदा करना चाहें तो प्रति व्यक्ति 4 किलो 94 ग्राम देना होगा।

खजूर की सूरत में 1227 रुपये और मुनक्का की सूरत में 2250 रुपये फितरा अदा करना पड़ेगा। गेहूं या जौ देने की सूरत में उनका आटा देना अफजल है और उससे भी अफजल ये है कि गेहूं, जौ या खजूर की कीमत अदा कर दी जाए।

सभी स्कूलों में हो मनोविशेषज्ञ की अनिवार्यता

कानपुर। मरियमपुर की कक्षा 11 की बच्ची की आत्महत्या के प्रकरण में सीडब्ल्यूसी मजिस्ट्रेट देवेन्द्र प्रताप सिंह छात्रा के घर परिजनों से मिलने पहुंचे। उन्होंने कहा कि ऐसी घटना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि व्यस्त जीवनशैली में अभिभावक बच्चों के बीच संवाद के अभाव से बच्चो को सही गलत के पहचान का अभाव हो रहा है। माता-पिता को बच्चों के मनोभाव समझ कर उसकी सोच को सकारात्मक दिशा देनी चाहिए। ऐसे में स्कूल की भूमिका भी बहुत महत्वपूर्ण है जिस तरह से बच्चो द्वारा गलत निर्णय में बढ़ोत्तरी हुई है विचार का विषय है। प्रत्येक स्कूल में विषय के साथ मनोविशेषज्ञ की नियुक्ति आवश्यक है।

बैठक में निर्णय

सीएसजेएमयू में विद्या परिषद की बैठक में कई निर्णयों पर लगी मुहर, विश्वविद्यालय परिसर एआई-सक्षम परिसर के रूप में होगा विकसित

अगले सत्र से इमोशनल वेल बींग एंड लाइफ मैनेजमेंट पाठ्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सीएसजेएम विश्वविद्यालय कानपुर में पहली बार प्रथम वर्ष के सभी छात्रों के लिए इमोशनल वेल बींग एंड लाइफ मैनेजमेंट पाठ्यक्रम शुरू होगा। यह पाठ्यक्रम अगले सत्र से होगा। विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर एकेडमिक में हुई बैठक में कई निर्णयों पर भी मुहर लगी। बैठक में विश्वविद्यालय परिसर एआई-सक्षम परिसर के रूप में विकसित करने का भी निर्णय लिया गया।

विद्या परिषद की बैठक कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में हुई। कहा गया कि आजकल छात्र शैक्षणिक दबाव, समय प्रबंधन की चुनौतियाँ, प्रतिस्पर्धा, पारिवारिक अपेक्षाएं तथा मानसिक तनाव जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इन परिस्थितियों में भावनात्मक संतुलन, तनाव प्रबंधन और सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास अत्यंत आवश्यक है। इमोशनल वेल बींग एंड लाइफ मैनेजमेंट पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को आत्म-जागरूकता एवं आत्म-नियंत्रण विकसित करने,तनाव को समझने एवं उसे सकारात्मक रूप से प्रबंधित करने की क्षमता, समय का प्रभावी उपयोग और जीवन में संतुलन एवं संतुष्टि की भावना को प्रोत्साहित करेगा।

विद्या परिषद की बैठक में विश्वविद्यालय परिसर को एआई-सक्षम परिसर के रूप में विकसित करने के लिए कैंपस एडवांसमेंट मिशन फॉर आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस के मॉडल पर मुहर लगी। इस मॉडल के तहत सभी संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों के लिए एआई क्षमता निर्माण कार्यक्रम, विद्यार्थियों के लिए संस्थागत एआई टूल्स की उपलब्धता, शिक्षण एवं शोध में एआई-आधारित उपकरणों का उपयोग, प्रशासन एवं छात्र सेवाओं में एआई-आधारित प्रणालियाँ, एआई-आधारित संकाय अनुसंधान के लिए आंतरिक परियोजना वित्तपोषण, आधारभूत एआई अवसंरचना (जीपीयू सर्वर, वर्कस्टेशन) का विकास तथा उत्तरदायी एवं नैतिक एआई उपयोग के लिए नीति एवं दिशा-निर्देश भी लागू किये जायेंगे। बैठक में विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी, कुलसचिव राकेश कुमार मिश्रा, निदेशक महाविद्यालय विकास परिषद प्रो. राजेश कुमार द्विवेदी, वित्त अधिकारी अशोक त्रिपाठी कूटा के अध्यक्ष प्रो. बीडी पांडे व महामंत्री प्रो.पीएन त्रिवेदी, डीन एकेडमिक्स प्रो. बृष्टि मित्रा, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. अंशू यादव, डीन एडमिनिस्ट्रेशन प्रो.नीरज कुमार, डीन रिसर्च एंड डेवलोपमेन्ट डॉ नमिता तिवारी, डाइरेक्टर आईक्यूए सी प्रो.संदीप सिंह समेत सभी स्कूल के निदेशक व विभागध्यक्ष मौजूद रहे।

विद्या परिषद की बैठक में भाग लेते अधिकारी। अमृत विचार

जरूरी बातें

- विश्वविद्यालय परिसर में अध्ययनरत प्रथम सेमेस्टर के सभी विद्यार्थियों को पाठ्य-सहगामी (को कैरिकुलर एक्टिविटी) गतिविधियों पर आधारित संगीत, खेल या कला पाठ्यक्रमों में से किसी एक पाठ्यक्रम को करना अनिवार्य होगा।
- स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज़ के भौतिकी विभाग में एम.एससी. (क्वांटम टेक्नोलॉजी) पाठ्यक्रम भी इसी सत्र से शुरु होगा।

स्कूलों में शुरू होंगे नए कोर्स

- नए कोर्सेज में स्कूल ऑफ एडवांस्ड एग्रीकल्चर साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी के तहत स्नातक स्तर पर बीएससी फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी एवं परास्नातक स्तर पर एमएससी (एग्रीकल्चर) प्लांट पैथोलॉजी, एमएससी (एग्रीकल्चर) स्वाईल साइंस, एमबीए एग्री बिजनेस मैनेजमेंट होंगे। इसी तरह स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब सिख शोध पीठ के तहत डिप्लोमा इन गुरु ग्रंथ साहिब स्टडीज एवं डिप्लोमा इन पंजाबी लिटरेचर कोर्स होंगे। उधर स्कूल ऑफ आर्ट, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज के तहत स्नातक स्तर पर बीए ऑनर्स हिस्ट्री एवं परास्नातक डिप्लोमा स्तर पर पीजी डिप्लोमा इन एडवांस साइकॉलोजी, डिपार्टमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन के अंतर्गत परास्नातक स्तर पर मास्टर ऑफ स्पोर्ट्स मैनेजमेंट कोर्स हो सकेंगे। स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के अंतर्गत परास्नातक स्तर पर एमबीए फाइनेंसियल सर्विसेज, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत स्नातक स्तर पर बी.वोक इन फैशन एंड अपैरल इजिाइन कोर्स शुरु किये जायेंगे। विश्वविद्यालय परिसर में संचालित स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में अध्ययनरत बीटेक विद्यार्थियों के लिए क्वांटम टेक्नोलॉजी एवं डिफेंस टेक्नोलॉजी के माइनर डिग्री कार्यक्रम को प्रारंभ किए जायेंगे। विश्वविद्यालय परिसर के बीए, बीएससी., इंटीग्रेटेड बीएससी-एमएससी तथा बीकॉम. चतुर्थ सेमेस्टर में अध्ययनरत विद्यार्थियों को नवीन व्यावसायिक पाठ्यक्रम 'द फ्यूचर ऑफ वर्क' पढ़ाये जायेंगे।

समर्थ पोर्टल पर भी ऑनलाइन पाठ्यक्रम

- विश्वविद्यालय परिसर तथा सम्बद्ध महाविद्यालयों में स्नातक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए एनईपी 2020 के तहत आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप रोज़गारपरक पाठ्यक्रम ऑनलाइन समर्थ पोर्टल पर मूडल एलएमएस के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा केंद्रीकृत रूप से संचालित किये जायेंगे। जिसमें साइबर सिक्योरिटी, एआई फ़ॉर ऑल, फ़ाइनेंशियल लिटरेसी, द फ़्यूचर ऑफ वर्क, फ़ंडामेंटल ऑफ क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे पाठ्यक्रम शामिल है। विश्वविद्यालय परिसर स्थित विभिन्न स्कूलों व विभागों में अगामी सत्र 2026-2027 से कई नये कोर्सेज संचालित किए जायेंगे, साथ ही विश्वविद्यालय परिसर में संचालित हो रहे सभी प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों के लिए एक सम्पूर्ण सेमेस्टर का प्रशिक्षण (इंटर्नशिप, इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग) अनिवार्य रूप से शुरू किया जाएगा।

सीएसजेएमयू में दो नए हॉस्टल के निर्माण को मिली मंजूरी

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में 72वीं वित्त समिति की बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से विश्वविद्यालय को एआई सक्षम परिसर के रूप में विकसित करने के लिए 10 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया। इसके साथ ही कैंपस के स्वास्थ्य केंद्र को पीपीपी मॉडल पर एक सौ बेड के अस्पताल में बदलने के लिए भी बजट प्रावधान को स्वीकृत किया गया।

बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक ने की। बैठक में विश्वविद्यालय के खेल काम्पलेक्स को पीपीपी मॉडल पर संचालित करने के फैसले को भी मंजूरी दी गई। बैठक में वित्त वर्ष 2024-2025 की ऑडिट बैलेंस शीट को अनुमोदित किया गया। आगामी वित्तीय वर्ष 2026-2027 के लिए 487 करोड़ की आय एवं 459 करोड व्यय का प्रावधान किया गया। वित्तीय वर्ष 2026-2027 में 100 बेड की क्षमता वाले एक पुरुष एवं एक महिला छात्रावास के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई।

न्यूज ब्रीफ

14 जोड़ी से अधिक ट्रेनें 42 दिन रहेंगी निरस्त

शुक्लागंज : मेगा ब्लॉक के चलते कुल 14 जोड़ी से अधिक मेमू व पैसेंजर ट्रेनें पूरे 42 दिनों तक पूरी तरह निरस्त रहेंगी। इनमें कानपुर-लखनऊ, कानपुर-रायबरेली व लखनऊ-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी रेल खंडों पर चलने वाली ट्रेनें शामिल हैं।

2016 में बदले गये थे डाउन लाइन के ट्रफ

शुक्लागंज : गंगाघाट रेलवे पुल पर डाउन लाइन के जर्जर ट्रफ नवंबर 2016 में बदले गए थे। उस समय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यापक मरम्मत कार्य हुआ था। अब करीब 10 वर्ष बाद रेलवे द्वारा डाउन लाइन पर पुराने स्लीपर हटाकर नए एच बीम स्लीपर लगाए जाने की तैयारी की जा रही है। जिसके लिए मेगा ब्लॉक प्रस्तावित किया गया है।

ट्रक की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त, चालक बचा

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : कानपुर से लखनऊ जा रही एक कार को गुरुवार सुबह हाईवे पर त्रिभुवन खेड़ा के पास अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी। इसमें कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि कार सवार बाल-बाल बच गए। घटना की सूचना पर पुलिस पहुंची और जांच की। जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित माधव नगर निवासी राजेश ठाकुर कार से कानपुर से लखनऊ जा रहे थे। जैसे ही वह गंगाघाट क्षेत्र स्थित हाईवे पर त्रिभुवन खेड़ा गांव के सामने पहुंचे तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी कार में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कार सड़क किनारे जा रुकी। सूचना पर गंगाघाट पुलिस पहुंची और वाहन हटवाकर यातायात सुचारु कराया।

42 दिनों तक रहेगा रेलवे पुल की डाउन लाइन पर मेगा ब्लॉक, बदले जायेंगे ट्रफ

2 अप्रैल से 13 मई तक रोज सुबह साढ़े 9 से शाम साढ़े 5 बजे तक होगा कार्य, पैसेंजर ट्रेनों का संचालन रहेगा बाधित

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: गंगा नदी पर स्थित रेलवे पुल के डाउन लाइन पर जर्जर ट्रफ बदलने का काम शुरू होने वाला है। रेलवे सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इसके तहत 2 अप्रैल से 13 मई 2026 तक 42 दिनों के लिए रोज सुबह साढ़े 9 से शाम साढ़े 5 बजे तक मेगा ट्रैफिक व पावर ब्लॉक लिया जाएगा। इस दौरान पुल के डाउन लाइन पर पुराने स्टील ट्रफ हटाकर नए एच-बीम स्लीपर लगाए जाएंगे। जिससे पुल की मजबूती व सुरक्षा में इजाफा होगा।

उत्तर रेलवे ने ब्रिज संख्या 110 के अंतर्गत कानपुर पुल बांया किनारा व कानपुर के बीच 42 दिनों के लिए इस मेगा ट्रैफिक व पावर ब्लॉक को मंजूरी दी है। यह ब्लॉक 2 अप्रैल से 13 मई तक रोज सुबह साढ़े 8 से शाम साढ़े 5 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस मेगा ब्लॉक के चलते यात्री सेवाओं पर व्यापक असर पड़ेगा। कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, रायबरेली, प्रयागराज सहित कई रेल खंडों पर चलने वाली मेमू, पैसेंजर, इंटरसिटी व सुपरफास्ट ट्रेनों को रद, आंशिक रूप से समाप्त/प्रारंभ या मार्ग परिवर्तित

इसी रेलवे पुल पर 42 दिनों तक डाउन लाइन पर होगा कार्य।

किया गया है। रेलवे प्रशासन के अनुसार कुल 14 जोड़ी से अधिक मेमू व पैसेंजर ट्रेनें 42 दिनों तक निरस्त रहेंगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए कई ट्रेनों को वैकल्पिक मार्गों से चलाने का निर्णय लिया है। कुछ महत्वपूर्ण एक्सप्रेस ट्रेनों को गाजियाबाद-मुरादाबाद-लखनऊ, कासगंज-शाहजहांपुर, प्रयागराज-डीडीयू व अन्य वैकल्पिक रेलमार्गों से चलाया जाएगा। शताब्दी एक्सप्रेस, वंदे भारत एक्सप्रेस, नीलांचल एक्सप्रेस व फरक्का एक्सप्रेस सहित लंबी दूरी की कई ट्रेनों के ठहराव व समय सारिणी में भी इस दौरान बदलाव किए गए हैं। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रेलवे बोर्ड से स्वीकृत इस ब्लॉक के दौरान यात्री सुविधाओं को कम से कम प्रभावित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

सीओ स्तर से मामले की जांच व आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

आत्महत्या प्रकरण

संवाददाता शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : भाई और भतीजी की आत्महत्या प्रकरण में उच्च स्तरीय व निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठी है। गुरुवार को राजमार्ग स्थित एक प्रेसवार्ता में सहजनी निवासी पेंट कंपनी के डिप्टी मैनेजर रहे मृतक विकास गुप्ता के भाई शिवम ओमर ने कहा कि इस मामले की जांच सीओ स्तर के अधिकारी से कराई जाए। साथ ही रिपोर्ट दर्ज होने के बावजूद अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर उन्होंने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। शिवम ओमर ने बताया कि सोमवार रात उनके भाई विकास गुप्ता व भतीजी वेदिका ने सहजनी में आत्महत्या की थी। आरोप लगाया कि यदि 19 फरवरी को हुई मारपीट की घटना में पुलिस समय पर प्रभावी कार्रवाई करती तो आज उनका भाई व भतीजी जीवित होते। कहा कि घटना के बाद केस दर्ज हुआ लेकिन अभी तक किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। जिससे परिवार भय में है। उन्होंने आरोप लगाया कि मायके पक्ष के लोग लगातार धमकियां दे रहे हैं ऐसे में परिवार को तत्काल सुरक्षा दी जाए। शिवम ओमर ने प्रशासन से मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। प्रेसवार्ता में उन्होंने एक और महत्वपूर्ण मांग रखते हुए कहा कि उनके भाई की संपत्ति को सरकार अपने कब्जे में लेकर किसी सरकारी संस्था को हैंडओवर करे। जिससे निराश्रित बच्चों को उसका लाभ मिल सके। उन्होंने प्रशासन व गंगाघाट पुलिस से जल्द कार्रवाई की अपेक्षा जताई और कहा कि न्याय मिलने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

वायरलेस सेट देख भड़के आईजी रेलवे

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: गुरुवार सुबह आईजी रेलवे ने उन्नाव जंक्शन का निरीक्षण किया। इस दौरान तकनीकी खामियों व लापरवाही को लेकर आईजी का कड़ा रुख देखने को मिला। विशेषकर वायरलेस सेट के काम न करने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई।

आईजी रेलवे सुबह 11 बजे जंक्शन पहुंचे। उन्होंने दौरे की शुरुआत हेल्थ यूनिट से की, जहां आरपीएफ व जीआरपी के जवानों के साथ बैठक की। इसमें उन्होंने सभी जवानों को पूरी निष्ठा के साथ कर्तव्यों का पालन करने का संकल्प दिलाया। जब आईजी आरपीएफ थाने पहुंचे तो वहां रखे वायरलेस सेट की कार्यक्षमता जांचने के लिए उन्होंने स्टाफ को बुलाने का प्रयास किया। वायरलेस काम न करने पर जब उन्होंने कारण पूछा तो इंस्पेक्टर ने चार्जिंग न होने की बात कही। इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए तकनीकी व्यवस्थाओं को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान आईजी ने थाने के महत्वपूर्ण अभिलेखों की भी पड़ताल की।

मातहतों से जानकारी लेते आईजी रेलवे। ● अमृत विचार

● **आईजी रेलवे ने उन्नाव जंक्शन का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश**

जिनमें पंचनामा व हवालात रजिस्टर, विवेचना व ड्यूटी रजिस्टर, उपस्थिति रजिस्टर देखे। उन्होंने ड्यूटी रजिस्टर में विधिवत ड्यूटी चार्ट बनाकर लगाने का निर्देश दिया। सुरक्षा व्यवस्था पर उन्होंने इंस्पेक्टर हरीश कुमार को ट्रेनों में रोजाना चेकिंग व गश्त बढ़ाने को कहा।

बड़े बकाएदारों से वसूली में लाएं तेजी: कमिश्नर

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत ने गुरुवार को कलक्ट्रेट कार्यालय का वार्षिक निरीक्षण किया। डीएम गौरांग राठी की उपस्थिति में हुए निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने कलक्ट्रेट के विभिन्न पटलों, अभिलेखागारों व न्यायालयों का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली में सुधार के लिये जरूरी निर्देश दिए।

आयुक्त ने सबसे पहले कलक्ट्रेट हॉल में फरियादियों की सहायता के लिए स्थापित शिकायत प्रकोष्ठ का निरीक्षण किया। डीएम ने प्रकोष्ठ की कार्यप्रणाली के बारे में बिंदुवार जानकारी दी। जिससे संतुष्ट होकर आयुक्त ने इस पहल व कलक्ट्रेट

कलक्ट्रेट का निरीक्षण करते कमिश्नर विजय विश्वास पंत। ● अमृत विचार

● **आयुक्त ने कलक्ट्रेट के विभिन्न पटलों का निरीक्षण कर दिए निर्देश**

की सुदृढ़ व्यवस्था की सराहना की। इसके बाद उन्होंने अभिलेखागार में बस्तों के बेहतर रखरखाव व साफ-सफाई देख डीएम की सराहना की। संयुक्त कार्यालय के निरीक्षण में उन्होंने ई-ऑफिस की प्रगति जांची। उन्होंने मास्टर रजिस्टर, गार्ड पत्रावली व कर्मियों की सेवा पुस्तिकाओं का अवलोकन किया। विशेष रूप से नए कर्मचारियों के प्रान अकाउंट खोलने व पुरानी व नई पेंशन योजना से संबंधित प्रकरणों की जानकारी ली। स्थानीय लिपिक को निर्देश दिए गए कि नगर निकायों को आवंटित बजट का समयबद्ध व प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करें। पुरानी व बड़ी आरसी के बकाएदारों से प्राथमिकता के आधार पर वसूली करने के निर्देश दिए। शस्त्र लाइसेंस के नवीनीकरण, रोस्टर वार थाना आर्म्स रजिस्टर के मिलान व संयुक्त निरीक्षण की पंजिकाओं को तत्काल अपडेट करने को कहा। एडीएम न्यायालय में लंबित वादों की स्थिति संतोषजनक मिली। निरीक्षण में एडीएम वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड़, एडीएम न्यायिक अमिताभ यादव, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, एसडीएम रामदेव निषाद, सचिव उन्नाव-शुक्लागंज विकास प्राधिकरण शुभम यादव सहित अन्य अधिकारी व पटल सहायक मौजूद रहे।

तेज रफ्तार लोडर की चपेट में आकर वृद्ध की गई जान

उन्नाव, अमृत विचार : सदर कोतवाली अंतर्गत उन्नाव-शुक्लागंज मार्ग पर तेज रफ्तार लोडर की टक्कर से वृद्ध की मौत हो गई। परिजनों का आरोप रहा कि लोडर किसी पुलिस कर्मी का है। इसलिए मगरवारा चौकी पुलिस लोडर का जिक्र न करने का दबाव बनाती रही। हालांकि परिजनों के न मानने पर पुलिस ने पंचनामा कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सदर कोतवाली अंतर्गत अकरमपुर मोहल्ला निवासी मिश्रीलाल (62) खेती कर परिवार पालता था। बेटे राहुल ने बताया कि पिता गुरुवार सुबह उन्नाव-शुक्लागंज मार्ग स्थित सेल्फी प्वाइंट के पास दुकान से सामान लेने गए थे। जहां से लौटते समय कानपुर से आ रहे तेज रफ्तार लोडर ने उन्हें टक्कर मार दी। इसमें वह गंभीर घायल हो गए।

● **चौकी पुलिस पर लोडर का जिक्र न करने का दबाव बनाने का आरोप**

परिजन उन्हें जिला अस्पताल लाए। जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे ने बताया कि लोडर कानपुर के किसी पुलिस कर्मी का है। इसलिए पुलिस मगरवारा चौकी बुलाकर तहरीर बदलवाने पर जोर देती रही। कहा गया कि तहरीर में मवेशी से टकराने से मौत की बात लिख दो। लोडर का जिक्र न करो। शाम 4 बजे तक पुलिस ने समझाने का प्रयास किया लेकिन परिजन नहीं माने और लोडर की टक्कर से मौत की तहरीर दी। तब पंचनामा भरा गया। कोतवाल ने आरोप को गलत बताया। कहा कि बेटे ने जो तहरीर दी है उसी आधार पर प्राथमिकी भी दर्ज की जाएगी।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दंपति व पुत्र घायल

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के निहाल खेड़ा में मांगलिक कार्यक्रम से लौट रहे बाइक सवारों को हाईवे पर त्रिभुवन खेड़ा के सामने सड़क पार करते समय अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी। इसमें महिला समेत 3 लोग गंभीर घायल हो गए। फतेहपुर चौरासी क्षेत्र के गजिया पुरवा निवासी नीरज पुत्र राम अवतार, उनकी पत्नी पल्लवी व पुत्र आदित्य बुधवार रात निहाल खेड़ा में मांगलिक कार्यक्रम से बाइक से लौट रहे थे। रात करीब 12 बजे जैसे ही वे लखनऊ-कानपुर हाईवे स्थित त्रिभुवन खेड़ा के पास सड़क पार करने लगे तभी तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर से तीनों सड़क पर गिर पड़े और गंभीर घायल हो गए। दुर्घटना देख आसपास मौजूद लोग पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। गंगाघाट पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया।

टेट के विरोध में उमड़ी शिक्षकों की भीड़

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के आह्वान पर जिले के सभी बेसिक शिक्षकों के संगठनों ने वरिष्ठ शिक्षकों के टेट की अनिवार्यता के विरोध में प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को दिया। इसके पहले बीएसए कार्यालय प्रांगण में शिक्षकों का हुजूम उमड़ पड़ा।

राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित प्रदर्शन में प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय मंत्री व जिलाध्यक्ष बृजेश पांडे, जूनियर शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अनुपम मिश्रा, सीनियर बेसिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विकास मिश्रा, गजेंद्र वर्मा, रामजन्म सिंह आदि ने 2011

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते शिक्षक। ● अमृत विचार

के पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टेट अनिवार्यता का विरोध करते हुए इस काले कानून को वापस लेने की मांग की। धरने को महिला शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष मंजू कनौजिया, उपाध्यक्ष संजय सिंह, तौसीफ अली, विनोद तिवारी, सरल कुमार, सुरेश रावत, अजय कटियार, सूर्यकांत सिंह, विश्वनाथ सिंह, अजय प्रताप सिंह, अनूप शुक्ल, संदीप द्विवेदी, अनिल शुक्ल, प्रदीप द्विवेदी, मंदाकिनी देवी, कमलेश यादव, वीरेंद्र मिश्र, आदर्श शिक्षामित्र संघ के मीडिया प्रभारी मदन पांडेय आदि ने सम्बोधित किया।

संकुल की एकदिवसीय खेलकूद बैठक संपन्न

शिशु मंदिर में होती संकुल की बैठक। ● अमृत विचार

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : विद्या भारती के तत्वावधान में गुरुवार को सरोज सरस्वती शिशु मंदिर गोपीनाथपुरम में उन्नाव संकुल के सभी खेलकूद व शारीरिक संयोजकों की एकदिवसीय बैठक आयोजित हुई। इसका शुभारंभ ओम की ध्वनि से हुआ। कार्यक्रम में उन्नाव संकुल के संकुल प्रमुख व प्रधानाचार्य श्रवण सिंह, प्रांतीय खेलकूद प्रमुख रमेश सिंह व संयोजक प्रधानाचार्य दुर्गेश सिंह रहे। बैठक में उन्नाव संकुल के संकुल खेलकूद व शारीरिक प्रमुख प्रदीप द्विवेदी ने सभी का परिचय कराया। इसके बाद प्रांतीय खेलकूद संयोजक रमेश सिंह ने खेलकूद विभाग की उपलब्धियां, खेलकूद व शारीरिक वार्षिक उत्सव, गत वर्ष के परिणामों की समीक्षा, आगामी योजनाएं, समर कैंप व खेलों के विशेष प्रशिक्षण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान अरुण मिश्रा, विशेष प्रताप सिंह, अनन्या सिंह सहित अनेक खेलकूद व शारीरिक प्रमुख उपस्थित रहे।

अनुदेशकों ने मुख्यमंत्री का व्यक्त किया आभार

उन्नाव, अमृत विचार : परिषदीय अनुदेशक कल्याण एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सचिन मिश्रा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने सदर विधायक पंकज गुप्ता से मिलकर सीएम योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन देते हुए उनका आभार जताया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि 20 फरवरी को विधानसभा में सीएम ने प्रदेश के 25 हजार अनुदेशकों का मानदेय 1 अप्रैल 2026 से 17 हजार प्रतिमाह किए जाने की घोषणा की है तथा 29 जनवरी को सम्पन्न कैबिनेट बैठक में अनुदेशकों व उनके आश्रितों को 5 लाख तक कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने का निर्णय लिया है। कहा कि यह घोषणा अनुदेशकों के आर्थिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिससे उनके जीवन-स्तर में सकारात्मक सुधार होगा। अनुदेशकों ने कहा कि हम आशा करते हैं कि भविष्य में भी अनुदेशकों के हित में इसी प्रकार संवेदनशील व जनकल्याणकारी निर्णय लिए जाते रहेंगे। आभार जताने वालों में आलोक सैनी, चेतन मिश्रा, अभिषेक द्विवेदी, शिवम पटेल व विनय जयसवाल आदि मौजूद रहे।

यूथ क्लब ने पीकेसी को 4 विकेट से हराया

उन्नाव, अमृत विचार : जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित अंडर-19 रजनींद्र दीक्षित जनपदीय क्रिकेट लीग का अंतिम मुकाबला सप्रू स्टेडियम में हुआ। यूथ क्लब ने पीकेसी को 4 विकेट से हराकर लीग में अपनी जीत दर्ज की। पीकेसी की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। 35 ओवरों में टीम ने सभी विकेट खोकर 212 रन बनाए। पीकेसी की ओर से अंशुल गौर ने 62 व आदित्य गुप्ता ने 54 रन बनाए। 213 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूथ क्लब की टीम ने 34वें ओवर में 6 विकेट खोकर 213 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। यूथ क्लब की जीत में शोभित (44 रन), कृष (32 रन), देवाशीष (30 रन) व सार्थक (30 रन) का योगदान रहा। बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करने वाले सार्थक को मैच के बाद प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया। इसमें जिला क्रिकेट एसोसिएशन के महामंत्री पीके मिश्रा, ओम मिश्रा, साकिर हुसैन, प्रदीप शुक्ला, परवेज अहमद जॉनी, मोहम्मद गाजी, सूरज त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

121 जोड़ों ने खाई साथ जीने-मरने की कसमें

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत डॉ. वीरेंद्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर के परिसर में कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें 121 जोड़ों का विवाह विधि-विधान से हुआ। जिसमें 118 जोड़ों ने हिंदू रीति-रिवाज व 3 जोड़ों ने मुस्लिम रीति-रिवाज (निकाह) के अनुसार अपने नए जीवन की शुरुआत की। शुभारंभ डीएम गौरांग राठी व सदर विधायक के पुत्र प्रखर गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पांडेय ने पगड़ी पहनाकर व पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। डीएम ने कहा कि जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य

नवविवाहित जोड़े को उपहार देते डीएम गौरांग राठी। ● अमृत विचार

● **मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत किया गया आयोजन**

सरकारी योजनाओं का लाभ समाज की अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने प्रशासन की पारदर्शिता व त्वरित कार्यप्रणाली पर भी बल दिया। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने योजना के लाभों के बारे में बताया कि हर कन्या के बैंक खाते में 60 हजार रुपये डीबीटी के माध्यम से भेजे जाएंगे। वैवाहिक जीवन शुरू करने के लिए 25 हजार की जरूरी सामग्री दी गई है। विवाह संपन्न होने के साथ ही सभी जोड़ों को मौके पर ही विवाह प्रमाणपत्र दिये गए।

4793 छात्रों में से 271 ने छोड़ी परीक्षा

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटर की परीक्षाएं दो पालियों में संपन्न हुईं। प्रथम पाली में जिले के सात केंद्रों में परीक्षा होने से किसी भी सचल दल ने भ्रमण नहीं किया। केवल कंट्रोल रूम से निगरानी होती रही।

प्रथम पाली में इंटर कृषि भौतिकी में 32 छात्रों में 29 उपस्थित व तीन अनुपस्थित रहे। जबकि कृषि जंतु विज्ञान में 37 छात्रों में 34 उपस्थित व तीन अनुपस्थित रहे। द्वितीय पाली में इंटर भूगोल की परीक्षा थी। जो जिले के 99 केंद्रों में थी। जिसमें 5 सचल दलों ने करीब 25 केंद्रों का भ्रमण किया। इसमें 4724 परीक्षार्थियों में 4439

कंट्रोल रूम से निरीक्षण करते एसडीएम उदयवीर सिंह। ● अमृत विचार

● **सात केंद्रों में परीक्षा होने से किसी भी सचल दल ने भ्रमण नहीं किया**

उपस्थिति व 265 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार दोनों पालियों में 4793 परीक्षार्थियों में 4522 उपस्थित व 271 अनुपस्थित रहे। जिले स्तर के सचल दल में डीआईओएस, बीएसए, जीआईसी प्रिंसिपल परमात्मा शरण, अदनान हाफीज, कमलेश कुमार के नेतृत्व में निरीक्षण किया। कोई नकलची नहीं मिला। कंट्रोल रूम से निगरानी कर रहे एसडीएम उदयवीर सिंह ने बताया कि सभी केंद्रों में परीक्षा शांतिपूर्वक हुई।

कार्रवाई फर्जी आधार कार्ड बनवाकर कर रहा था नौकरी

चर्म फैक्ट्री में काम कर रहे बांग्लादेशी को एटीएस ने दबोचा

बिछिया उन्नाव

अमृत विचार: दही औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक चर्म इकाई में पहचान छुपा कर काम करने वाले बांग्लादेशी नागरिक को एटीएस व दही पुलिस ने बीती रात छापेमारी कर पकड़ा है। पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया। उसके पास से उन्नाव का बना आधारकार्ड भी मिला है। वह दही थानाक्षेत्र के शिव नगर में रहकर 5 साल से काम कर रहा था। जांच में उसके फोन से बांग्लादेशी होने के दस्तावेज मिले हैं।

एटीएस प्रभारी विक्रम सिंह को बड़ी संख्या में बांग्लादेशियों के उन्नाव के दही औद्योगिक क्षेत्र की मांस निर्यातक इकाइयों में काम करने व फर्जी तरीके से भारतीय दस्तावेज बनवाकर वहीं आसपास किराए के घरों में रहने की जानकारी मिली थी। 25 फरवरी 2025 की रात एटीएस ने मुहल्ला शिवनगर जाने वाले मोड़ पर खड़े बांग्लादेशी सैफुल पुत्र फरीदुल आलम निवासी गांव लंबामथ नंबर 270 नाइकस्यांगछारी मौजा डाकघर चकदला 4660 नाइकस्यांगछारी बंदरबन बांग्लादेश को गिरफ्तार किया। उसके पास एक मोबाइल मिला। मोबाइल में उसके नाम का बना जाली भारतीय आधारकार्ड मिला। बांग्लादेशी ने यह

दबोचा गया बांग्लादेशी। ● अमृत विचार

आधारकार्ड विशाल धर्मकांटा के पते से बनवा रखा था। जिसमें उसकी आयु 29 साल दर्ज थी। उसकी जेब से भारतीय नोट भी मिले। उसके मोबाइल की गैलरी में उसके पिता फरीदुल आलम, मां खदीजा बेगम व फातिमा बेगम निवासी लंबामथ गांव नंबर 270 नाइकस्यांगछारी मौजा डाकघर चकदला 4660 नाइकस्यांगछारी बंदरबन बांग्लादेश की आइडी मिली। जो 24 जून 2008 को जारी हुई थी। पूछताछ में बांग्लादेशी सैफुल ने पहले तो एटीएस को गुमराह करने की कोशिश की फिर कड़ाई से पूछताछ में बताया कि वह मूल रूप से बांग्लादेश का निवासी है। बताया कि उसने 5 से 6 वर्ष पहले बांग्लादेश से बेनापोल 24 परगना पश्चिम बंगाल व खुलना बांग्लादेश बार्डर से अवैध तरीके से भारत में प्रवेश किया था। भारत में आकर करीब एक वर्ष वह मुंबई में रहा और पंखे के रेग्युलेटर बनाने का काम करने लगा। इसके बाद वहां से उन्नाव आ गया। यहां करीब एक वर्ष नूर मोहम्मद की मीट कम्पनी नूर इंटरप्राइजेज में काम किया। इसके बाद से वह दही औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक स्लाटर हाउस में हेल्पर का कार्य कर रहा है। उसने एक दलाल के माध्यम से भारतीय आधारकार्ड बनवाने की बात स्वीकार की। दलाल का नाम वह नहीं बता सका। एटीएस के लखनऊ यूनिट के प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह ने बांग्लादेशी के विरुद्ध दही थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है। दही एसओ ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि बांग्लादेशी को जेल भेजा जा रहा है।

महिला ने 4 के विरुद्ध घर में घुसकर मारपीट करने का लगाया आरोप, रिपोर्ट

सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के गांव फाजिलपुर निवासी शिवराम व उसके पुत्र आलोक सहित 4 लोगों ने गांव निवासी महिला के घर पर चढ़ाई कर गाली गलौज की और उन्हें जमकर पीटा। जाते समय जान से मारने धमकी भी दी। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने 4 के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही शुरू की है। पीड़िता सुनीता पत्नी सोहन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 18 फरवरी की शाम 7 बजे जब वह घर पर थी तभी शिवराम पुत्र मुल्ला, आलोक पुत्र शिवराम, जगतपाल पुत्र मुन्नी लाल, अनिरुद्ध पुत्र राधेश्याम ने उसके घर पर चढ़ाई की और गालीगलौज करते हुए मारपीट की। जब उसने शोर मचाया तो उसका पुत्र मौके पर पहुंचा। तो इन लोगों ने उसे भी पीटकर गंभीर घायल कर दिया।

महाराजा माहे पासी की स्मृति में हुआ सामाजिक जागरूकता सम्मेलन और आल्हा गायन

उन्नाव, अमृत विचार : नेवरना गांव स्थित पासी किला में महाराजा माहे पासी युवा सेवा समिति द्वारा सामाजिक जागरूकता सम्मेलन, आल्हा गायन व भंडारा आयोजित हुआ। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद कारागार मंत्री सुरेश राही ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि महाराजा माहे पासी जैसे वीरों का इतिहास हमें स्वाभिमान से जीने की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से शिक्षित बनने व समाज के उत्थान में योगदान देने का आह्वान किया। सिधौली विधायक मनीष रावत ने कहा

मुख्य अतिथि का हुआ स्वागत।

कि इस तरह के आयोजनों से न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित रहती है बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर भी मिलता है। कलाकारों ने पारंपरिक आल्हा गायन के माध्यम से महाराजा माहे पासी की वीरता का बखान किया। जिसे सुन श्रोता भाव विभोर हो गए। समापन पर भंडारा आयोजित हुआ। इसमें लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान भगवत प्रसाद रावत, शवशरण प्रसाद, सुशील रत्नाकर, देशराज रावत, अनोद रावत आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार

शुक्रवार, 27 फरवरी 2026

स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है। संतोष सबसे बड़ा धन है। वफादारी सबसे बड़ा संबंध है।
–महात्मा बुद्ध

पाठ्यपुस्तक और प्रतिष्ठा

यदि किसी संवैधानिक संस्था- विशेषकर न्यायपालिका को त्रुटिपूर्ण या भ्रामक तथ्यों के आधार पर प्रस्तुत किया जाए, तो उसका प्रभाव केवल अकादमिक नहीं, संस्थागत विश्वसनीयता पर भी पड़ता है। कैशोर्य में स्थापित धारणा दीर्घकालिक होती है। अतः कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' संबंधी संदर्भों पर सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप और असाधारण कड़ा रुख पूरी तरह सही है, हालांकि इस कठोर प्रतिक्रिया को देख कर यह प्रश्न स्वाभाविक है कि एनसीईआरटी द्वारा अतीत में इतिहास, राजनीति, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की पुस्तकों में हुए विवादित बदलावों पर सर्वोच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान ले कर ऐसी त्वरित कारगुजारी क्यों नहीं की? संभवतः न्यायालय सामान्यतः नीतिगत-शैक्षिक सामग्री में हस्तक्षेप से बचता है पर संविधान-विरोध या गंभीर विधिक उल्लंघन के मामले में अधिक सक्रिय रहता है।

न्यायालय द्वारा आपत्तिजनक सामग्री पर रोक, पुनर्मुद्रण रोकना और डिजिटल प्रसार पर प्रतिबंध तकनीकी युग में पूर्णतः लागू करना कठिन अवश्य है, पर यह स्पष्ट संदेश देता है कि संस्थागत प्रतिष्ठा से समझौता नहीं होगा, हालांकि दीर्घकालिक समाधान सेंसरशिप नहीं, बल्कि गुणवत्ता-नियंत्रण और संतुलित अकादमिक विमर्श है। जाहिर है पुस्तक के उक्त अध्याय में न्यायपालिका के मात्र दोषों का उल्लेख हो और राजनीति व व्यवस्थापिका की समांतर चर्चा न हो, तो यह संतुलनहीनता है। यदि देश में भष्टाचार चहुंओर है, तो लोकतंत्र की तीनों शाखाओं में उसकी व्याप्ति को समग्रता में पढ़ाया जाना चाहिए। न्यायपालिका की ऐतिहासिक उपलब्धियों मौलिक अधिकारों की रक्षा, जनहित याचिकाएं, आपातकालीन दुरुपयोग पर अंकुश का उल्लेख न होना, अधूरा चित्र प्रस्तुत करता है। एनसीईआरटी का यह कहना कि त्रुटि 'अनजाने' में हुई, सहज स्वीकार्य नहीं। पाठ्यपुस्तक निर्माण बहु-स्तरीय प्रक्रिया है। लेखन, समीक्षा, संपादन, विशेषज्ञ समिति और उच्चस्तरीय स्वीकृति। यदि इन सबके बाद भी तथ्यात्मक या संदर्भगत भूल रह गई, तो जानबूझकर की गई क्यों न मानी जाए। सार्वजनिक खेद स्वागतयोग्य है पर इसकी आड़ ले, दायित्व से बचने की बजाए पारदर्शी जांच, जिम्मेदारी तय करने और सुधारात्मक उपाय लागू होने चाहिए। दोष केवल एनसीईआरटी तक सीमित नहीं हो सकता। शिक्षा मंत्रालय और व्यापक नीतिगत ढांचा भी इसके लिए समान रूप से उत्तरदायी हैं। पाठ्यक्रम परिवर्तन अक्सर राजनीतिक-सामाजिक विमर्श से प्रभावित होते हैं, ऐसे में पारदर्शिता और बहु-विचारधारात्मक समीक्षा अत्यंत अनिवार्य है। यदि यह सिद्ध हो कि प्रकाशन न्यायपालिका को कलंकित करने के उद्देश्य से जानबूझकर किया गया, तो यह गंभीर कदाचार है। तथ्यों का विकृतिकरण, शिकायतों की संख्या को संदर्भ-विहीन प्रस्तुत करना या पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की टिप्पणियों को गलत अर्थ में उद्धृत करना, ये सब संस्थागत अवमानना की सीमा तक जा सकते हैं और भारी सज़ा की वजह बन सकते हैं, पर आपराधिक अवमानना तब बनती है जब न्याय के प्रशासन में बाधा उत्पन्न हो या न्यायालय की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने का उद्देश्य स्पष्ट हो, किंतु इसके लिए दुर्भावना और आशय का प्रमाण आवश्यक है।

प्रसंगवश

अल्फ्रेड पार्क के अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद

भारतीय इतिहास के आकाश में 27 फरवरी का दिन उस नक्षत्र की याद दिलाता है, जिसकी चमक से ब्रिटिश साम्राज्यवाद की आंखें चौंधिया गईं थीं। यह दिन उस महामानव के बलिदान का साक्षी है, जिसने अपनी प्रतिज्ञा को अपने प्राणों से भी ऊंचा स्थान दिया। चंद्रशेखर आजाद, एक ऐसा नाम, जिसके स्मरण मात्र से धमनियों में रक्त का संचार तीव्र हो जाता है और हृदय में राष्ट्र भक्ति का ज्वार उमड़ पड़ता है। आजाद केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार थे, एक ऐसी जलती हुई मशाल थे, जिसने गुलामी के घोर अंधकार में करोड़ों भारतीयों को स्वतंत्रता का मार्ग दिखाया। उनका संपूर्ण जीवन एक ऐसी महागाथा है, जिसका प्रत्येक अध्याय साहस, त्याग और स्वाभिमान की स्याही से लिखा गया है।

मध्य प्रदेश के भाबरा गांव में 23 जुलाई 1906 को जन्मे चंद्रशेखर सीताराम तिवारी का बचपन अभावों की गोद में बीता। उनके पिता एक

श्वेता गोयल
शिक्षिका

साधारण किसान थे, जो कड़ी मेहनत से परिवार का भरण-पोषण करते थे, लेकिन उस बालक की आंखों में नियति ने कुछ और ही स्वप्न सजो रखे थे। वे बचपन से ही निडर और साहसी थे, अन्याय को सहना उनके स्वभाव में नहीं था। जब 1921 में महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन की पुकार काशी की गलियों में गूंजी तो 14 वर्ष का यह बालक अपनी पढ़ाई छोड़कर राष्ट्र की वेदी पर आ खड़ा हुआ।

काशी की तंग गलियों में हाथ में तिरंगा लिए जब वह बालक अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध गर्जना कर रहा था, तब किसी ने नहीं सोचा था कि यह छोटा सा किशोर आगे चलकर ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला देगा। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया और मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया। उस कचहरी का दृश्य आज भी रोंगटे खड़े कर देता है। मजिस्ट्रेट ने जब रौब से नाम पूछा तो बालक ने निर्भय होकर उत्तर दिया, 'आजाद'। पिता का नाम पूछने पर कहा, 'स्वतंत्रता' और निवास का पता बताया, 'जेलखाना'। मजिस्ट्रेट इस धृष्टता पर तिलमिला उठा और उसने 14 साल के उस कोमल शरीर को 15 कोड़ों की सजा सुनाई।

सरेआम उस बच्चे को निर्वस्त्र कर टिकटी से बांध दिया गया। भारी और मोटे बेंत का हर प्रहार उसकी खाल उधेड़ रहा था। पीठ से खून के फव्वारे छूट रहे थे, लेकिन उस बालक की आंखों में दर्द नहीं, बल्कि एक अलौकिक गर्व था। हर कोड़े की मार पर वह पूरी ताकत से चिल्लाता था, 'वंदे मातरम!', 'भारत माता की जय!' 15 कोड़े पूरे होने तक उसका शरीर मांस का लोथड़ा बन चुका था, हड्डियां दिखाई देने लगी थीं, लेकिन उस वीर ने एक भी आंसू नहीं गिराया। जेल के डॉक्टर जब घावों पर दवा लगाते तो वह बच्चा दर्द से तड़पता जरूर था पर उसके होंठों पर मुस्कान और हृदय में प्रतिशोध की ज्वाला थी। इसी दिन से वह दुनिया के लिए 'आजाद' बन गए।

असहयोग आंदोलन के वापस लिए जाने से आजाद का मोहभंग हुआ और वे सशस्त्र क्रांति की ओर मुड़ गए। उनकी क्रांतिकारी यात्रा का एक स्वर्णिम पड़ाव 'काकोरी कांड' था। नौ अगस्त 1925 को लखनऊ के पास सरकारी खजाने से भरी ट्रेन को लूटकर क्रांतिकारियों ने फिरंगियों को सीधी चुनौती दी। इस कांड के बाद कई साथी पकड़े गए, लेकिन अपनी चतुराई और वेश बदलने की कला में माहिर आजाद पुलिस की आंखों में धूल झोंककर बच निकले। संगठन बिखर चुका था पर आजाद का हौसला नहीं। 1928 में उन्होंने भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु जैसे युवा मेधावियों के साथ मिलकर 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' की नींव रखी। आजाद इस संगठन के सेनापति थे। भगत सिंह जैसे प्रखर बुद्धिजीवी भी उन्हें अपना मार्गदर्शक मानते थे।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

आतंकवाद से निपटने के लिए भारत का 'प्रहार'

विवेक सक्सेना
अयोध्या

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आतंकवाद विरोधी नीति जारी की है। इसे आतंकवाद के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस के तहत सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को अपनी पहली राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी नीति और रणनीति, 'प्रहार' जारी कर राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और निर्णायक बदलाव किया है। ये नीति ऐसे समय में जारी की गई है, जब देश सीमापार प्रयोजित आतंक, ड्रोन आधारित हमले, हथियारों की तस्करी, साइबर हमले और आतंकियों के स्लीपर सेल आदि गंभीर चुनौतियों का लगातार सामना कर रहा है। गृह मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड किए गए स्ट्रेटेजी डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि 'भारत आतंकवाद को किसी खास धर्म, जाति, राष्ट्रीयता या सभ्यता से नहीं जोड़ता है।' देश लंबे समय से सीमा पार से 'प्रायोजित आतंकवाद' से प्रभावित रहा है, जिसमें 'जिहादी आतंकी संगठन और उनके फ्रंटल संगठन' हमलों की प्लानिंग करते रहते हैं और उन्हें अंजाम देते हैं।

डार्क वेब और क्रिप्टो-फाइनेंसिंग जैसे आधुनिक खतरे भी देश के लिए बड़ी चुनौती हैं। यह नीति जल, थल और वायु तीनों मोर्चों पर सुरक्षा को मजबूत करने और बुनियादी ढांचे की रक्षा करने पर जोर देती है। इसमें अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) जैसे वैश्विक आतंकी समूहों का नाम लेते हुए कहा गया है कि उन्होंने स्लीपर सेल के जरिए भारत में हिंसा भड़काने की कोशिश की है, जबकि दूसरे देशों से काम करने वाले हिंसक अतिवादियों ने आतंवाद को बढ़ावा देने की साज़िशें रची हैं।

पहलगाम में आतंकियों के हाथों हुआ नरसंहार केवल निर्दोष लोगों के जीवन पर हमला नहीं था। यह भारत की अंतरात्मा पर भी किया गया आक्रमण था। इसके प्रत्युत्तर में भारत ने आतंकवाद रोधी कार्रवाई की नियम पुस्तिका के पुनर्लेखन का निर्णय लिया।

'प्रहार' का अर्थ है 'स्ट्राइक्स', जो भारत के 'जीरो-टॉलरेंस' दृष्टिकोण को एक मजबूत और सक्रिय ढांचा प्रदान करता है। यह नीति सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। आतंकी संगठन जिस तरह लगातार संगठित हमले और गतिविधियां कर रहे हैं, उसे देखते हुए यह समय की मांग है कि इससे सख्ती से निपटा जाए और इसके लिए रणनीतियों में भी एक समन्वय हो। यही वजह है कि सात मुख्य स्तंभों पर आधारित 'प्रहार' में आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक प्रयासों में तालमेल बैठाने पर भी खासा जोर दिया गया है। गृह मंत्रालय ने एफआईआर दर्ज करने से लेकर मुकदमा चलाने तक, जांच के हर स्तर पर कानूनी जानकारों को शामिल करने का सुझाव दिया है, ताकि अपराधियों के खिलाफ केस मजबूत हो सके।

इस नीति में आतंकवादी हमलों को होने से पहले ही रोकना। खतरे के अनुरूप त्वरित और कठोर जवाब। पूरे सरकारी दृष्टिकोण के साथ आंतरिक क्षमताओं को एक साथ लाना। विधि के शासन का पालन करते हुए कार्रवाई करना। कट्टरपंथ के कारणों को समाप्त करना। अंतर्राष्ट्रीय और खुफिया जानकारी साझा करना। 'संपूर्ण-समाज' दृष्टिकोण के माध्यम से सुरक्षा को मजबूत करने पर खासा जोर दिया गया है। इसमें यह भी बताया गया है कि विदेश में मौजूद ग्रुप हमले करने के लिए लोकल इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स और इलाके की जानकारी पर ज़्यादा निर्भर हो रहे हैं।

'प्रहार' नीति न केवल आतंकवाद को एक आपराधिक कृत्य मानती है, बल्कि उसे एक व्यापक 'शत्रुतापूर्ण नेटवर्क' के रूप में देखती है। यह नीति 2025 में 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी निर्णायक कार्रवाइयों के बाद के सुरक्षा परिदृश्य के अनुकूल है, जो पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद को कड़ी चुनौती देती है। भारत अब अपनी सुरक्षा नीति में रक्षात्मक से आक्रामक प्रतिरोध की ओर मजबूती से बढ़ गया है। यह नीति आतंकवाद के खिलाफ मोदी की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति है।

आतंकवाद के खिलाफ प्रधानमंत्री मोदी अपने सिद्धांत और उसके तीन स्तंभ पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं। पहले प्रमुख स्तंभ में आतंकवादी घटनाओं का भारत की शर्तों पर निर्णायक उत्तर निहित है। भारत पर किसी भी आतंकवादी हमले का भारत की शर्तों पर ही करारा जवाब दिया जाएगा। देश आतंकवाद की जड़ों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि इसकी साजिश रचने वाले और प्रायोजक अपनी करनी का फल अवश्य भुगतें। भारत परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियों या दबाव के आगे बिल्कुल नहीं झुकेगा।

इसमें इस बात पर भी बल दिया गया है कि परमाणु हथियारों को ढाल बनाकर आतंकवाद का बचाव करने के किसी भी प्रयास का सटीक और निर्णायक कार्रवाई से जवाब दिया जाएगा। आतंकवादियों को शरण देने, उन्हें धन देने या उनके लिए धन की व्यवस्था करने या आतंकवाद का समर्थन करने वालों को भी उनके समान ही परिणाम भुगतने पड़ेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं कि नीति का वास्तविक परीक्षण इसके क्रियान्वयन से ही होगा।

किसी भी नीति की सफलता व्यक्ति या संस्था विशेष पर ही निर्भर नहीं करती है। इसके लिए देश की सभी खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों, पुलिस व अर्धसैनिक बलों इत्यादि के बीच उचित समन्वय, संसाधन के साथ-साथ तकनीकी क्षमता का विस्तार और दृढ़ इच्छा शक्ति भी नियमित बेहद जरूरी होगी। इसकी सफलता अब इसके प्रभावी कार्यान्वयन, आधुनिक तकनीक में निवेश और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय पर निर्भर करेगी। ऐसा होने के बाद ही 'प्रहार' सही मायने में देश को आतंकवाद से मुक्त कराने की दिशा में मजबूत और कारगर साबित होगा। भविष्य की दिशा 'प्रहार' राज्य-प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ सीमा-पार कार्रवाई को वैध बनाती है और वैश्विक मंचों पर सहयोग बढ़ाती है। यह पूर्व-सक्रिय रणनीति से भारत को मजबूत बनाएगी, लेकिन क्षमता निर्माण और कानूनी सुधार आवश्यक हैं।

आमने सामने

लिखित उत्तर और मंत्री की तरफ से दिया गया जवाब अलग-अलग है। मंत्री बहुत सज्जन, सीधे हैं और बाड़मेर के प्रभारी मंत्री हैं, लेकिन बाड़मेर जाते हैं, तो इन्हें काम नहीं करने दिया जाता। गृह क्षेत्र पाली में रहते हैं, तो वहां भी इन्हें काम नहीं करने दिया जाता।

–हरीश चौधरी
कांग्रेस विधायक, राजस्थान

जिनके घर शीशे के बने होते हैं, वह दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंका करते। कांग्रेस की सरकार के समय जो दावे आए थे, उनमें से 21 के क्लेम का निस्तारण हमारी सरकार ने किया। आपकी तो पूरी योजना ही फेल हो गई। हम तो 42 लाख पशुओं के बीमा करेंगे।

–जोराराम कुमावत
पशुपालन मंत्री, राजस्थान सरकार

कनिंघम ने नहीं, जगत सिंह ने खोजा था सारनाथ

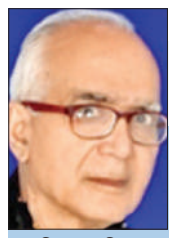

निरंकार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

विश्वविख्यात बौद्ध तीर्थस्थल सारनाथ की खोज के ऐतिहासिक तथ्य इस बात की पुष्टि करते हैं कि इसकी खोज वाराणसी के बाबू जगत सिंह ने की थी। बाद में इसकी खोज का श्रेय एलेक्जेंडर कनिंघम ने लिया। उन्होंने बाबू जगत सिंह की सूचनाओं की सही जानकारी भी नहीं दी, हालांकि बाबू जगत सिंह की सूचनाओं के आधार पर कनिंघम ने इसका उत्खनन कराया और वहां तमाम मूर्तियां भी मिलीं, जो आज सारनाथ संग्रहालय में रखी हुई हैं। अब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग ने ऐतिहासिक तथ्यों की गहन छानबीन के बाद बाबू जगत सिंह के योगदान को स्वीकार कर लिया है।

अब तक इसकी खोज का श्रेय अलेक्जेंडर कनिंघम को दिया जाता था। पर यह पूरा सच नहीं है, दरअसल इसकी खोज वाराणसी के बाबू जगत सिंह ने की थी। इस बौद्ध स्थल की खोज का इतिहास उल्लेखनीय और आकर्षक है। यह शानदार और अकल्पनीय रूप से विश्व के सामने आया। 1787 के आसपास एक विशिष्ट घटना घटी, जिसके पश्चात् इस स्थान ने विद्वानों, भिक्षुओं और पुरातत्वविदों का ध्यान आकर्षित करना आरंभ किया। लगभग 1787 में स्थानीय राजपरिवार के सदस्य और सारनाथ के जमींदार बाबू जगत सिंह को इस क्षेत्र में उपलब्ध ईंटों और पत्थरों के अंबार का पता चला।

उन्होंने अपने नाम पर नगर में एक बाजार निर्मित करवाने के लिए इस निर्जन क्षेत्र को खोदकर यहां से आवश्यक निर्माण सामग्री प्राप्त करने का मन बनाया तथा मजदूरों को इस काम में लगा दिया गया। यह बाजार आज भी नगर में है और उन्हीं के नाम पर जगतगंज नाम से विख्यात है। धमेख स्तूप से पश्चिम में लगभग 520 फीट (158.5 मीटर) की दूरी पर ईंटों और पत्थरों के ढेर को खोद निकाला गया। स्तूप के टीले से निर्माण सामग्री की खोदाई करते समय एक गोलक-रूप बलुआ पत्थर के बक्से के भीतर एक बेलनाकार हरे रंग की संगमरमर की मंजूषा मिली।

बलुआ पत्थर का बक्सा और संगमरमरी मंजूषा सतह से अट्ठारह हाथ की गहराई पर पाए गए थे। संगमरकर के बक्से में मानव हड्डियां, क्षरित मोती, सोने की पत्तियां और अन्य मूल्यवान रत्न भी मिले थे। कालावधि में अस्थियों को गंगा नदी में विसर्जित कर दिया गया और दोनों बक्सों को कलकत्ता (कोलकाता) स्थित एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल को सौंप दिया गया। बक्सों और वस्तुओं के अतिरिक्त उसी स्थान पर भूमिगत बुद्ध की एक मूर्ति भी पाई गई थी, जिस मूर्ति के नीचे पाल राजा महिपाल का एक शिलालेख था।

यह विक्रम संवत 1083 (ईस्वी सन् 1026) का दिनांकित शिलालेख है, हालाँकि 1835 में प्रकाशित कनिंघम की उत्खनन रिपोर्ट के साथ डंकन के आलेख को विश्लेषित करने पर एक अलग ही तस्वीर उभरती है। कनिंघम के अनुसार चुनार के बलुआ पत्थर का बक्सा स्तूप के अंदर 1835 में पाया गया था। उन्होंने इसे पास के गांव के एक व्यक्ति (संगकर या शंकर) द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर खोजा था, जो 1787 में स्तूप की खोदाई करने वाली टीम के मजदूरों में से एक था।

उन्होंने बताया है कि बाबू जगत सिंह ने बलुआ पत्थर के बक्से को उसकी मूल स्थिति में ही छोड़ दिया था और मंजूषा के अंदर पाई गई हड्डियों को गंगा नदी में प्रवाहित करा दिया। गंगा नदी में अस्थि-विसर्जन हिंदू परंपराओं में दाह-संस्कार के बाद का महत्त्वपूर्ण संस्कार है। कनिंघम के अनुसार उन्हें एक मोटी गोलाकार दीवार अछूती मिली। पाया गया अवशेष एक ईंट के अर्धगोलाकार स्तूप के अंदर रखा गया था, जिसका व्यास 49 फीट था, जो एक आवरण ईंट की दीवार से ढका हुआ था।

बाबू जगत सिंह के मजदूरों ने केवल आंशिक रूप से संरचना के आधे हिस्से में पत्थर के बक्से से लगभग छह फीट की ऊंचाई तक ईंटों की ही खोदाई की थी और बक्से को अछूता छोड़ दिया गया था। इस स्तूप का पूर्ण उत्खनन अठारह वर्ष बाद मेजर किट्टो द्वारा करवाया गया। इस प्रकार सारनाथ में स्तूप की खोदाई के संबंध में कुछ बातें स्पष्ट हैं- पहला, यह अनजाने में हुई थी और कोई नहीं जानता था कि यह स्थान पुरातात्विक महत्व का एक प्राचीन बौद्ध स्थल था। जैसे ही बाबू जगत सिंह को इसके महत्व के बारे में पता चला, उन्होंने हर संभव कोशिश की थी कि इस स्थान की क्षति और न हो।

दूसरे, बाबू जगत सिंह के मजदूर को 1787 में खोदाई के दौरान जो दो बक्से मिले, उन्हें एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल को सौंप दिया गया था, जहां से वे कालांतर में गायब हो गए। बलुआ पत्थर का बक्सा स्तूप के अंदर अपने मूल स्थान पर छोड़ दिया गया और अन्ततः कनिंघम द्वारा बाहर निकाला गया। बाबू जगत सिंह ने कभी भी स्तूप को पूर्णतः नष्ट नहीं किया। स्तूप के सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्त्व को समझने के बाद उन्होंने इस स्थल की सुरक्षा की। मोटी आवरण वाली दीवार के अंदर मूल स्तूप का एक बड़ा हिस्सा वैसे ही छोड़ दिया गया था। समय के साथ आवरण दीवार के अंदर मूल स्तूप की खोदाई कनिंघम और बाद में अन्य ब्रिटिश पुरातत्त्वविदों द्वारा की गई थी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

विश्वविख्यात बौद्ध तीर्थ सारनाथ की खोज बाबू जगत सिंह ने की थी। बाद में इसका श्रेय एलेक्जेंडर कनिंघम ने ले लिया।

सोशल फोरम

रटने की पीड़ाभरी परंपरा

आप कहती हैं कि आप गलत बोल रहे हैं.. 'मेरा बेटा ख़ुद कोटा जा कर पढ़ना चाहता था, इसलिए मैं उसे कोटा ले कर गई पढ़ाने। मेरा बेटा ख़ुद JEE क्रैक करना चाहता था। खूब पढ़ना चाहता था, मैंने दबाव नहीं डाला कभी।'

ये स्टेटमेंट आपका भ्रम हैं। आपकी अपनी लालसाएं हैं, जिन्हें आप अपने बच्चों पर थोप कर उन्हें अपना बताती हैं। आपका ये स्टेटमेंट बिलकुल वैसा ही है, जैसे मुस्लिम घरों में पैदा हुई लड़की कहती है कि 'हिजाब पहनना मेरी पसंद है। हिजाब मेरा प्राइड है और मुझे किसी ने कभी हिजाब या बुरका पहनने के लिए दबाव नहीं बनाया।'... ऐसे ही आपका बेटा कोटा में पढ़ना चाहता है। बिलकुल ऐसे ही जैसे वो हिजाब पहनना चाहती है।

सिद्धार्थ ताबिश
ब्लॉगर

हिंदू घरों में पैदा हुई लड़कियां हिजाब क्यूं नहीं पहनने को लालायित रहती हैं, क्या आपने कभी सोचा है? हिंदू लड़कियों के लिए हिजाब उनका गर्व या प्राइड क्यूं नहीं बनता है क्या आपने सोचा है? ये सिर्फ़ रुढ़िवादी मुस्लिम परिवार में पैदा हुई लड़कियां ही क्यूं कहती हैं?

कोई भी बच्चा 25 साल तक किताबें रटना नहीं चाहता है। ये इतनी बड़ी पीड़ादायक परंपरा है, जो आप 'नशे' में रहते हुवे सोच भी नहीं सकते। कोई भी लड़का स्वयं से कभी कोटा जा कर 25 साल तक किताबें रटना नहीं चाहता। धर्म में तो फिर भी आप्शन है और लड़के वहां बगावती हो जाते हैं, वो नमाज़ नहीं पढ़ते हैं, पूजा नहीं करते हैं, मगर शिक्षा के मामले में आपने कोई भी आप्शन अपने बच्चों के आगे नहीं छोड़ा होता है।

यहां तक कि अगर आपका बेटा घर पर बैठकर ओपन स्कूल से स्टडी करना चाहे, जो कि सरकारी तौर पर उतना ही मान्य है. जितना रेगुलर बोर्ड, तो आप उसे वो भी आप्शन नहीं देते हैं। आपको इस तरह का नशा है, बच्चों को स्कूल भेजने का, कोटा भेजने का, कोचिंग में भेजने का कि आपके घरों में इसके आलावा कोई बात ही नहीं होती है। अब बारहवीं कर लिया तो अब आगे क्या, जाओ कोचिंग करो, ये एग्जाम निकालो, वो पास करो ये करो वो करो। बस!

कोटा, कोचिंग, स्कूल और कॉलेज आपके बनाए हैं। वयस्कों ने बनाया है। बच्चों ने नहीं बनाया है। आपने बच्चों के लिए पार्क में आठ घंटे खेलने का आप्शन बनाया होता, वो आठ घंटे खेलते। आपने उन्हें 'कोटा' का ही एक आप्शन दिया है। जीवन में तो वो बेचारे उसे न चुनें तो और क्या चुनेंगे?

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

कचरे पर न्यायपालिका के निर्देश और सच्चाई

सुप्रीम कोर्ट ने ठोस कचरा प्रबंधन नियमों के ठीक से पालन न होने पर चिंता जताई है और पहली अप्रैल 2026 से लागू होने वाले नए नियमों को प्रभावी बनाने के लिए कई निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि साफ और स्वस्थ पर्यावरण में जीना, जीवन के अधिकार का ही अहम् हिस्सा है। यह मामला भोपाल नगर निगम की उन अपीलों से जुड़ा था, जो नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश के खिलाफ दायर की गई थीं।

अदालत ने कहा है कि अभी कानून में सुधार का इंतजार करना ठीक नहीं है, क्योंकि कचरे की खराब व्यवस्था से लोगों के स्वास्थ्य और देश की अर्थव्यवस्था दोनों पर असर पड़ता है। कोर्ट ने माना कि पूरे देश में कचरा प्रबंधन नियमों का पालन समान रूप से नहीं हो रहा है और घरों से गीला-सूखा-खतरनाक कचरा अलग-अलग करने की व्यवस्था अभी तक भी पूरी तरह से लागू नहीं हो पाई है। बड़े शहरों में बढ़ते कचरे के ढेर भी चिंता का कारण हैं। कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, 'अब नहीं तो कभी नहीं' और स्पष्ट किया कि अगर स्रोत पर कचरा अलग नहीं होगा और जरूरी सुविधाएं नहीं होंगी, तो अच्छे परिणाम की उम्मीद करना व्यर्थ है। अदालत ने पार्षदों, महापौरों और वार्ड प्रतिनिधियों को कचरा अलग कराने के लिए जिम्मेदार 'लीड फैसिलिटेटर' बनाने को कहा, ताकि हर नागरिक नियमों का पालन करे।

सुनील कुमार महला
लेखक

लीड फैसिलिटेटर वह व्यक्ति होता है जो किसी कार्यक्रम, प्रशिक्षण, कार्यशाला या परियोजना में पूरे समूह की प्रक्रिया का नेतृत्व करता है और यह सुनिश्चित करता है कि गतिविधियां सही दिशा में और निर्धारित उद्देश्यों के अनुसार चलें। अच्छी बात यह है कि सभी नगर निकायों को 100% पालन के लिए समय-सीमा तय कर सार्वजनिक करने, प्रगति की फोटो जिलाधिकारी को भेजने और बड़े कचरा उत्पादकों से 31 मार्च तक नियमों का पालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है। इतना ही नहीं, प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को चार तरह के कचरे (गीला, सूखा, सैनिटरी और विशेष) के अलग-अलग प्रबंधन की व्यवस्था जल्दी तैयार करने को कहा गया है।

अदालत ने पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्देश दिया कि कचरा प्रबंधन नियमों को स्कूल की पढ़ाई में शामिल किया जाए। अब नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई होगी। पहले जुर्माना, बार-बार उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई और जरूरत पड़ने पर आपराधिक केस भी दर्ज किया जा सकता है। लापरवाही करने वाले अधिकारी भी दायरे में आएंगे। कोर्ट ने मोबाइल अदालतों की संभावना पर भी विचार करने की बात कही है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि पहली अप्रैल 2026 से देश के सभी न्यायालयों और संस्थानों में भी कचरा प्रबंधन नियमों का पालन होना चाहिए। नगर निकायों को लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए अभियान चलाने होंगे, जैसे कचरा कम करना, घर में खाद बनाना और सैनिटरी कचरे को सुरक्षित तरीके से पैक करना। ये सभी निर्देश, इसलिए दिए गए हैं ताकि पहली अप्रैल 2026 से पहले पूरी तैयारी हो सके और नियम सही तरीके से लागू किए जा सकें।

कोर्ट ने सही चिंता जताई है कि ठोस कचरा प्रबंधन केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। नियमों के कमजोर अनुपालन, स्थानीय निकायों की जवाबदेही की कमी और योजनाओं जैसे अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन तथा स्मार्ट सिटीज मिशन में खामियों के कारण समस्या बढ़ी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

खोज

ताले का आविष्कार

ताला मानव सभ्यता के सबसे प्राचीन सुरक्षा साधनों में से एक है। माना जाता है कि ताले का प्रारंभ लगभग चार हजार वर्ष पूर्व हुआ। सबसे पुराने ताले प्राचीन मिस्र तथा मेसोपोटामिया में पाए गए हैं। ये ताले प्रायः लकड़ी के बने होते थे और कुंडी-खूंटी की विशेष व्यवस्था पर आधारित थे। जब चाबी भीतर डाली जाती थी, तो लकड़ी की खूंटियां ऊपर उठती थीं और द्वार खुल जाता था।

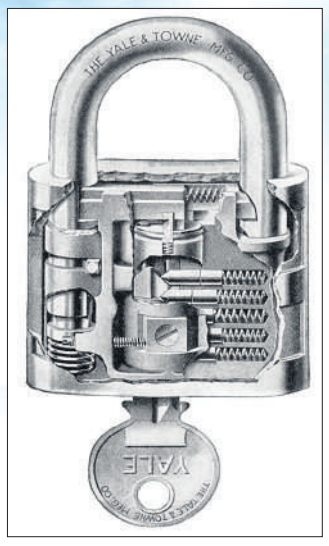

इसके पश्चात प्राचीन रोम में धातु के ताले और चाबियां बनने लगीं। रोमन शिल्पकारों ने लोहे और पीतल से छोटे, परंतु अधिक सुदृढ़ ताले बनाए। इससे सुरक्षा की व्यवस्था अधिक प्रभावी हुई। मध्यकाल में यूरोप में ताले केवल सुरक्षा का साधन ही नहीं रहे, बल्कि उन पर सुंदर नक्काशी और कलात्मक आकृतियां भी बनाई जाने लगीं।

आधुनिक ताले के विकास में उन्नीसवीं शताब्दी का विशेष योगदान रहा। सन् 1861 में अमेरिकी आविष्कारक लिनस येल जूनियर ने आधुनिक पिन-टंबलर सिलिंडर लॉक का पेटेंट कराया। यह प्रणाली आज भी व्यापक रूप से प्रचलित है और "येक लॉक" के नाम से जानी जाती है। इसने ताले को अधिक सुरक्षित, छोटा और उपयोग में सरल बना दिया। इस प्रकार ताले का आविष्कार किसी एक व्यक्ति की देन नहीं है, बल्कि यह हजारों वर्षों में विकसित हुई तकनीकों का परिणाम है। प्राचीन लकड़ी के साधारण ताले से लेकर आज के अंक-संकेत तथा अंगुली-छाप से खुलने वाले आधुनिक तालों तक, ताले ने मानव जीवन में सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वैज्ञानिक के बारे में

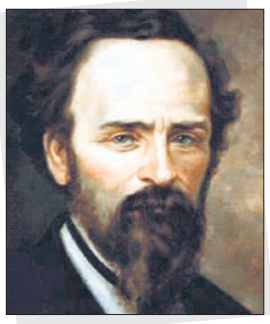

लिनस येल जूनियर का जन्म 4 जून 1821 को संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य में हुआ था। उनके पिता लिनस येल सीनियर भी ताला निर्माण के क्षेत्र में कुशल कारीगर और आविष्कारक थे, जिससे उन्हें बचपन से ही इस कार्य का अनुभव मिला। येल जूनियर ने प्रारंभ में बैंक तिजोरियों की सुरक्षा प्रणाली पर काम किया, लेकिन बाद में छोटे और सुरक्षित सिलिंडर ताले के विकास में जुट गए। वे अत्यंत परिश्रमी और नवाचारप्रिय व्यक्तित्व के धनी थे। 1868 में उनका निधन हो गया, किंतु उनका आविष्कार आज भी विश्वभर में प्रचलित है।

सीपियां: जलीय दुनिया की खामोश नायिकाएं

नदी की तलहटी में आधी गड़ी हुई या समुद्र के किनारे चट्टानों से चिपकी हुई सीपों में न तो कोई चमक-दमक होती है, न कोई तेज गति। वे न दिखावटी हैं, न ही हमारी रोजमर्रा की नजरों में आती हैं। फिर भी पूरी जलीय दुनिया बहुत हद तक इन्हीं खामोश जीवों पर टिकी हुई है। अगर सीपों को एक पंक्ति में समझना हो, तो कहा जा सकता है कि वे पानी की सफाईकर्मी हैं और ऐसे सफाईकर्मी, जो बिना थके, बिना रुके अपना काम करते रहते हैं।

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

एक सीप प्रतिदिन 20-40 लीटर छान सकती है पानी

सीप अपने शरीर में लगातार पानी खींचती हैं। इस पानी में मौजूद गंदगी, सूक्ष्म कण, बैक्टीरिया, शैवाल, रसायन और यहां तक कि भारी धातुओं को भी वे छान लेती हैं और अपेक्षाकृत साफ पानी वापस पर्यावरण में छोड़ देती हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, सामान्य आकार की एक सीप प्रतिदिन 20 से 40 लीटर तक पानी छान सकती है। अब कल्पना कीजिए, यदि किसी नदी, झील या समुद्री तट पर हजारों या लाखों सीपें हों, तो वे कितनी विशाल मात्रा में पानी को स्वाभाविक रूप से साफ रखती होंगी। दुनियाभर में सीपों की 1200 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें से लगभग 1000 प्रजातियां मीठे पानी में और शेष समुद्री जल में निवास करती हैं। दिलचस्प तथ्य यह है कि मीठे पानी की सीपों की सबसे अधिक विविधता उत्तरी अमेरिका में मिलती है, जहां अकेले लगभग 300 प्रजातियां मौजूद हैं। यूरोप में करीब 16 प्रमुख प्रजातियां पाई जाती हैं, जबकि एशिया में भी मीठे पानी और समुद्री, दोनों तरह की सीपों की संख्या काफी अधिक है। चीन, भारत, जापान और दक्षिण-पूर्व एशिया के देश सीपों की जैव विविधता और खेती दोनों के लिए जाने जाते हैं।

जीवन चक्र और मोती बनने की प्रक्रिया

सीपों की बनावट देखने में सरल, लेकिन कार्य में अत्यंत प्रभावशाली होती है। दो मजबूत खोलों के भीतर उनका कोमल शरीर सुरक्षित रहता है। ये खोल कैल्शियम कार्बोनेट से बने होते हैं, जिसे सीपें पानी से धीरे-धीरे लेकर परत-दर-परत जमा करती रहती हैं। यही कारण है कि उनका खोल जीवनभर बढ़ता रहता है। मोती बनने की प्रक्रिया भी इसी से जुड़ी है। जब कोई बाहरी कण सीप के शरीर के भीतर फंस जाता है, तो वह उसे ढंकने के लिए कैल्शियम की परतें चढ़ती जाती हैं और समय के साथ वही कण मोती का रूप ले लेता है। सीपों का जीवन चक्र भी कम रोचक नहीं है। समुद्री सीपें अपने अंडे और शुक्राणु पानी में छोड़ती हैं, जिनसे सूक्ष्म लार्वा बनते हैं। ये लार्वा कुछ समय तक समुद्र में स्वतंत्र रूप से तैरते रहते हैं और फिर किसी ठोस सतह चट्टान, खोल या तट से चिपककर स्थायी जीवन शुरू करते हैं। मीठे पानी की कई सीपें इससे भी अनोखा तरीका अपनाती हैं। उनके लार्वा कुछ समय तक मछलियों के गलफड़ों या पंखों से चिपककर रहते हैं। इससे उन्हें सुरक्षित वातावरण मिलता है और वे दूर-दूर तक फैल पाती हैं। बाद में वे नदी की तलहटी में गिरकर स्वतंत्र जीवन शुरू करती हैं। यानी सीपें केवल पानी पर नहीं, बल्कि मछलियों पर भी निर्भर करती हैं। यदि मछलियां कम हों, तो सीपों का भविष्य भी संकट में पड़ जाता है। सीपों की एक और विशेषता उनकी लंबी उम्र है। समुद्री सीपें आमतौर पर 10 से 20 वर्ष तक जीवित रहती हैं, जबकि मीठे पानी की कई प्रजातियां 50 से 100 वर्ष तक भी जी सकती हैं।

सीपों के लिए चुनौती बनता समुद्र का अम्लीयकरण

पिछले कुछ दशकों में स्थिति चिंताजनक होती गई है। मीठे पानी की लगभग एक हजार प्रजातियों में से अधिकांश या तो संकटग्रस्त हैं या तेजी से घट रही हैं। पोलैंड, क्रोएशिया और ब्रिटेन जैसे देशों में बड़े पैमाने पर सीपों की मृत्यु दर्ज की गई है। लंदन की टेम्स नदी में पिछले 60 वर्षों में मीठे पानी की लगभग सारी सीपें समाप्त हो चुकी हैं। उत्तरी अमेरिका में 70 प्रतिशत से अधिक मीठे पानी की सीप प्रजातियां संकटग्रस्त या विलुप्ति की कगार पर हैं। इन संकटों के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। पानी का तापमान लगातार बढ़ रहा है, ग्रीष्म लहरें तीव्र हो रही हैं। जब नदी या समुद्र का पानी अचानक बहुत गर्म हो जाता है, तो सीपें उसे सहन नहीं कर पातीं और बड़े पैमाने पर मर जाती हैं। इसके साथ ही रासायनिक प्रदूषण, माइक्रोप्लास्टिक, नदियों का प्राकृतिक बहाव बदलना, बांध, खनन और शहरी सीवेज इस संकट को और गहरा कर रहे हैं। महासागरों में समुद्र का अम्लीकरण भी बड़ी चुनौती बन चुका है। कार्बन डाइऑक्साइड के घुलने से पानी अम्लीय हो रहा है, जिससे सीपों के खोल बनने की प्रक्रिया कमजोर पड़ जाती है। शिशु सीपें तो कई बार खोल बना ही नहीं पातीं।

सीप की खेती

एशिया में सीपों की खेती समुद्र और इंसान के पुराने रिश्ते का विस्तार है। चीन, जापान, थाईलैंड और वियतनाम में सीपों को 'उगाया' नहीं जाता, बल्कि उन्हें ऐसा वातावरण दिया जाता है, जहां वे स्वाभाविक रूप से पनप सकें। समुद्र के किनारे बांस, रस्सियों और टाइलों पर लार्वा चिपक जाते हैं और फिर समुद्र अपना काम करता है। चीन इस क्षेत्र में सबसे आगे है। दुनिया में उत्पादित समुद्री सीपों का बड़ा हिस्सा वहीं से आता है। यह खेती लाखों लोगों को रोजगार देती है-मछुआरों से लेकर रेस्तरां और निर्यात तक। सीपों का उपयोग केवल भोजन तक सीमित नहीं है। उनके खोलों से चूना, खाद और निर्माण सामग्री बनती है। भोजन के रूप में वे प्रोटीन, जिंक, आयरन और ओमेगा-3 से भरपूर होती हैं। अगर सीपें कम होती गईं, तो पानी की गुणवत्ता गिरेगी, शैवाल विस्फोट बढ़ेंगे, मछलियां मरेंगी और तटीय समुदायों की आजीविका संकट में पड़ जाएगी।

समुद्र के छुपे हुए सफाईकर्मी

समुद्री सीपें तटीय इलाकों के लिए जीवन-रेखा जैसी हैं। वे पानी साफ रखती हैं, तटों को कटाव से बचाती हैं, छोटी मछलियों और केकड़ों को आश्रय देती हैं और मत्स्य उत्पादन को स्थिर बनाए रखती हैं। जहां सीपों की चट्टानें होती हैं, वहां जैव विविधता कई गुना बढ़ जाती है। एशियाई देशों विशेषकर अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप में सीपों की गिरावट का असर प्रवाल भित्तियों और मछली जीवन पर साफ दिखने लगा है। बढ़ता तापमान, पर्यटन से फैला कचरा, प्लास्टिक और तटीय विकास इन नाजुक तंत्रों को कमजोर कर रहे हैं। फिर भी उम्मीद बाकी है। वॉशिंगटन डीसी की एनाकोस्टिया नदी में सीपों की मदद से पानी साफ किया जा रहा है। यह दिखाता है कि अगर हम पानी को साफ करें, तो सीपें लौट सकती हैं। सीपों में अनुकूलन की अद्भुत क्षमता होती है। हर सामूहिक मृत्यु के बाद कुछ सीपें बचती हैं और वही नई पीढ़ी की नींव बनती हैं। यही उम्मीद है। इन खामोश सफाईकर्मियों को बचाना, दरअसल अपने जल, अपने पर्यावरण और अपने भविष्य को बचाना है।

मरीन लाइफ

समुद्र की सतह पर धूप सेंकती रहस्यमयी मछली

समुद्र की अथाह गहराइयों में एक ऐसा जीव भी रहता है, जिसे देखकर पहली नजर में विश्वास ही नहीं होता कि यह मछली है। समुद्री सनफिश या मोलामोला, दुनिया की सबसे भारी अस्थि-मछली मानी जाती है। इसका गोल, पार्श्व रूप से चपटा शरीर और विशाल पंख इसे समुद्री दुनिया का अनोखा आकर्षण बनाते हैं। वयस्क सनफिश का वजन 2,000 किलोग्राम से भी अधिक हो सकता है और इसकी लंबाई 10 फीट तक पहुंच सकती है। इतनी विशाल काया के बावजूद इसका पसंदीदा भोजन है- जेलीफिश। जेलीफिश लगभग पूरी तरह पानी से बनी होती हैं और उनमें पोषक तत्व बेहद कम होते हैं। इसलिए सनफिश को अपनी

ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए बड़ी मात्रा में जेलीफिश निगलनी पड़ती है। यही कारण है कि वे लगातार भोजन की तलाश में लंबी दूरी तय करती हैं। वैज्ञानिकों ने पाया है कि ये मछलियां हजारों किलोमीटर की समुद्री यात्रा कर सकती हैं और 600 मीटर से अधिक गहराई तक गोता लगा सकती हैं।

इनकी वृद्धि दर आश्चर्यजनक है। नवजात सनफिश का वजन एक ग्राम से भी कम होता है, लेकिन वयस्क होने पर यह अपने जन्म वजन से लगभग 6 करोड़ गुना बड़ी हो सकती है। यह आकार परिवर्तन जीव जगत में सबसे चौंकाने वाले विकासों में से एक है। हालांकि वयस्क सनफिश का आकार उन्हें अधिकांश शिकारियों से सुरक्षित रखता है, फिर भी मध्यम आकार की सनफिश समुद्री शेर, किलर व्हेल और बड़ी शार्क का शिकार बन जाती हैं। कैलिफोर्निया के समुद्री शेरों द्वारा छोटी सनफिश के पंख काटकर उन्हें खेल की वस्तु की तरह उछालना समुद्री व्यवहार का एक विचित्र उदाहरण है। प्रजनन के विषय में अभी भी कई रहस्य बने हुए हैं। मादा सनफिश एक बार में 3 से 30 करोड़ तक अंडे दे सकती है, जो किसी भी अन्य कशेरुकी जीव से अधिक है। नर उसी समय पानी में शुक्राणु छोड़ते हैं, जिससे निषेचन की संभावना बढ़ जाती है। हालांकि वैज्ञानिक अब भी यह स्पष्ट नहीं कर पाए हैं कि वे समूह में प्रजनन करती हैं या जोड़े में। समुद्री सनफिश न केवल आकार में विशाल है, बल्कि अपने रहस्यों और अद्भुत जीवनशैली के कारण समुद्री जगत की सबसे रोचक प्रजातियों में से एक है।

वैज्ञानिक फैक्ट

जीवन से भरपूर है मिट्टी

हम अक्सर मिट्टी को केवल धूल या जमीन का एक साधारण हिस्सा समझ लेते हैं, लेकिन वास्तव में मिट्टी जीवन का विशाल और अद्भुत संसार अपने भीतर समेटे हुए है। वैज्ञानिकों के अनुसार मिट्टी के केवल एक चम्मच में जितने सूक्ष्मजीव पाए जाते हैं, उनकी संख्या पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्यों से भी अधिक हो सकती है। यह तथ्य अपने आप में बताता है कि मिट्टी कितनी जीवंत और महत्वपूर्ण है।

अमेरिकी कृषि विभाग के अनुसार मिट्टी में लाखों प्रजातियां और अरबों जीव पाए जाते हैं। इनमें बैक्टीरिया, शैवाल, कवक, सूक्ष्म कीट, केंचुए, भृंग, चींटियां, घुन और कई अन्य जीव शामिल हैं। ये सभी मिलकर पृथ्वी पर कहीं भी पाए जाने वाले जैव द्रव्यमान का सबसे बड़ा संकेंद्रण बनाते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो मिट्टी पृथ्वी का सबसे व्यस्त और सक्रिय पारिस्थितिक तंत्र है।

मिट्टी के ये सूक्ष्मजीव केवल संख्या में अधिक नहीं होते, बल्कि अत्यंत उपयोगी भी होते हैं। बैक्टीरिया और कवक मृत पौधों और जीवों को विघटित करके उन्हें पोषक तत्वों में बदलते हैं। यही पोषक तत्व फसलों और पेड़ों की जड़ों तक पहुंचते हैं और उन्हें स्वस्थ विकास में मदद करते हैं। केंचुए मिट्टी को भुरभुरी बनाकर उसमें हवा और पानी के प्रवाह को बेहतर करते हैं, जिससे पौधों की जड़ें आसानी से फैल सकें।

स्वस्थ मिट्टी केवल कृषि के लिए ही जरूरी नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मिट्टी कार्बन को अपने भीतर संग्रहित करके जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में मदद करती है। साथ ही, यह वर्षा के पानी को सोखकर भूजल स्तर को बनाए रखने में सहायक होती है। यदि मिट्टी की गुणवत्ता घटती है, तो इसका सीधा असर खाद्य उत्पादन, जल संसाधनों और जैव विविधता पर पड़ता है।

आज रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग, प्रदूषण और अंधाधुंध निर्माण के कारण मिट्टी की सेहत प्रभावित हो रही है। इसलिए जरूरी है कि हम जैविक खेती, वृक्षारोपण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर ध्यान दें। मिट्टी को बचाना दरअसल जीवन को बचाना है, क्योंकि यही धरती का वह आधार है, जिस पर हमारा पूरा अस्तित्व टिका हुआ है।

उड़न तश्तरियों का रहस्य

क्या अनंत अंतरिक्ष की गहराइयों में हम अकेले हैं? यह एक ऐसा प्रश्न है कि इस सवाल ने सदियों से इंसानों को परेशान रखा है। इसके पक्ष-विपक्ष में सैकड़ों तर्क-वितर्क दिए जाते हैं। जब भी आकाश में कोई अज्ञात चमकती हुई वस्तु या अजीब आकार का यान दिखाई देता है, तो उसे 'उड़न तश्तरी' या UFO (Unidentified Flying Object) का नाम दे दिया जाता है। आधुनिक समय में, वैज्ञानिक इसे UAP (Unidentified Anomalous Phenomena) कहते हैं। उड़न तश्तरियों का रहस्य केवल कल्पना मात्र नहीं है, बल्कि यह विज्ञान, राष्ट्रीय सुरक्षा और दर्शन का एक जटिल मिश्रण बन चुका है।

-फीचर डेस्क

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य या कल्पना की शुरुआत

उड़न तश्तरियों का आधुनिक इतिहास 24 जून 1947 को शुरू हुआ। अमेरिकी पायलट केनेथ अर्नोल्ड ने वाशिंगटन राज्य में माउंट रेनियर के पास नौ चमकदार वस्तुओं को एक अजीब गति से उड़ते देखा। उन्होंने उनके उड़ने की शैली का वर्णन करते हुए कहा, "वे पानी पर फेंकी गई तश्तरी (Saucer) की तरह उछल रहे थे।" अखबारों ने इस वाक्यांश को 'फ्लाइंग सॉसर' (Flying Saucer) बना दिया और यहीं से इस शब्द ने वैश्विक पहचान बनाई।

उसी वर्ष न्यू मेक्सिको के रोजवेल में एक कथित दुर्घटना हुई, जिसने इस रहस्य को और गहरा कर दिया, हालांकि अमेरिकी सेना ने इसे एक मौसम संबंधी गुब्बारा बताया, लेकिन साजिश के सिद्धांतों (Conspiracy Theories) ने जोर पकड़ा कि सरकार ने एलियंस के मलबे और उनके शरीर को छिपा लिया है।

प्राचीन सभ्यताओं में संकेत

दिलचस्प बात यह है कि उड़न तश्तरियों के प्रमाण केवल आधुनिक युग तक सीमित नहीं हैं। भारत के प्राचीन ग्रंथों में 'विमानों' का वर्णन मिलता है, जो हवा में अविश्वसनीय गति से उड़ सकते थे। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले की गुफाओं में मिले 10,000 साल पुराने शैलचित्रों में ऐसी आकृतियां देखी गई हैं, जो आधुनिक अंतरिक्ष यात्रियों और तश्तरीनुमा यानों जैसी दिखती हैं। इसी तरह प्राचीन मिस्र, सुमेरियन और माया सभ्यताओं की कलाकृतियों में भी 'आकाश से आए देवताओं' और उनके उड़ने वाले रथों का उल्लेख मिलता है, जिसे आज के 'प्राचीन अंतरिक्ष यात्री सिद्धांतवादी' (Ancient Alien Theorists) एलियंस के आगमन से जोड़कर देखते हैं।

भौतिक विज्ञान की चुनौतियां

UFO की सबसे रहस्यमयी बात उनकी गतिशीलता है। चश्मदीदों और रडार डेटा के अनुसार, ये वस्तुएं अचानक स्थिर अवस्था से हजारों मील प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती हैं। वे बिना किसी पंख (wings) या स्पष्ट प्रोपल्शन इंजन के उड़ती हैं और 'सोनिक बूम' पैदा किए बिना ध्वनि की गति को पार कर जाती हैं। भौतिक विज्ञान के नियमों के अनुसार, इतनी तीव्र गति से दिशा बदलने पर किसी भी मानव शरीर या पारंपरिक विमान के परखच्चे उड़ सकते हैं। यह संकेत देता है कि यदि ये यान वास्तविक हैं, तो इनके पास 'गुरुत्वाकर्षण-विरोधी' (Anti-gravity) तकनीक है, जो वर्तमान मानव विज्ञान की समझ से बहुत आगे है।

रहस्य या रणनीति

दशकों तक UFO को केवल लोगों का भ्रम या कल्पना माना गया, लेकिन 2017 के बाद परिदृश्य बदल गया। अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) ने आधिकारिक तौर पर तीन वीडियो जारी किए, जिन्हें नौसेना के पायलटों ने रिकॉर्ड किया था। इन वीडियो में 'टिक-टैक' (Tic-Tac) आकार की वस्तुएं भौतिकी के नियमों को धता बताते हुए समुद्र के ऊपर उड़ती दिखीं।

सरकारें अब इसे 'एलियंस' के बजाय 'राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरे' के रूप में देख रही हैं। चिंता इस बात की है कि क्या चीन या रूस जैसे प्रतिस्पर्धी देशों ने ऐसी कोई 'हाइपरसोनिक' तकनीक विकसित कर ली है, जो अमेरिकी रडार को चकमा दे सके। इसी कारण से अमेरिका ने 'AARO' नामक विभाग बनाया है, जो इन घटनाओं की वैज्ञानिक जांच करता है।

मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक प्रभाव

उड़न तश्तरियों के रहस्य का एक पहलू सामूहिक मनोविज्ञान भी है। शीत युद्ध के दौरान, आसमान में उड़ने वाली अज्ञात वस्तुओं का डर अक्सर जासूसी विमानों का होता था। वहीं, हॉलीवुड फिल्मों (जैसे E.T., Independence Day) ने हमारे मन में एलियंस की एक खास छवि गढ़ दी है। कई बार लोग तारों, ग्रहों (विशेषकर शुक्र), उपग्रहों (जैसे एलन मस्क की स्टारलिंक सेटेलाइट) या पक्षियों के झुंड को गलती से UFO समझ लेते हैं।

उड़न तश्तरियों का रहस्य आज भी अनसुलझा है, हालांकि अब तक कोई ऐसा ठोस प्रमाण सार्वजनिक नहीं हुआ है, जो यह साबित कर सके कि ये यान किसी दूसरे ग्रह से आए हैं, लेकिन हजारों की संख्या में विश्वसनीय गवाह (पायलट, वैज्ञानिक, सैन्य अधिकारी) इस बात की पुष्टि करते हैं कि आसमान में कुछ ऐसा है, जो हमारी समझ से परे है। ब्रह्मांड की विशालता को देखते हुए, जहां अरबों आकाशगंगाएं और अनगिनत पृथ्वी जैसे ग्रह हैं, यह मानना तर्कसंगत लगता है कि हम अकेले नहीं हैं। शायद उड़नतश्तरियां केवल यान नहीं, बल्कि ब्रह्मांड के उस सत्य का द्वार हैं, जिससे हमारा सामना होना अभी बाकी है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,248.61	25,496.55
गिरा/बढ़त	27.46	14.05
प्रतिशत में	0.03	0.06

सोना 1.62 लाख प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,70,500 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, शुक्रवार, 27 फरवरी 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजीनेस ब्रीफ

फूड ऐप 'टोइंग' का एनसीआर में प्रवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। किफायती फूड डिलिवरी ऐप टोइंग ने दिल्ली-एनसीआर में विस्तार की घोषणा की है। कंपनी ने गुरुवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि अब टोइंग दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद और गाजियाबाद के ग्राहकों के लिए भी उपलब्ध होगा। यह पुणे, आगरा, वडोदरा, गुवाहाटी, नासिक और नागपुर में पहले से उपलब्ध है। कंपनी अपने ऐप पर खाद्य पदार्थों की सबसे कम कीमतों का दावा करती है। इसके अलावा, किसी भी ऑर्डर पर कोई पैकेजिंग शुल्क या प्लेटफॉर्म शुल्क नहीं लेती है।

इनविट निवेशकों को तिमाही में मिला 5,565 करोड़ का 'रिटर्न'

नयी दिल्ली, एजेंसी। बाजार में सूचीबद्ध अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनविट) ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में करीब चार लाख यूनिटधारकों को कुल 5,565 करोड़ रुपये का 'रिटर्न' वितरित किया है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में यूनिटधारकों को 4,287 करोड़ रुपये का रिटर्न या प्रतिफल मिला था। भारत इनविट संघ के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एन. एस. वेंकटेश ने कहा, इनविट परिवेश तंत्र विस्तार के एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है, जिसमें घरेलू एवं वैश्विक निवेशकों की भागीदारी बढ़ रही है।

बंधन बैंक में बड़ी हिस्सेदारी खरीदेगा एसबीआई

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एसबीआई म्यूचुअल फंड के बंधन बैंक में 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बंधन बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजारों को दी सूचना में बताया कि आरबीआई ने 25 फरवरी, 2026 के पत्र के माध्यम से एसबीआई म्यूचुअल फंड को बैंक की चुकता शेयर पूंजी या मतदान अधिकारों में अधिकतम 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी अधिग्रहीत करने की अनुमति प्रदान की है।

आरबीआई ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि आवेदक पत्र की तारीख से एक वर्ष के भीतर प्रस्तावित प्रमुख हिस्सेदारी हासिल नहीं करता है, तो मंजूरी स्वत: निरस्त मानी जाएगी। साथ ही एसबीआई म्यूचुअल फंड की कुल हिस्सेदारी किसी भी समय बैंक की चुकता शेयर पूंजी या मतदान अधिकारों के 9.99 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए।

डब्ल्यूटीओ में भारत की व्यापार नीति की समीक्षा जुलाई में होगी

नयी दिल्ली, एजेंसी। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भारत की आठवीं व्यापार नीति समीक्षा इस साल जुलाई में होगी। इस दौरान सदस्य देशों की तरफ से भारत की व्यापार नीतियों की व्यापक समीक्षा की जाएगी। बृहस्पतिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। वित्त मंत्रालय ने कहा कि व्यापार नीतियों की इस समीक्षा से पहले भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने डब्ल्यूटीओ में भारत के डिजिटल कस्टम सुधारों और व्यापार सुगमता समझौते के क्रियान्वयन को प्रस्तुत किया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सीबीआईसी के सदस्य (सीमा शुल्क) सुरजीत भुजबल ने किया।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को वाराणसी स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान का दौरा किया। यहां वैज्ञानिकों के साथ चर्चा में उन्होंने कहा कि सब्जी उत्पादन की गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए कृषि वैज्ञानिकों और किसानों के बीच निरंतर समन्वय आवश्यक है। उन्नत तकनीकों को शीघ्रता से खेतों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया। फोटो ● एजेंसी

ट्रेन के सफर में स्विगी के भोजन का स्वाद

मुंबई, एजेंसी।

● स्विगी, आईआरसीटीसी की 'फूड ऑन ट्रेन' सेवा अब 152 स्टेशन पर उपलब्ध

ऑनलाइन ऑर्डर पर खाद्य एवं पेय पदार्थ की आपूर्ति करने वाली क्विक कॉमर्स कंपनी स्विगी ने भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के साथ मिलकर अपनी ''फूड ऑन ट्रेन'' सेवा का विस्तार देशभर के 152 स्टेशन तक कर लिया है। कंपनी ने यह उपलब्धि एक साल में हासिल की है। यह सेवा एक वर्ष पहले 70 स्टेशन पर उपलब्ध थी। स्विगी ने बृहस्पतिवार बताया कि यह विस्तार देशभर में विविध व्यंजनों की बढ़ती मांग से प्रेरित है। बयान के अनुसार, कंपनी की योजना भारत के प्रमुख जंक्शन के साथ-साथ क्षेत्रीय स्टेशन जैसे इटारसी (मध्य प्रदेश), तिरुनेलवेली (तमिलनाडु) और खड़गपुर (पश्चिम बंगाल) पर अधिक ध्यान देकर विविधता लाने पर भी है। स्विगी ने बताया कि उसकी ''फूड ऑन ट्रेन'' सेवा का नेटवर्क विस्तार 117 प्रतिशत बढ़ा है। यह सेवा फरवरी, 2025 में 70 स्टेशन पर उपलब्ध थी जिसका फरवरी, 2026 तक 152 स्टेशन पर विस्तार किया गया।

होली के लिए विशेष तैयारी

कंपनी ने 28 फरवरी से आठ मार्च तक यात्रियों के लिए होली से जुड़े विशेष भोजन उपलब्ध करने की भी घोषणा की। साथ ही 'ट्रेन के अनुकूल' व्यंजनों के मेन्यू का विस्तार किया गया है जिसे तेज गति एवं सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। स्विगी में खाद्य रणनीति, ग्राहक अनुभव एवं नई पहल के उपाध्यक्ष दीपक मालू ने कहा, 'यह देशव्यापी विस्तार होली के त्योहार के मद्देनजर एकदम सही समय पर हुआ है। हम प्रमुख जंक्शन से लेकर इटारसी, तिरुनेलवेली और खड़गपुर जैसे क्षेत्रीय स्टेशन तक 'ट्रांजिट हब' (पारगमन केंद्र) पर जोर देकर विविधता पर ध्यान केंद्रित करेंगे।'

सोशल मीडिया पोस्ट के साथ नाम और रजिस्ट्रेशन नम्बर का उल्लेख जरूरी

सोशल मीडिया पर शेयर मार्केट सम्बंधी सामग्री डालने पर सेबी के निर्देश, एक मई से होंगे लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

● होमपेज पर सभी पंजीकरणों की सूची वाला एक वेब लिंक देना होगा

● प्रत्येक पोस्ट में पंजीकरण ब्योरा देना होगा अनिवार्य

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बृहस्पतिवार को अपने नियमन दायरे में आने वाली सभी इकाइयों और उनके एजेंट को निर्देश दिया कि वे सोशल मीडिया मंचों पर प्रतिभूति बाजार से संबंधित सामग्री डालते समय अपना पंजीकृत नाम और पंजीकरण संख्या का उल्लेख करें।

सेबी का यह निर्देश शेयर ब्रोकर, म्यूचुअल फंड कंपनियों, संपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमएसी), निवेश सलाहकार, शोध विश्लेषक, वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ), पोर्टफोलियो प्रबंधकों और अन्य पर लागू होगा। सेबी ने अपने परिपत्र में कहा, ''''सोशल मीडिया के इस्तेमाल और स्वीकार्यता में तेजी से बढ़ोतरी होने के साथ इस बात की जरूरत महसूस की जा रही है कि नियमन के दायरे में आने वाली इकाइयों को सोशल मीडिया पर प्रतिभूति बाजार से संबंधित सामग्री डालते समय अपना पंजीकरण संख्या और नाम बताया जाना चाहिए।'' ये नियम एक मई 2026 से लागू हो जाएगा।

बाजार नियामक ने कहा कि इससे निवेशक यह पहचान सकेगा कि सोशल मीडिया पर डाली गई सामग्री सेबी के नियमन वाली इकाई या उसके एजेंट की तरफ से डाली गई है। इसके साथ ही सेबी ने कहा कि कई पंजीकरण रखने वाली इकाइयों को अपने होमपेज पर सभी पंजीकरणों की सूची वाला एक वेब लिंक देना होगा और हर सामग्री में जरूरी पंजीकरण ब्योरा देना होगा।

इसके अलावा, एजेंट को अपने पंजीकरण ब्योरे के साथ प्रमुख इकाई के पंजीकरण ब्योरे की भी जानकारी देनी होगी। इन नए नियमों का मकसद पारदर्शिता बढ़ाना और निवेशकों का संरक्षण करना है। ये नियम एक मई, 2026 से प्रभावी होंगे।

सोशल मीडिया पर प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों को लेकर डाली जा रही है गलत जानकारी : पासवान

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि सोशल मीडिया पर असर रखने वाले लोग गलत बात'' फैला रहे हैं कि प्रसंस्कृत खाद्य नुकसानदायक हैं। उन्होंने सोशल मीडिया ' 'इन्फ्लूएंसर'' द्वारा फैलाई जा रही इस तरह की गलत धारणा का मुकाबला करने के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत बताई और साथ ही चेताया कि इससे क्षेत्र के विकास में बाधा आ सकती है। राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान-कुंडली (निफ्टेम-के) द्वारा आयोजित तीन दिन के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ' 'अनवेष-2026'' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए पासवान ने कहा कि यह सोच कि प्रसंस्कृत खाद्य का मतलब अच्छा नहीं है को ऑनलाइन पर सक्रियता से प्रसारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम न केवल अपने देश में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी इस चुनौती का सामना कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, इससे इस क्षेत्र पर असर पड़ रहा है और यह और बढ़ेगा। हमें इस बात का मुकाबला करने की ज़रूरत है। मंत्री ने कहा कि एकल परिवार और कामकाजी जोड़ों के बढ़ने के साथ तैयार और खाने को तैयार उत्पाद आधुनिक जीवनशैली का ज़रूरी हिस्सा बन गए हैं। उन्होंने कहा, पहले, हम घर पर चटनी और सॉस बनाते थे, लेकिन हमें ये चीजें तुरंत तैयार चाहिए। अगर कोई गलत कहानी बनाई जाती है, तो हम इस क्षेत्र के लिए वैसा विकास नहीं देख सकते जैसा हम सोचते हैं। पासवान ने कहा कि उनके मंत्रालय ने गुमराह करने वाले विज्ञापनों पर एक समिति बनाई है, जिसकी दूसरी बैठक में हाल ही में ऐसे संदेशों का मुकाबला करने के तरीकों पर चर्चा हुई। उन्होंने उद्योग जगत के अगुवा लोगों से इस मुद्दे की ज़िम्मेदारी लेने की अपील की।

सोने की चमक कायम रहने की उम्मीद : रिपोर्ट

मुंबई, एजेंसी

वैश्विक स्तर पर डॉलर के प्रभाव में कमी, राजकोषीय दबाव और बढ़ते वैश्विक तनावों के कारण दुनिया में वित्तीय व्यवस्था में हो रहे बदलावों को देखते हुए सोने का दीर्घकालिक दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है और इसमें तेजी बने रहने की उम्मीद है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. (एमओएफएसएल) ने सोने पर अपनी तिमाही रिपोर्ट में कहा कि 2026 की शुरुआत में सोने की कीमत 5,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के पार पहुंच गई। यह आधुनिक इतिहास में सबसे मजबूत दीर्घकालिक तेजी के दौर में से एक है।

रिपोर्ट के अनुसार, सोना 'संरचनात्मक रूप से पुनर्मूल्यांकन चरण'' में प्रवेश कर चुका है। यह चक्रीय तेजी के बजाय एक नए ''सुपरसाइकल'' की शुरुआत का संकेत है। एमओएफएसएल को उम्मीद है कि अगले 12 महीनों में कॉमेक्स सोने की कीमत 6,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस (घरेलू बाजार में 1.85 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम) के आसपास स्थिर होगी। यदि वैश्विक स्तर पर तनाव और राजकोषीय उपाय तेज होते हैं तो मध्यम अवधि में यह 7,500 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस तक भी पहुंच सकती है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लि. के जिंस शोध मामलों के प्रमुख नवनीत दमानी ने कहा, 'सोने के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि सीमित खदान उत्पादन, प्रमुख बाजारों में घटते भंडार और बढ़ती उत्पादन लागत के कारण वैश्विक भौतिक आपूर्ति में कमी ने भी कीमती धातुओं की कीमतों को उच्चस्तर पर बनाये रखा है। घरेलू बाजार में, रुपये के मूल्य में गिरावट और खुदरा खरीदारों की मजबूत लिवाली से मांग में वृद्धि हुई है।

कार्बन ट्रेडिंग मंच सितंबर तक चालू होने की संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के चेयरमैन घनश्याम प्रसाद ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश में कार्बन ट्रेडिंग मंच सितंबर तक चालू होने की संभावना है। यह कदम नवीकरणीय ऊर्जा बदलाव को गति प्रदान करेगा। श्री प्रसाद यहां 'इंडिया एनर्जी' शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

बताया कि भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट (एक गीगावाट अर्थात 1,000 मेगावाट) नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का बड़ा लक्ष्य रखा है। इसको देखते हुए यह महत्वपूर्ण है। देश में बिजली खरीद समझौतों (पीपीए) पर हस्ताक्षर की धीमी गति को देखते हुए यह नवीकरणीय ऊर्जा को अधिक व्यवहारिक बनाने में भी सहायक हो सकता है। प्रसाद ने कहा, ''''कार्बन ट्रेडिंग मंच सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और सितंबर तक इसके शुरू होने की पूरी संभावना है। इसके शुरू होने से नवीकरणीय ऊर्जा को गति मिलेगी। विशेष रूप से वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने वाला होगा।' उन्होंने यह भी बताया कि नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए पीपीए पर हस्ताक्षर नहीं हो पा रहे हैं। इसका मतलब है कि हमें इसे करने के लिए किसी अन्य संरचना की आवश्यकता है।

डीजीसीए करेगा 38 सलाहकारों की भर्ती, अंतिम तिथि 23 मार्च

नई दिल्ली, एजेंसी। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) उड़ान योग्यता, हवाई सुरक्षा और अन्य निदेशालयों के लिए 38 सलाहकारों की भर्ती करने जा रहा है। नागर विमानन नियामक कर्मचारियों की कमी का सामना कर रहा है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 23 मार्च है। एक सार्वजनिक सूचना के अनुसार, उड़ान योग्यता निदेशालय में 24 और हवाई सुरक्षा निदेशालय में छह सलाहकारों के पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं विधिक मामलों के निदेशालय (डीआईआरएलए) में पांच वरिष्ठ सलाहकार और दो सलाहकार नियुक्त किए जाएंगे। एक अन्य सार्वजनिक सूचना के मुताबिक, उड़ान प्रशिक्षण निदेशालय में भी एक सलाहकार की नियुक्ति की जाएगी।

ट्रैफिक रूल तोड़े तो कटेंगे नम्बर निलम्बित होगा लाइसेंस

नई, दिल्ली, एजेंसी

● जिम्मेदारी से वाहन चलाने को बढ़ावा देने को 'ग्रेड' आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली की तैयारी

सरकार सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और जिम्मेदारी से वाहन चलाने को बढ़ावा देने के लिए ''ग्रेड'' आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली लागू करने की योजना बना रही है। इसके तहत यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंक काटे जाएंगे और गंभीर या बार-बार उल्लंघन की स्थिति में लाइसेंस निलंबित या रद्द किया जा सकेगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश में हर वर्ष करीब 1.8 लाख लोगों की मौत मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए वाहन चलाने, तेज रफ्तार, गलत दिशा में जाने या नशे में गाड़ी चलाने जैसे कारणों से होती है।

राष्ट्रीय राजधानी में उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोगों का जीवन अत्यंत महत्वपूर्ण है और सरकार सड़क सुरक्षा के लिए कई कदम उठा रही है। गडकरी ने बताया कि सरकार पहले ही यातायात नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना बढ़ा चुकी है, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन है। उन्होंने कहा, हम ड्राइविंग लाइसेंस में ''ग्रेडेड अंक प्रणाली' ला रहे हैं।' मंत्री ने समझाते हुए कहा कि यातायात उल्लंघन पर कुछ अंक काटे जाएंगे। यदि सभी अंक समाप्त हो जाते हैं तो दोषी का लाइसेंस छह महीने के लिए निलंबित किया जा सकता है या अपराध दोहराने पर रद्द भी किया जा सकता है। यह योजना जल्द ही शुरू की जाएगी। गडकरी ने कहा कि भारत में हर साल करीब पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और 1.8 लाख लोगों की जान जाती है। हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में से 72 प्रतिशत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के लोग हैं। 18 वर्ष से कम आयु के 10,119 लोगों की दुर्घटनाओं में जान गई। हेलमेट का उपयोग न करने से 54,122, सीट बेल्ट का इस्तेमाल न करने से 14,466 जबकि तेज रफ्तार के कारण 1.2 लाख लोगों की जान गई।

चार मार्च को खुलेगा सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स का आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। पावरट्रेन कंट्रोल और मोटर वाहन कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी सेडेमैक मेकाट्रॉनिक्स लिमिटेड का 1,087 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) चार मार्च को खुलेगा। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा कि आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 1,287-1,352 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। ऊपरी सीमा पर कंपनी का मूल्यांकन करीब 6,000 करोड़ रुपये आंका गया है।

यह निर्गम चार मार्च को खुलेगा और छह मार्च को बंद होगा। बड़े निवेशक दो मार्च को बोली लगा पाएंगे। आईपीओ में कोई नया निर्गम शामिल नहीं है। यह पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है जिसमें प्रवर्तक मनीष शर्मा और अश्विनी अमित दीक्षित सहित अन्य निवेशक कुल 80,43,300 शेयर बेचेंगे।

जानकारी | नो कॉस्ट ईएमआई के छिपे हुए खतरे और नुकसान

'नो कॉस्ट ईएमआई' क्या एक स्कैम है! जानिए बारीकियां

कारोबार डेस्क

तकनीकी रूप से यह कोई कानूनी "स्कैम" या धोखाधड़ी नहीं है, लेकिन यह मार्केटिंग का एक ऐसा खेल है जिसमें असली कीमत बारीक अक्षरों (फाइन प्रिंट) में छिपी होती है। यहाँ बताया गया है कि यह "नो कॉस्ट" का जादू असल में कैसे काम करता है:

"नो कॉस्ट" असल में आपको कैसे महंगा पड़ता है : बैंक और कंपनियां कभी भी मुफ्त में पैसा उधार नहीं देतीं। आरबीआई के नियमों के अनुसार, बैंक ब्याज लेंगे ही, लेकिन उसे छिपाने के दो मुख्य तरीके अपनाए जाते हैं:

छिपे हुए खतरे और नुकसान : ब्याज पर जीएसटी: भले ही मर्चेंट ने आपको ब्याज पर छूट दे दी हो, लेकिन बैंक जो ब्याज लगाता है, उस पर आपको 18% जीएसटी अलग से देना पड़ता है। यह आपकी जेब से एक्स्ट्रा जाता है।

क्रेडिट स्कोर पर असर: हर ईएमआई एक तरह का लोन है। एक साथ कई ईएमआई चलाने से आपके क्रेडिट स्कोर पर असर पड़ सकता है।

फिजूलखर्ची: 50,000 की चीज़ जब 4,000 महीने पर दिखने लगती है, तो हम वो चीज़ें भी खरीद लेते हैं जिनकी हमें ज़रूरत नहीं होती। इसे ही "डेब्ट ट्रैप" कहते हैं।

क्या नो कॉस्ट ईएमआई आपके लिए फायदेमंद है?

- यह आपके लिए सही हो सकता है यदि: जो समान आप नो कॉस्ट ईएमआई पर खरीद रहे हैं वो आप वैसे भी खरीदने ही वाले थे।
- नकद भुगतान करने पर कोई अलग से एक्स्ट्रा डिस्काउंट नहीं मिल रहा हो।
- आप हर महीने समय पर किस्त चुकाने का अनुशासन रखते हों।
- प्रो टिप: पेमेंट करने से पहले "टोटल इफेक्टिव प्राइस" ज़रूर देखें। अगर किस्तों का कुल योग और प्रोसेसिंग फीस मिलाकर एमआरपी से ज़्यादा है, तो वह "नो कॉस्ट" नहीं है।

- डिस्काउंट का खेल (डिस्काउंट ऑफसेट)

यह सबसे आम तरीका है। बैंक आपसे ब्याज लेता है, लेकिन रिटेलर उस ब्याज के बराबर की छूट आपको शुरू में ही दे देता है।

उदाहरण: मान लीजिए आप 30,000 का फोन खरीदते हैं और उस पर ब्याज 3,000 है।

चाल: दुकानदार फोन की कीमत 27,000 कर देगा। बैंक आपसे 27,000 लेगा और उस पर 3,000 ब्याज जोड़ेगा। आप अंत में 30,000 ही चुकाएंगे, लेकिन बैंक को उसका मुनाफा मिल गया।

- प्रोसेसिंग फीस का ' 'झटका''

भले ही ब्याज "माफ" दिख रहा हो, लगभग हर नो कॉस्ट ईएमआई पर एक प्रोसेसिंग फीस लगती है। यह 199 से लेकर 1,000 तक हो सकती है। यह पैसा बैंक की सीधी कमाई है और यह कभी "फ्री" नहीं होता।

- नकद छूट (कैश डिस्काउंट) का नुकसान

अक्सर, अगर आप नकद या डेबिट कार्ड से पूरा भुगतान करते, तो आपको 5-10% की सीधी छूट मिल सकती थी। नो कॉस्ट ईएमआई चुनकर आप उस छूट को खो देते हैं, जिसका मतलब है कि वह सुविधा आपको महंगी पड़ी।

सैमसंग के सस्ते स्मार्टफोन भी होंगे एआई से लैस

सैन फ्रांसिस्को, एजेंसी। दिग्गज उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने कहा है कि वह कृत्रिम मेधा (एआई) प्रौद्योगिकी को अब अपने सस्ते स्मार्टफोन में मुहैया कराने जा रही है, ताकि आम उपभोक्ताओं को भी एआई सुविधाओं के लाभ मिल सकें।

कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने तीसरी पीढ़ी की गैलेक्सी एआई सीरीज़ का प्रीमियम स्मार्टफोन ''एस26'' पेश करने के मौके पर बुधवार को यह जानकारी दी। सैमसंग इंडिया के एमएक्स बिजनेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजू पुल्लन ने कहा कि कंपनी एआई फीचर को अब अपने सबसे सस्ते मॉडल तक ले जा रही है। कंपनी ने हाल ही में 15,000 रुपये की शुरुआती कीमत में गैलेक्सी ए07 5जी मॉडल बाजार में उतारा है, जिसमें एआई से जुड़े फीचर दिए गए हैं।

दूरसंचार कंपनियों का राजस्व 34 अरब डॉलर के पार: रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

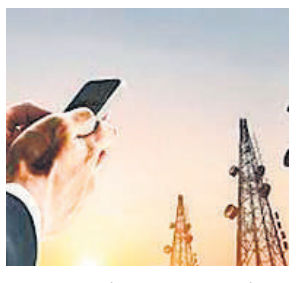

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में घरेलू दूरसंचार कंपनियों का राजस्व साल-दर-साल आठ प्रतिशत बढ़कर 34 अरब डॉलर (लगभग तीन लाख करोड़ रुपये) के पार पहुंच गया। पूंजी बाजार एवं निवेश समूह सीएलएसए की एक रिपोर्ट में भारतीय दूरसंचार प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़ों के हवाले से कहा गया है कि तिमाही के दौरान भारती एयरटेल का राजस्व सालाना आधार पर नौ प्रतिशत और वोडाफोन आइडिया का दो प्रतिशत बढ़ा।

रिलायंस जियो के राजस्व में 11 प्रतिशत की सबसे मजबूत वृद्धि दर्ज की गयी। देश के दूरसंचार क्षेत्र के कुल राजस्व में इन तीनों कंपनियों की युक्त हिस्सेदारी 95 प्रतिशत रही। एक साल पहले के मुकाबले रिलायंस जियो की राजस्व हिस्सेदारी सबसे अधिक 123 आधार अंक (1.23 प्रतिशत) बढ़कर 42.5 प्रतिशत हो गयी। एयरटेल की राजस्व हिस्सेदारी (39 आधार अंक) बढ़कर 39.5 प्रतिशत पर पहुंच गयी जबकि वोडाफोन आइडिया की हिस्सेदारी 83 आधार अंक घटकर 13 फीसदी रह गयी। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिलायंस जियो और एयरटेल का वर्चस्व आने वाले समय में और बढ़ेगा।

सोना तस्करी मामला: रान्या राव के खिलाफ ईडी ने दखिल की चार्जशीट

बेंगलुरु, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय ने सोना तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव, उनके सहयोगी तरुण कोंडुरु और बल्लारी के स्वर्ण व्यापारी साहिल साकरिया जैन के खिलाफ बेंगलुरु की विशेष अदालत में धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत आरोप पत्र दाखिल किया है।

जांच में सामने आया है कि मार्च 2024 से मार्च 2025 के बीच करीब 127.28 किलोग्राम विदेशी सोना अवैध रूप से भारत लाया गया। जौहरियों और बिचौलियों के नेटवर्क के जरिए इसे घरेलू बाजार में खपाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 102.55 करोड़ है। शुरुआत 3 मार्च 2025 को हुई, जब राजस्व खुफिया निदेशालय ने दुबई से लौटीं रान्या राव को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया। अभिनेत्री के पास से 14.213 किलो सोने की छड़ें बरामद हुईं, बाद में उनके घर से 2.06 करोड़ के जेवर और 2.67 करोड़ की नकदी जब्त की गई।

भारी कमीशन और बार-बार यात्राएं

ईडी की जांच के अनुसार, रान्या राव ने तस्करी के लिए कई अंतरराष्ट्रीय यात्राएं कीं। रिपोर्टों के मुताबिक, वह प्रति किलोग्राम सोने की तस्करी पर 4 से 5 लाख रुपये तक का कमीशन लेती थीं। इस मामले में CBI ने DRI की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की थी, जिसके आधार पर ED ने मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की। मई 2025 में ED ने कर्नाटक के 16 स्थानों पर छापेमारी कर कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और विदेशी मुद्रा भी बरामद की थी, जिन्हें अब सबूत के तौर पर चार्जशीट का हिस्सा बनाया गया है।

ब्रिटेन: 40 साल पुराने हिंदू मंदिर पर बंद होने का खतरा, काउंसिल के बिक्री के फैसले से आक्रोश

लंदन/पीटरबरो, एजेंसी।

● 1986 से संचालित है मंदिर, फैसले के बाद प्रमुख हिंदू संस्थाओं ने जताया रोष

पूर्वी ब्रिटेन के पीटरबरो शहर में स्थित 40 साल पुराने 'भारत हिंदू समाज मंदिर' और कम्युनिटी सेंटर पर बंद होने का काला साया मंडरा रहा है। स्थानीय पीटरबरो सिटी काउंसिल ने उस ऐतिहासिक भवन को बेचने का निर्णय लिया है, जिसमें यह मंदिर 1986 से संचालित है।

इस फैसले ने न केवल स्थानीय हिंदू समुदाय बल्कि ब्रिटेन की प्रमुख हिंदू संस्थाओं में भी भारी रोष पैदा कर दिया है। न्यू इंग्लैंड कॉम्प्लेक्स स्थित इस मंदिर से कैम्ब्रिजशायर, नॉरफॉक और लिंकनशायर के लगभग 13,000 से अधिक हिंदू जुड़े हुए हैं। मंदिर प्रशासन का आरोप है कि काउंसिल ने यह फैसला बिना किसी पारदर्शिता या समुदाय की सहमति के "बंद दरवाजों के पीछे" लिया है। समुदाय का कहना है कि यह केवल एक संपत्ति का मामला नहीं, बल्कि उनकी आस्था और दशकों पुरानी विरासत से जुड़ा सवाल है।

'टैक्सपेयर्स के पैसे' का हवाला

लेबर पार्टी के नेतृत्व वाली पीटरबरो सिटी काउंसिल ने अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कहा है कि संपत्ति की बिक्री से करदाताओं (Taxpayers) के लिए सर्वश्रेष्ठ मूल्य सुनिश्चित करना उनकी कानूनी जिम्मेदारी है। काउंसिल कैबिनेट की बैठक में तर्क दिया गया कि वित्तीय घाटे को कम करने के लिए सार्वजनिक संपत्तियों का उचित मूल्य पर बेचना आवश्यक है।

हिंदू संगठनों ने खोला मोर्चा

वहीं, हिंदू काउंसिल यूके ने काउंसिल के इस कदम की कड़ी निंदा की है। संस्था ने आरोप लगाया कि प्रशासन ने मंदिर के "सामाजिक प्रभाव" और इसके स्वामित्व को समुदाय को हस्तांतरित करने की पूर्व प्रतिबद्धताओं को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है। मंदिर समिति अब इस फैसले के खिलाफ कानूनी लड़ाई और सार्वजनिक अभियान चलाने की तैयारी कर रही है ताकि उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बेघर होने से बचाया जा सके।

वर्ल्ड ब्रीफ

अम्मान समझौते' के तहत 86 परिवारों को मिली आजादी

दमिश्क। सीरिया के दक्षिणी प्रांत स्वेदा में महीनों से जारी अशांति को शांत करने की दिशा में एक बड़ी सफलता मिली है। सीरियाई सरकार और सशस्त्र समूहों के बीच हुए 'अम्मान समझौते' के तहत कैदियों और बंधकों की अदला-बदली की प्रक्रिया गुरुवार को पूरी हो गई। इस मानवीय पहल के जरिए कुल 86 सीरियाई परिवारों को राहत मिली है। समझौते के तहत सशस्त्र समूहों ने अपहरण किए गए 25 नागरिकों को रिहा किया, जिसके जवाब में सीरियाई अधिकारियों ने हिरासत में लिए गए 61 बंदियों को छोड़ दिया। सीरियाई आंतरिक प्राधिकरण के प्रवक्ता नूरुद्दीन अल-बाबा ने इसे तनाव कम करने और शांतिपूर्ण मार्ग बहाल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। हालांकि, अधिकारियों का मानना है कि क्षेत्र में स्थिरता के लिए अभी भी कई चुनौतियां बरकरार हैं।

आदिवासी महिला पर हमले के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन

सिलीगुड़ी। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में एक गर्भवती आदिवासी महिला पर हमले के विरोध में गुरुवार को जमकर बवाल हुआ। जनजाति सुरक्षा मंच के कार्यकर्ताओं ने राज्य सचिवालय 'उत्तरकन्या' के घेराव की कोशिश की, जिसे रोकने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज, आंसू गैस और वॉटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। 23 दिसंबर को फांसीदेवा में जमीन विवाद के दौरान एक गर्भवती महिला पर हमला हुआ था, जिसमें उसके अजन्मे शिशु की मौत हो गई थी। प्रदर्शनकारी मुख्य आरोपी के लिए मृत्युदंड और फरार चार अन्य आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

अल कादिर ट्रस्ट मामले में इमरान की याचिका पर सुनवाई करेगा

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद हाई कोर्ट अल-क़ादिर ट्रस्ट से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सज़ा के निलंबन की मांग को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान ख़ान और बुशरा बीबी की याचिका की सुनवाई 11 मार्च को करेगा। एक जवाबदेही अदालत ने 17 जनवरी 2025 को खान और बीबी को 19 करोड़ पाउंड के भ्रष्टाचार के मामले में क्रमश: 14 और सात साल की सज़ा सुनाई थी। अभियोजन पक्ष का आरोप है कि दोनों ने इमरान के प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान ब्रिटेन से पाकिस्तान भेजे गये 50 अरब रुपए वैध बनाने के बदले अरबों रुपए और बहरिया टाउन में सैकड़ों कनाल ज़मीन रिश्वत के तौर पर ली थी। दोनों ने इसी सिलसिले में इस्लामाबाद हाई कोर्ट का रुख़ किया।

ट्रंप टैरिफ नहीं लगाते तो बेहतर होती अमेरिकी अर्थव्यवस्था :आईएमएफ

अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत, लेकिन शुल्क और बढ़ते कर्ज से जोखिम बरकरार : रिपोर्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी अर्थव्यवस्था के इस वर्ष तेजी से बढ़ने के साथ ही बेरोजगारी में कमी आ सकती है। हालांकि, संघीय बजट घाटा और बढ़ता सरकारी कर्ज स्थिरता के लिए जोखिम बन सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने यह बात कही। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि यदि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ यानी आयात शुल्क नहीं होते, तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था और बेहतर हो सकती थी।

आईएमएफ ने अपनी रिपोर्ट में अमेरिकी अर्थव्यवस्था का समग्र आकलन पेश किया है। 191 देशों के संगठन का विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के बारे में आकलन मोटे तौर पर सकारात्मक है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) यानी वस्तुओं एवं सेवाओं का कुल उत्पादन 2026 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 2.4 प्रतिशत बढ़ सकता है। यह वृद्धि 2025 में दर्ज 2.2 प्रतिशत की दर से अधिक होगी।

आईएमएफ का अनुमान है कि अमेरिका में बेरोजगारी दर 2025 के अंत में 4.5 प्रतिशत से घटकर 2026 में 4.1 प्रतिशत रह जाएगी। वहीं, महंगाई दर 2027 तक अमेरिकी केंद्रीय बैंक के दो प्रतिशत के लक्ष्य तक आ सकती है। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि फेडरल रिजर्व रेपो दर को मौजूदा 3.6 प्रतिशत से दर को घटाकर लगभग 3.4 प्रतिशत तक ला सकता है। इसने 2025 में नीतिगत ब्याज दर में तीन बार कटौती की थी। उन्होंने हालांकि आगाह किया कि अमेरिकी रोजगार बाजार में '''' अत्यधिक गिरावट'''' आने की स्थिति को छोड़कर, सरकार को और अधिक कटौती करने से बचना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका को मजबूत उत्पादकता वृद्धि का लाभ मिला है।

आईएमएफ ने चेताया कि संरक्षणवादी व्यापार नीतियां अपेक्षा से अधिक आर्थिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर डाल सकती हैं। आईएमएफ ने संघीय सरकार के बढ़ते कर्ज पर भी चिंता जताई। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका का सार्वजनिक कर्ज जीडीपी के अनुपात में पिछले वर्ष के लगभग 100 प्रतिशत से बढ़कर 2031 तक करीब 110 प्रतिशत तक पहुंच सकता है।

ट्रंप के टैरिफ पर और भी हैं तीखीं प्रतिक्रियाएं

यूरोपीय संघ (EU): 'डील इज ए डील'

समझौते पर संकट : यूरोपीय संघ ने कहा है कि एक बार हुआ समझौता बदला नहीं जाना चाहिए। ईयू ने अगस्त 2025 में हुए उस व्यापार समझौते के भविष्य पर सवाल उठाए हैं, जिसमें शुल्क को 15% की सीमा तक सीमित रखने की बात थी। यूरोपीय संसद ने इस नई अनिश्चितता के विरोध में अमेरिका के साथ प्रस्तावित ट्रेड डील के अनुसमर्थन पर फिलहाल रोक लगा दी है।

चीन: 'व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं'

चीन ने ट्रंप के शुल्कों को आर्थिक दादागीरी" करार दिया है। इससे पहले 2025 में जब अमेरिका ने भारी शुल्क लगाए थे, तो चीन ने भी अमेरिकी कोयले, एलएनजी (LNG) और कच्चे तेल पर 10% से 15% का जवाबी शुल्क लगाकर पलटवार किया था। चीन ने दुर्लभ मृदा धातुओं के निर्यात पर नियंत्रण कड़ा कर दिया है, जो अमेरिकी चिप और हथियार उद्योग के लिए महत्वपूर्ण हैं।

109 साल बाद ब्रिटिश सरकार से युद्ध ऋण पर करोड़ों का दावा

सीहोर। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले के एक प्रतिष्ठित व्यवसायी परिवार ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शहर के प्रसिद्ध दिवंगत व्यवसायी सेठ जुम्मा लाल रूठिया के पोते विवेक रूठिया ने दावा किया है कि प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश सरकार ने उनके दादा से 35,000 रुपये का 'युद्ध ऋण' लिया था, जो आज तक नहीं लौटाया गया। अब परिवार इस राशि की वसूली के लिए ब्रिटेन सरकार को कानूनी नोटिस भेजने की तैयारी कर रहा है।

65 वर्षीय विवेक रूठिया के अनुसार, साल 1917 में प्रथम विश्व युद्ध (1914-18) के समय ब्रिटिश प्रशासन ने युद्ध प्रयासों के लिए स्थानीय धनाढ्य नागरिकों से आर्थिक सहायता मांगी थी। उन्हें अपने दादा की वसीयत में कुछ ऐतिहासिक दस्तावेज मिले हैं, जिनमें ब्रिटिश सरकार के साथ हुए इस लेनदेन का स्पष्ट उल्लेख है।

विवेक रूठिया ने 4 जून, 1917 को भोपाल में ब्रिटिश 'पॉलिटिकल एजेंट' द्वारा हस्ताक्षरित एक प्रमाण पत्र पेश किया है। इसमें लिखा है— "सेठ जुम्मा लाल ने भारतीय युद्ध ऋण के लिए 35,000 रुपये दिए और इस तरह सरकार एवं साम्राज्य के प्रति अपनी वफादारी दिखाई।

पश्चिम बंगाल चुनाव जीतेगी भाजपा, हर घुसपैठिये को बाहर निकालेंगे : शाह

अररिया (बिहार), एजेंसी

● संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर स्थिति सुधारने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का होगा गठन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को विश्वास जताया कि भाजपा आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव जीतेगी और राज्य से हर एक घुसपैठिये को बाहर निकालेगी। उन्होंने कहा कि जनसांख्यिकीय बदलाव से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों में पश्चिम बंगाल शामिल है। शाह ने यह बात बिहार के अररिया जिले में कही, जहां उन्होंने सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 175 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण किया और दो नए सीमा चौकियों को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि देश से हर एक घुसपैठिये को बाहर निकालना भाजपा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कहा कि ये लोग न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि गरीबों के लिए बनी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाकर उनके प्रभाव को भी कम करते हैं। शाह ने कहा कि बड़े पैमाने पर घुसपैठ से सीमावर्ती इलाकों में अतिक्रमण भी बढ़ता है और इसे हटाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि घुसपैठ जनसांख्यिकीय बदलाव का खतरा भी पैदा करती है, जो किसी क्षेत्र की संस्कृति और यहां तक कि उसकी भौगोलिक स्थिति को भी प्रभावित कर सकती है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने जनसांख्यिकीय बदलाव का अध्ययन करने और सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर स्थिति सुधारने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल जनसांख्यिकीय बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित राज्य हैं।

शाह ने कहा कि घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई की शुरुआत बिहार के सीमांचल क्षेत्र से होगी, जहां वे कुछ महीने पहले विधानसभा चुनाव के दौरान चार दिन तक रुके थे। उन्होंने कहा कि विपक्ष की आलोचना के बावजूद भाजपा ने बिहार चुनाव में घुसपैठ का मुद्दा उठाया था। शाह ने कहा कि घुसपैठ रोकने में एसएसबी की अहम भूमिका है।

इतिहास सही पढ़ाते तो औरंगजेब नायक नहीं बनता: फडणवीस

मुंबई, एजेंसी

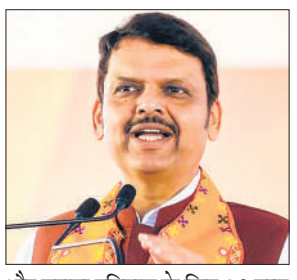

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर पिछले 70 साल के दौरान स्कूलों में इतिहास को सही ढंग से पढ़ाया जाता, तो कोई भी मुसलमान मुगल बादशाह औरंगजेब को नायक नहीं मानता। उन्होंने मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज और मैसूर के शासक टीपू सुल्तान के बीच तुलना करने के प्रयासों की भी निंदा की।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा में, राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही। फडणवीस ने कहा कि एनसीईआरटी की पुस्तकों में पहले मुगलों पर 17 पृष्ठ और शिवाजी महाराज पर केवल एक पृष्ठ था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अब शिवाजी महाराज और मराठा इतिहास के लिए 20 पृष्ठ सुनिश्चित किये हैं। औरंगजेब को नायक मानने वालों का हमेशा विरोध करेंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह टीपू सुल्तान के अच्छे या बुरे होने की बहस में नहीं पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि, हम टीपू सुल्तान और छत्रपति शिवाजी महाराज की किसी भी तरह की तुलना का विरोध करेंगे। टीपू सुल्तान ने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी, लेकिन उन्होंने ऐसा अपने राज्य को बचाने के लिए किया। लेकिन उन्होंने 75,000 हिंदुओं और 33,000 नायर को भी मार डाला।

परमाणु वार्ता: युद्ध की आहट के बीच जिनेवा में कूटनीति का अंतिम अवसर

जिनेवा, एजेंसी

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका और तेहरान के बीच गुरुवार को जिनेवा में तीसरे दौर की उच्चस्तरीय वार्ता हुई। इसे कूटनीति का आखिरी मौका माना जा रहा है, क्योंकि एक तरफ टेबल पर बातचीत चल रही है, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका ने दबाव बनाने के लिए पश्चिम एशिया में युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों का भारी बेड़ा तैनात कर दिया है।

पिछले साल जून के बाद से दोनों देशों के बीच यह तीसरे दौर की सीधी बातचीत है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस वार्ता के जरिए ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर सख्त सीमाएं थोपना चाहते हैं। वाशिंगटन का मानना है कि ईरान के भीतर बढ़ता नागरिक असंतोष और हालिया विरोध प्रदर्शन तेहरान को समझौते की मेज पर झुकने के लिए मजबूर कर सकते हैं। अमेरिकी रक्षा सूत्रों के अनुसार, सैन्य तैनाती का उद्देश्य केवल सुरक्षा सुनिश्चित करना नहीं, बल्कि ईरान पर कूटनीतिक दबाव बनाना भी है।

'विनाशकारी होगा युद्ध' : ईरान

दूसरी ओर, ईरान अपने रुख पर अडिग है। तेहरान ने स्पष्ट कर दिया है कि वह यूरेनियम संवर्धन (Uranium Enrichment) के अपने अधिकार को नहीं छोड़ेगा।

जिनेवा रवाना होने से पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चेतावनी दी कि यदि अमेरिका हमला करता है, तो पश्चिम एशिया में मौजूद सभी अमेरिकी सैन्य अड्डे उनके निशाने पर होंगे। कहा कि यह युद्ध किसी की जीत नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए 'विनाशकारी' होगा। अराघची ने एक साक्षात्कार में कहा कि चूंकि अमेरिकी सैन्य ठिकाने पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैले हुए हैं, फिलहाल पूरी दुनिया की नजरें जिनेवा वार्ता के नतीजों पर टिकी हैं, क्योंकि यहां से निकलने वाला निष्कर्ष तय करेगा कि क्षेत्र शांति की ओर बढ़ेगा या एक बड़े सैन्य संघर्ष की ओर।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज आपको अपने कार्यों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में विरोधी परेशान करेंगे। सहकर्मी आपकी सहायता करेंगे।

वृष – आज सत्पुरुषों से संपर्क बढ़ेगा। विनम्र व्यवहार के कारण व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे। प्रेम संबंधों में निकटता बढ़ेगी।

मिथुन – आज आपका काम में मन नहीं लगेगा। अनावश्यक विचारों से स्वयं को बचाएं। शांत और धैर्यवान होकर समस्या का समाधान खोजें।

कर्क – आज दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रहेगी। व्यापार में बड़ी साझेदारी होगी। शरीर में थकावट व ऊर्जा की कमी महसूस करेंगे।

सिंह – आज व्यवसाय में धन लाभ हो सकता है। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पुराने दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

कन्या – आज अनुभवी लोगों की राय से लाभ होगा। अपने खर्चों पर नियंत्रण पा लेंगे। लोग आपके व्यक्तित्व से आकर्षित रहेंगे।

तुला – आज अनावश्यक यात्रा न करें। सामाजिक कार्यों में सम्मिलित होना पड़ सकता है। अति आत्मविश्वास के कारण काम बिगड़ सकते हैं।

वृश्चिक – आज वैवाहिक जीवन बेहद रोमांटिक रहेगा। आपके उदार व्यवहार की लोग प्रशंसा करेंगे। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

धनु – आज व्यवसाय में वृद्धि के लिए निवेश कर सकते हैं। एकाग्रचित्त होकर अपने काम पर ध्यान दें। शाम को कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

मकर – आज राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है। अधिकारीगण आपकी विचारों को तवज्जो देंगे।

कुंभ – आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व कम होगा। कानूनी पचड़ों में घिरने की आशंका है। कोई नया काम शुरू न करें।

मीन – आज कारोबार में नव प्रयोग करना लाभकारी सिद्ध हो सकता है। छात्रों को बड़ी सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। आपकी योजनाएं पूर्ण होंगी।

रेलवे में डिजिटल क्रांति

ई-आरसीटी' प्रणाली रेलवे दावा न्यायाधिकरण को पूरी तरह से कंप्यूटर आधारित और पारदर्शी बनाएगी

ऑनलाइन कर सकेंगे रेल हादसों व सामान चोरी के दावों का निपटारा

नई दिल्ली | एजेंसी

रेल यात्रियों के लिए अब ट्रेन हादसों, अनहोनी घटनाओं या सामान के नुकसान और चोरी के मामलों में क्षतिपूर्ति का दावा करना बेहद आसान होने जा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को भारतीय रेलवे की महत्वाकांक्षी योजना '52 हफ्तों में 52 सुधार' के तहत तीसरे और चौथे बड़े सुधार के रूप में 'ई-आरसीटी' (e-RCT) और 'रेलटेक नीति' की घोषणा की।

इस नई डिजिटल प्रणाली के माध्यम से कोई भी पीड़ित यात्री देश के किसी भी कोने से रेलवे दावा न्यायाधिकरण (आरसीटी) के समक्ष ऑनलाइन अपना दावा पेश कर सकेगा। अब तक यात्रियों को दावा फाइल करने के लिए सही क्षेत्राधिकार चुनने और भौतिक रूप से न्यायाधिकरण के दफ्तरों के चक्कर काटने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था, विशेषकर उन यात्रियों के लिए जो अपने गृह राज्य से दूर यात्रा कर रहे हों, लेकिन अब ई-आरसीटी प्रणाली इन बाधाओं को पूरी तरह खत्म कर देगी।

रेल मंत्री ने स्पष्ट किया कि अगले 12 महीनों के भीतर देश भर में मौजूद रेलवे दावा न्यायाधिकरण की सभी 23 पीठों को पूरी तरह डिजिटाइज़ कर दिया जाएगा। ई-फाइलिंग से लेकर मामले की सूचना प्रणाली तक की पूरी प्रक्रिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर आधारित होगी, जिससे न्यायिक निर्णयों की गति में क्रांतिकारी बदलाव आएगा और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

वैष्णव ने कहा कि यदि यह डिजिटल मॉडल सफल रहता है, तो इसी तरह के समाधान भविष्य में केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण जैसे अन्य निकायों में भी लागू किए जा सकते हैं। अब यात्रियों और उनके वकीलों को दस्तावेज जमा करने या केस को ट्रैक करने के लिए व्यक्तिगत रूप से दफ्तर जाने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि वे अपने स्थान की परवाह किए बिना कभी भी ऑनलाइन मामला दर्ज कर सकेंगे और उसकी प्रगति देख सकेंगे।इसके साथ ही, रेलवे में अत्याधुनिक तकनीक को व्यवस्थित तरीके से शामिल करने के लिए 'रेलटेक नीति' को भी मंजूरी दी गई है।

यह नई नीति रक्षा क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय के स्टार्टअप ढांचे और टेलीकॉम नवाचार नीति जैसे सफल मॉडलों का अध्ययन करने के बाद तैयार की गई है। इस नीति का मुख्य उद्देश्य पुराने और जटिल ठेकेदारी सिस्टम को हटाकर एक ऐसा नवाचार-संचालित ढांचा तैयार करना है, जहां स्टार्टअप्स, शोधकर्ता और इनोवेटर्स भारतीय रेलवे के साथ आसानी से जुड़ सकें।

अब कोई भी व्यक्ति जिसके पास रेलवे के लिए कोई मजबूत तकनीकी आइडिया हो, वह एक समर्पित 'रेलटेक पोर्टल' के जरिए सीधे संपर्क कर सकेगा। यह पोर्टल पूरी तरह डिजिटल होगा और नई तकनीक के परीक्षण व उसे अपनाने की प्रक्रिया को बेहद सरल बना देगा, जिससे भारतीय रेलवे को वैश्विक स्तर की आधुनिक तकनीक से लैस करने में मदद मिलेगी।

वकीलों और दफ्तरों के चक्करों से मुक्ति

पुराने सिस्टम में यात्रियों और वकीलों को दस्तावेज जमा करने और केस की प्रगति देखने के लिए व्यक्तिगत रूप से न्यायाधिकरण के दफ्तर जाना पड़ता था। नई डिजिटल व्यवस्था के तहत कहीं से भी आवेदन : यात्री अपने घर या गंतव्य स्टेशन से ही इलेक्ट्रॉनिक तरीके से दावा फाइल कर सकेंगे। पूरी प्रक्रिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर आधारित होगी, जिससे न्यायिक निर्णय लेने की गति तेज होगी। केस फाइलिंग से लेकर अंतिम फैसले तक की पूरी जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध होगी।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

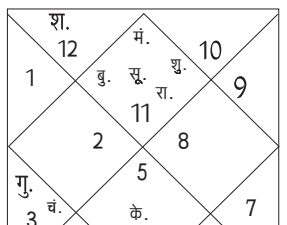

आज की ग्रह स्थिति : 27 फरवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 22 .32 तक तत्पश्चात द्वादशी।

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।

चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र- आर्द्रा 22 .48 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

सुडोकू - 73 का हल

6	1	4	3	7	9	5	2	8
3	5	7	1	2	8	4	6	9
2	8	9	5	6	4	3	1	7
4	7	5	9	1	3	6	8	2
8	3	2	7	5	6	9	4	1
9	6	1	4	8	2	7	5	3
1	4	6	8	3	7	2	9	5
7	2	8	6	9	5	1	3	4
5	9	3	2	4	1	8	7	6

सुडोकू -74

	8		4			6	1	
	1			6				9
			3	5			2	
		5				3		8
4			8		6			2
8		7		9		1		
	5				7			
2				3			4	
	6	9			4		5	

कश्मीर की जमीं में बहुत संभावनाएं है। यहां एक नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा। आने वाले समय में गुलमर्ग शीतकालीन खेलों का वैश्विक हब होगा। अब शीतकालीन खेल 15 दिन आयोजित करेंगे।
–मनसुख मांडविया, खेल मंत्री

स्टेडियम

कानपुर नगर, शुक्रवार, 27 फरवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सुपर-8 में आज

टीम	समय
न्यूजीलैंड-इंग्लैंड	शाम 7 बजे

हाईलाइट

चैंपियंस लीग प्लेऑफ फुटबॉल मैच के दौरान गोल का प्रयास करते रियल मैड्रिड के अर्दा गुलर (बाएं) और बेनफिका के लिएंड्रो बैरेइरो बॉल।

चैंपियंस लीग के अगले दौर में रियल मैड्रिड

मैड्रिड। विनीसियस जूनियर ने बुधवार को बेनफिका के खिलाफ फिर से विजयी गोल दागा जिससे रियल मैड्रिड चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के अंतिम 16 में पहुंचने में सफल रहा। मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) भी मोनाको को हराकर प्लेऑफ से आगे बढ़ गया जबकि अटलांटा ने बोरुसिया डॉर्टमुंड के खिलाफ अंतिम क्षणों में गोल करके प्रतियोगिता में इटली की भागीदारी को बरकरार रखा। लेकिन युवेंटस दूसरे चरण में वापसी करने में नाकाम रहा और गैलाटासराय से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

सिमोन बाइल्स बनीं लॉरियस की एंबेसडर

नई दिल्ली। सात बार ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अमेरिकी जिम्नास्ट सिमोन बाइल्स को लॉरियस का एंबेसडर नियुक्त किया है। इस तरह से वह लॉरियस का एंबेसडर बनने वाले कई स्टार खिलाड़ियों के समूह में शामिल हो गई हैं। इन खिलाड़ियों में भारतीय भाला फेंक के दिग्गज नीरज चोपड़ा और विश्व कप विजेता पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह भी शामिल हैं। बाइल्स के नाम पर जिम्नास्टिक के इतिहास में सबसे अधिक पदक जीतने का रिकॉर्ड है।

पूर्व हॉकी खिलाड़ी फारुक का निधन

सिंगापुर। सिंगापुर के भारतीय मूल के पूर्व हॉकी खिलाड़ी और मैनेजर फारुक मैरिकन अली का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। वह 80 बरस के थे। दिग्गज पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ फारूक डिफेंडर की भूमिका में खेलते थे और 1968 से 1971 तक राष्ट्रीय टीम के लिए खेले। उन्होंने 1982 से 2000 के दशक तक सिंगापुर की पुरुष टीम के मेनेजर की भूमिका निभाई।

जर्मन ओपन में भारत का अभियान खत्म

मुलहेम एन डेर रूर (जर्मनी)। सीनियर भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत बृहस्पतिवार को यहां पुरुष एकल के दूसरे दौर में चीनी ताइपे के लिन चुन यी से सीधे गेम में हारकर जर्मन ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत को इंडिया ओपन सुपर 750 चैंपियन लिन के खिलाफ 32 मिनट तक चले मुकाबले में 14-21, 9-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत की हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी खत्म हो गया।

लय में लौटे धुरंधर, विस्फोटक पारियां खेल जिम्बाब्वे को 72 रनों से हराया

टी-20 विश्व कप : सुपर-8 में भारत ने 256 रनों का बनाया सबसे बड़ा स्कोर

चेन्नई, एजेंसी

हार्दिक पंड्या और अभिषेक शर्मा के अर्धशतक से भारत ने आईसीसी टी-20 विश्व कप के सुपर आठ के एकतरफा मैच में बृहस्पतिवार को यहां जिम्बाब्वे को 72 रनों से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की उम्मीदों को जीवंत रखा।

भारत की जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने ग्रुप एक से सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। भारत और वेस्टइंडीज के बीच रविवार को होने वाले मैच से ग्रुप से सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली दूसरी टीम का फैसला होगा। भारत के 257 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट (नाबाद 97 रन, 59 गेंद, छह छक्के, आठ चौके) के अर्धशतक और कप्तान सिकंदर रजा (31) के साथ उनकी तीसरे विकेट की 72 रन की साझेदारी के बावजूद कभी लक्ष्य के करीब पहुंचने की स्थिति में भी नहीं दिखी और छह विकेट पर 184 रन ही बना सकी। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 24 रन देकर तीन विकेट चटकाए। अक्षर पटेल (35 रन पर एक विकेट), वरुण चक्रवर्ती (35 रन पर एक विकेट) और शिवम दुबे (46 रन पर एक विकेट) ने एक-एक विकेट चटकाया। फॉर्म में वापसी करने वाले सलामी बल्लेबाज अभिषेक (55, 30 गेंद, चार छक्के, चार चौके) और पंड्या (नाबाद 50, 23 गेंद, चार छक्के, दो चौके) के धमाकेदार अर्धशतक से भारत ने चार विकेट पर 256 रन बनाए जो टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा और मौजूदा टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर है। पंड्या ने तिलक वर्मा (नाबाद 44, 16 गेंद, चार छक्के, तीन चौके) के साथ पांचवें विकेट के लिए 31 गेंद में 84 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 250 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले अभिषेक ने संजू सैमसन (24) के साथ पहले विकेट के लिए 48 और इशान किशन (38) के साथ दूसरे विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी करने भारत को ठोस मंच दिया। कप्तान सूर्यकुमार यादव (33) ने भी उपयोगी पारी खेली। जिम्बाब्वे के सभी गेंदबाज महंगे साबित हुए। ब्लेसिंग मुजरबानी ने चार ओवर में 62 रन लुटाकर एक विकेट हासिल किया। ब्रेड इवांस ने भी चार ओवर में 52 रन खर्च किए जबकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे जिम्बाब्वे ने पावर प्ले में 44 रन बनाकर धीमी लेकिन अच्छी शुरुआत की। ताडिवनाशे मरुमानी ने पंड्या और चक्रवर्ती पर छक्के मारे जबकि बेनेट ने जसप्रीत बुमराह का स्वागत दो चौकों के साथ किया। मरुमानी को 17 रन के स्कोर पर जीवनदान मिला जब चक्रवर्ती की गेंद पर स्थानापन्न खिलाड़ी रिंकू सिंह उनका कैच लपकने में नाकाम रहे। मरुमानी (20) हालांकि जीवनदान का फायदा नहीं उठा पाए और अक्षर की गेंद को प्वाइंट पर सीधे इशान किशन को कैच दे बैठे। बेनेट ने नौवें ओवर में अक्षर पर दो छक्कों और एक चौके से रन गति में इजाफा किया लेकिन डियोन मायर्स (06) ने चक्रवर्ती की गेंद पर तिलक को कैच थमा दिया।

रन लेते भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव (दाएं) और अभिषेक शर्मा। एजेंसी

- भारत की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद जीवंत
- फार्म में लौटे अभिषेक वर्मा ने 30 गेंदों पर ठोके 55 रन
- हार्दिक-तिलक के बीच 31 गेंद में 84 रन की हुई अटूट साझेदारी

भारत

256/4 (20 ओवर)

संजू सैमसन का बर्ल बो मुजरबानी	24
अभिषेक शर्मा का रजा बो मपोसा	55
इशान किशन का नगारवा को रजा	38
सूर्यकुमार का मुसेकिवा बो नगारवा	33
हार्दिक पंड्या नाबाद	50
तिलक वर्मा नाबाद	44

गेंदबाजी : नगारवा 4-0-62-1, मुजरबानी 4-0-43-1, मपोसा 2-0-40-1, इवांस 4-0-52-0, रजा 3-0-29-1, बेनेट 2-0-16-0, बर्ल 1-0-10-0

जिम्बाब्वे

184/6 (20 ओवर)

ब्रायन बेनेट नाबाद	97
मरुमानी का इशान बो अक्षर	20
डियोन मायर्स का तिलक बो चक्रवर्ती	06
सिकंदर रजा का अभिषेक बो अर्शदीप	31
रेयान बर्ल बो अर्शदीप	00
टोनी मुनयोंगा बो अर्शदीप	11
मुसेकिवा का सैमसन बो दुबे	07
ब्रेड इवांस नाबाद	01

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-24-3, पंड्या 3-0-21-0, बुमराह 3-0-21-0, चक्रवर्ती 4-0-35-1, अक्षर 4-0-35-1, दुबे 2-0-46-1

सुपर-8 ग्रुप 1

टीम	मैच	जीत	हार	रद	अंक	रनरेट
1. साउथ अफ्रीका	2	2	0	0	4	2.890
2. वेस्टइंडीज़	2	1	1	0	2	1.791
3. भारत	2	1	1	0	2	-0.100
4. ज़िम्बाब्वे	2	0	2	0	0	-4.475

सुपर-8 ग्रुप 2

1. इंग्लैंड	2	2	0	0	4	1.491
2. न्यूज़ीलैंड	2	1	0	1	3	3.050
3. पाकिस्तान	2	0	1	1	1	-0.461
4. श्रीलंका	2	0	2	0	0	-2.800

मैच के बाद जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट और ब्रेड इवांस ने भारतीय खिलाड़ियों को बधाई दी।

हम गेंद के साथ और बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे, लेकिन जीत जीत होती है : सूर्यकुमार यादव

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा हम चीजों को पीछे छोड़ना चाहते थे। वीडियो एनालिस्ट ने हमें समझाया कि हमने बीते समय में कितने अच्छा किया है। हम गेंद के साथ और बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे, लेकिन जीत जीत होती है और हम सकारात्मक माइंडसेट के साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबला खेलने जाएंगे।

मैं खुश हूं : हार्दिक पंड्या

प्लेयर ऑफ़ द मैच हार्दिक पंड्या ने कहा मैं खुश हूं। यह भले ही लगता हो कि 23 गेंदों में अर्धशतक लगाया है लेकिन मैं परिस्थितियों का आकलन किया। पिछले कुछ मुक़ाबलों में मैं उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाया था। साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज़ के मुक़ाबले पर हमारी नज़रें थीं और हम अपनी क्रिकेट पर ध्यान दे रहे हैं।

हमने अच्छी बल्लेबाजी की : सिकंदर रजा

जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने कहा – मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जो पॉजिटिव चीजों पर ध्यान देता हूं। पिछले मुक़ाबले की तुलना में आज हमने अच्छी बल्लेबाजी की। हम उन्हें 210-220 पर अगर रोक पाते तो ज्यादा बेहतर होता है। हम गेंदबाज़ी और फील्डिंग में अधिक बेहतर कर सकते थे। बल्लेबाजी के लिहाज से हमने पिछले मुक़ाबले से सबक लिया।

जीत दर्ज करने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम (दाएं) और रयान रिकेल्टन।

दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में

न्यूजीलैंड की निगाह अंतिम चार पर

अहमदाबाद, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान एडेन मार्करम (नाबाद 82 रन) के अर्धशतक के साथ उनकी दो साझेदारियों से सुपर आठ के मैच में वेस्टइंडीज को नौ विकेट से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखते हुए आईसीसी टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

दक्षिण अफ्रीका ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजी में भी कमाल किया। टीम ने अपनी बेहतरीन रणनीति की बदौलत जीत की लय जारी रखी। यह उनकी लगातार छठी जीत थी, जिससे उन्होंने टूर्नामेंट में वेस्टइंडीज के अजेय क्रम पर लगाम लगाई। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर जीत से दो अहम अंक जुटाए जिससे मेजबान भारत की अब क्वालीफिकेशन की उम्मीदें मजबूत हो गई हैं। दक्षिण अफ्रीका से मिली हार से भारत की उम्मीदों को झटका लगा था। इस हार से कैरेबियाई टीम के नेट रन रेट पर असर पड़ा जो 5.350 से घटकर 1.791 हो गया। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजों ने पहले दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज के बल्लेबाजी क्रम को झकझोरा जिसने निचले क्रम के बल्लेबाज रोमारियो शेफर्ड (नाबाद 52) और जेसन होल्डर (49) के बीच रिकॉर्ड साझेदारी की बदौलत वापसी करते हुए आठ विकेट पर 176 रन बनाए। फिर दक्षिण अफ्रीका ने कप्तान मार्करम के अर्धशतक और क्विंटन डिकॉक (47 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 7.5 ओवर में 95 रन की भागीदारी और रेयान रिकलटन (नाबाद 45 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 गेंद में 82 रन की अटूट साझेदारी से 16.1 ओवर में एक विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

वेस्टइंडीज

176/8 (20 ओवर)

ब्रैंडन किंग का डिकॉक बो एनगिडी	21
शाई होप का डिकॉक बो रबाडा	16
हेटमायर का महाराज बो रबाडा	02
रोवमैन का ब्रेविस बो एनगिडी	09
रोस्टन चेस बो एनगिडी	02
रदरफोर्ड का डिकॉक बो बॉश	12
जेसन होल्डर रन आउट	49
मैथ्यू फोर्ड का रिकेल्टन बो बॉश	11
रोमारियो शेफर्ड नाबाद	52
गुडाकेश मोती नाबाद	00

गेंदबाजी : केशव महाराज 4-0-43-0, मार्को यानसेन 4-0-50-0, कागिसो रबाडा 4-0-22-2, लुंगी एनगिडी 4-0-30-3, कॉर्बिन बॉश 4-0-31-2

- वेस्टइंडीज को 16.1 ओवर में नौ विकेट से हराया
- कैरेबियाई टीम का नेट रन रेट 5.350 से घटकर पहुंचा 1.791
- दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने बनाए 82 रन

दक्षिण अफ्रीका

177/1 (16.1 ओवर)

एडेन मार्करम नाबाद	82
क्विंटन डिकॉक का होल्डर बो चेस	47
रेयान रिकलटन नाबाद	45

गेंदबाजी : मैथ्यू फोर्ड 3-0-30-0, रोमारियो शेफर्ड 2-0-22-0, जेसन होल्डर 3.1-0-31-0, शमार जोसफ 2-0-24-0, गुडाकेश मोती 2-0-24-0, रोस्टन चेस 4-0-46-1

दक्षिण अफ्रीका ने पावरप्ले के छह ओवर में 69 रन बनाकर वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को दबाव में ला दिया। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने नियंत्रण बनाए रखा। मार्करम और डिकॉक ने तेज गेंदबाजों और स्पिनर दोनों पर आराम से रन जुटाकर शानदार साझेदारी की। डिकॉक ने 24 गेंद की अपनी पारी में चार छक्के और इतने ही चौके लगाए। लेकिन वह लांग ऑन पर जेसन होल्डर को कैच देकर आउट हो गए।मारक्रम ने गुडाकेश मोती की गेंद पर एक रन लेकर अपना अर्धशतक पूरा किया। रिकलटन क्रीज पर उतरे और उन्होंने मारक्रम का अच्छा साथ निभाया। मारक्रम ने जेसन होल्डर की गेंद पर सीधा चौका लगाकर मैच स्टाइल से खत्म किया। इससे पहले पिछले मैच में जिम्बाब्वे पर शानदार जीत दर्ज करने वाली वेस्टइंडीज ने सात ओवर के अंदर 60 रन में पांच विकेट गंवा दिए थे। इसमें दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा (दो विकेट) और लुंगी एनगिडी (तीन विकेट) ने वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया।

कोलंबो। अपने स्पिनरों के दम पर पिछले मैच में श्रीलंका पर बड़ी जीत दर्ज करने वाला न्यूजीलैंड शुक्रवार को यहां टी20 विश्व कप के सुपर आठ के मैच में इंग्लैंड के खिलाफ अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर सेमीफाइनल में जगह सुरक्षित करने की कोशिश करेगा। इंग्लैंड पहले ही अपने दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर चुका है लेकिन यह मैच उसके लिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम का भी फैसला होगा।

श्रीलंका के खिलाफ 61 रन की बड़ी जीत से न्यूजीलैंड सेमीफाइनल के करीब पहुंच गया है क्योंकि इससे उसका नेट रन रेट अच्छा हो गया है। न्यूजीलैंड का नेट रन रेट प्लस 3.050 है और उसे अगले मैच में बस यह सुनिश्चित करना है कि अगर वह इंग्लैंड से पराजित हो भी जाता है तो हार का अंतर न्यूनतम हो। इंग्लैंड से हार के बाद पाकिस्तान का नेट रन रेट माइनस 0.461 हो गया है। उसे नेट रन रेट में न्यूजीलैंड से आगे निकलने के लिए कीवी टीम की करारी हार की दुआ करनी होगी।

सीरीज जीवंत रखने के लिए भारत को बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत

महिला वनडे सीरीज

होबार्ट, एजेंसी

मौजूदा विश्व चैंपियन भारत को पहले मैच में बुरी तरह हारने के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की वनडे श्रृंखला को अगर जीवंत रखना है तो उसे शुक्रवार को यहां होने वाले दूसरे महिला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टी20 श्रृंखला 2-1 से जीतने के बाद भारतीय टीम वनडे श्रृंखला की अच्छी शुरुआत नहीं कर पाई और ब्रिस्बेन में खेले गए पहले मैच में छह विकेट से हार गई। भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कभी भी द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला नहीं जीती है।

इस प्रारूप में इन दोनों देशों के बीच खेली गई श्रृंखलाओं में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहा है। दोनों टीमों के बीच अभी तक 11 द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला खेली गई हैं जिनमें सभी में ऑस्ट्रेलिया ने जीत हासिल की। इनमें 2024 में 3-0 से और सितंबर 2025 में 2-1 से जीत भी शामिल है। लेकिन भारत 2025 में महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर मिली पांच विकेट की जीत से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगा। वर्तमान श्रृंखला के पहले मैच में भारतीय बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया की चुनौती का सामना करने में नाकाम रहे और पूरी टीम केवल 214 रन पर आउट हो गई। उप-कप्तान स्मृति मंधाना (58), कप्तान हरमनप्रीत कौर (53) और कासवी गौतम (43) को छोड़कर अन्य भारतीय बल्लेबाज बड़ी पारियां नहीं खेल सका। वे ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी के सामने संघर्ष करते हुए नजर आए।

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष, उमा छेत्री, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, काशवी गौतम, हरलीन देयोल, प्रतिका रावल।

ऑस्ट्रेलिया : एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनी (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फोबे लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलिस पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा मुकाबला आज सुबह 9:20 बजे से

रणजी ट्रॉफी फाइनल | कर्नाटक को फॉलोआन के खतरे में डाला, औकिब नबी ने तीन विकेट चटकाए

जम्मू-कश्मीर फिर इतिहास रचने को तैयार

खेल डेस्क

अमृत विचार। राष्ट्रीय क्रिकेट की श्रेष्ठता की प्रतीक रणजी ट्रॉफी में पहली बार फाइनल खेलने का अधिकार पाने के साथ ही इतिहास सृजित कर चुका जम्मू-कश्मीर एक बार फिर इतिहास रचने को तैयार है। इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है कि बल्लेबाजों के पराक्रम के बाद शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन से मेहमानों ने खिताबी मुकाबले में पूर्व चैम्पियन व मेजबान कर्नाटक को फॉलोऑन के खतरे में धकेल दिया है।

इस क्रम में यहां केएससीए हुबली क्रिकेट ग्राउंड पर तीसरे दिन का खेल समाप्त हुआ तो जम्मू-कश्मीर के विशाल स्कोर (584 रन) के जवाब में पेसर ऑकिब नबी (3-32) के सामने कर्नाटक का शीर्षक्रम ध्वस्त हो गया और टीम 69 ओवरों में 220 रनों पर पांच विकेट गंवाकर संकट में थी।

कर्नाटक पहली पारी के आधार पर 364 रन पीछे है और उसे फॉलोऑन बचाने के लिए अब भी 165 रनों की दरकार है। अब यह देखना दिलचस्प रहेगा कि चौथे दिन कर्नाटक के बचे बल्लेबाज फॉलोऑन बचा पाने में सफल हो पाते हैं अथवा नहीं। उल्लेखनीय है कि रणजी ट्रॉफी में 1959-60 में पदार्पण करने के बाद जम्मू-कश्मीर पहली बार फाइनल में पहुंची है।

ऑकिब नबी की बात करें तो उन्होंने लगातार नौ ओवर फेंककर भारतीय क्रिकेट के कुछ बड़े नामों को परेशानी में डाला। उन्होंने 12वें ओवर में 27 के योग पर लोकेश राहुल (13 रन) को आउट किया और फिर 18वें ओवर में लगातार गेंदों पर करुण नायर (0) व स्मरण रविचंद्रन (0) खाता खोलने तक नहीं दिया (4-57)। इसके पिछले ओवर में कप्तान देवदत्त पडिक्कल (11 रन) सुनील कुमार (1-45) के शिकार बन चुके थे।

पैवेलियन लौटते जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा (बाएं) और अन्य खिलाड़ी। शतक लगाने के बाद जश्न मनाते मयंक अग्रवाल।

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

जम्मू-कश्मीर	584/10
यश जम्मू-कश्मीर	220/5

नबी मौजूदा सत्र में ले चुके हैं 58 विकेट

गौरतलब है कि नबी ने पूरे सत्र में टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है और मौजदू सत्र में उनके विकेटों की संख्या 58 हो गई है, जो उत्तराखंड के स्पिनर मयंक मिश्रा के 59 विकेट से सिर्फ एक कम है। गनीमत रही कि अनुभवी ओपनर मयंक अग्रवाल (नाबाद 130 रन, 207 गेंद, 17 चौके) ने मजबूत रक्षात्मक तकनीक का नजारा पेश करते हुए एक छोर संभाले रखा। उन्हें 124 रनों के स्कोर पर जीवनदान भी मिला। मयंक ने श्रेयस गोपाल (27 रन) संग पांचवें विकेट पर 105 रनों की साझेदारी की थी, तभी युद्धवीर सिंह (1-32) ने गोपाल को लौटाकर यह भागीदारी तोड़ी। इसके बाद मयंक, कृतिक के साथ क्रीज पर हैं।